@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 13 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 205 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राहुल ने नैतिक-दार्शनिक नेतृत्व कर कांग्रेस में नई जान फूंकी

नई दिल्ली, 12 जून। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पार्टी के पुनरुत्थान का श्रेय राहुल गांधी को दिया। उन्होंने कहा कि राहुल ने न केवल पार्टी को नैतिक और दार्शनिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि लोकसभा चुनावों की योजना भी तैयार की, जिसका असर नतीजों में भी दिखाई दिया। गोगोई ने मई 2022 में पार्टी के उदयपुर चिंतन शिविर में कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के संदेश को याद किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी ने पुनरुत्थान की राह पर एक लंबा सफर तय किया और उस राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, आपको 2021 से कांग्रेस के सफर को याद होगा जब हम हमने बहुत खराब प्रदर्शन किया था। हमने 2019 के लोकसभ चुनाव में खराब प्रदर्शन किया था। 2021 के विधानसभा चुनाव में हम असम और केरल में हार गए थे और भाजपा उफान पर थी। हमने उदयपुर में चिंतन शिविर का आयोजन किया, क्योंकि हम चिंतित थे। असम की जोरहाट लोकसभा सीट पर करीब डेढ़ लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज करने वाले गोगोई ने कहा कि चिंतन शिविर के अंत में तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपने भाषण में कहना पड़ा था कि हम इससे तीन बार पार पा लेंगे, जो उस समय पार्टी की मानसिकता को दिखाता है। उन्होंने हां, अगर आप उस समय से देखें तो हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं और हमें इससे भी आगे जाना है। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर के बाद देखा होगा कि कांग्रेस के पुनरुद्धार को राहुल गांधी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने किया 41 भारतीयों की मौत की मुआवजे का एलान

सिम्मी कौर बब्बर

कुवैत, 12 जून। कुवैत में एक इमारत में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 41 भारतीयों की मौत की खबर है। इसके अलावा इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में आग लग गई थी। जिस इमारत में यह भीषण आग लगी, उसमें 190 से अधिक लोग रहते थे। सभी एक ही संस्थान में काम करते थे। कुवैत के फॉरेंसिक विभाग के महानिदेशक मेजर जनरल ईद अल-ओवैहान का कहना है कि मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकांश केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के नागरिक थे। मृतकों की उम्र 20 से 50 साल के बीच बताई गई है। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने इसे लेकर हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दूतावास का कहना है कि इस अग्निकांड में भारतीयों की मौत के संबंध में जानकारी हासिल करने के लिए +965-65505246 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। दूतावास की तरफ से हर संभव मदद का एलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुवैत में हुए अग्निकांड पर शोक प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा 'कुवैत में आग की दुर्घटना दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने अपने परिजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। कुवैत में भारतीय दूतावास द्वारा इस घटना पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।' पीएम मोदी ने इस हादसे में मृतक भारतीय नागरिकों के परिवारों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये मुआवजा राशि देने की घोषणा की है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'कुवैत में आग की घटना से आहत हूं। इस घटना में 40 लोगों की मौत और 50 लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर है। हमारे राजदूत शिविर में गये हैं। हम आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।' विदेश मंत्री ने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने आशा जताई है कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द ही पूर्ण स्वस्थ होंगे। उधर प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत में अग्निकांड की घटना की समीक्षा के लिए बैठक ली। बैठक में बताया गया कि हादसे में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि

अधिकांश मौतें धुएं की वजह से हुईं। पीएम मोदी के निर्देशों पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत जाएंगे। वे वहां राहत कार्यों की निगरानी करेंगे। इसके साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के शवों की शीघ्र स्वदेश वापसी के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। बैठक के बाद विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा 'हम कुवैत अग्निकांड के पीड़ितों के साथ खड़े हैं, हम उनके प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हैं। हमने पीएम मोदी के साथ बैठक की और कल सुबह हम कुवैत की यात्रा कर रहे हैं।' एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस हादसे में केरल के कई लोग मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में मृतकों के नाम भी बताए गए हैं। हालांकि, अमर उजाला इसकी पुष्टि नहीं करता। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों की पहचान इस प्रकार की गई- शिबू वर्गीस, उमरुद्दीन शमीर (33), आकाश शशिधरन नायर (23), रंजीत, थॉमस जोसेफ, प्रवीण माधव सिंह, लुकोस उन्नुत्री, भुनाथ रिचर्ड रॉय आनंद, केलू पी , स्टीफन अब्राहम साबू, मोहम्मद शरीफा, अनिल गिरी, संजू वर्गीस, द्वारिकेश पटनायक, पीवी मुरलीधरन, विश्वास कृष्णन, अरुण बाबू, साजन जॉर्ज, रेमंड, जीसस लोप्स, डेनी बेबी करुणाकरण। कुवैत के आंतरिक मामलों के मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबा ने पुलिस को मंगफ स्थित इमारत के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया।

चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 12 जून। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने आज बुधवार को आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी भी पहुंचे। उनके अलावा कई फिल्मी सितारे भी समारोह में शामिल हुए। आंध्र विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले जनसेना पार्टी के चीफ और साउथ एक्टर पवन कल्याण भी वहां पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की। आज बुधवार 13 जून को विजयवाड़ा में सीएम नाडयू का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इसमें पीएम मोदी सहित कई राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। वहीं फिल्मी सितारे भी आए। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत भी शामिल हुए। उनके अलावा अभिनेता व पवन कल्याण के भाई चिरंजीवी भी नजर आए। समारोह के दौरान सीएम नायडू और पवन कल्याण ने पीएम मोदी को भगवान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में पवन कल्याण की पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पीथापुरम सीट से चुनाव जीता है। उनकी इस ऐतिहासिक जीत की पीएम मोदी तारीफ कर

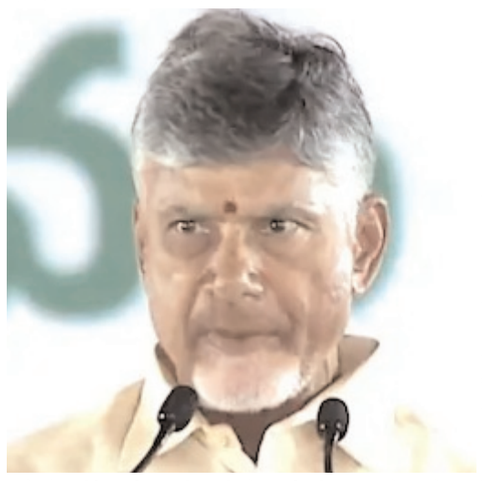

चुके हैं। बीते दिनों एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने पवन कल्याण की तारीफ करते हुए कहा था, ये पवन, पवन नहीं आंधी हैं। आज शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने पवन कल्याण से मुलाकात के दौरान उनकी पीठ थपथपाई। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम नायडू और पवन कल्याण को राज्य में उनकी नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी। बता दें कि हाल के विधानसभा चुनाव में नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने बहुमत हासिल किया है। यह चुनाव उन्होंने एनडीए के साथ मिलकर लड़ा था जिसमें उन्हें जबरदस्त सफलता मिली है। पांच साल बाद राज्य की सत्ता में वापसी करते हुए चंद्रबाबू नायडू एक बार फिर मुख्यमंत्री बन गए हैं। समारोह में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत और चिरंजीवी से मुलाकात की। इस दौरान केरल में पहली बार कमल खिलाने वाले अभिनेता सुरेश गोपी भी नजर आए।

दिल्ली में आसमान से बरस रही आग

नई दिल्ली, 12 जून। उत्तर पश्चिम भारत समेत दिल्ली-एनसीआर में आसमान से सूरज आग बरस रहा है। चिलचिलाती गर्मी व लू के थपेड़ों ने हाल बेहाल किया हुआ है। बुधवार को भी चुभती गर्मी और लू ने जीना मुश्किल किया। गर्मी और लू का ऐसा असर रहा कि राजधानी के अधिकतर इलाकों में तापमान 44 डिग्री के पार ही दर्ज हुआ। जबकि नजफगढ़ व नरेला जैसे इलाकों में तापमान 47 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ। गर्मी के इस सितम से अभी राहत के संकेत नहीं है। अभी 18 जून तक भीषण गर्मी ऐसे ही पसीने छुड़ाएगी और लू परेशान करेगी। महीने के अंत तक ही दिल्ली में मानसून दस्तक दे सकता है। दिल्ली-एनसीआर में बीते चार-पांच दिनों से गर्मी ने हाल बेहाल किया हुआ है। सुबह सवेरे ही सूरज के तेवर तल्ख हो जाते हैं दिन चढ़ते-चढ़ते ऐसा लगता है मानो सूरज आग बरसा रहा हो। बुधवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से एक डिग्री अधिक 28.5 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि दिल्ली का नजफगढ़ इलाका सबसे गर्म रहा, यहां तापमान 47.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नरेला में तापमान 47.5 डिग्री सेल्सियस रहा। पीतम पुरा, पूसा, जाफरपुर, रिज जैसे इलाकों में तापमान 46 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार बीते दिनों आए पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो चुका है। पश्चिमी विक्षोभ नहीं होने से बादल जमा नहीं होंगे। अगले छ: दिन तक लू की स्थिति बनी रहेगी। विभाग ने 13 जून से 18 जून तक लू का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तापमान 44 से 45 डिग्री तक रहने का अनुमान है।

पीड़ितों के परिवारों तक हर संभव मदद पहुंचाएं: मल्लिकार्जुन खड़गे

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 12 जून। बुधवार को कांग्रेस ने कुवैत में एक बड़ी इमारत में लगी आग में कई भारतीयों सहित कई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। साथ ही विदेश मंत्रालय से भारतीय पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। कुवैत में एक इमारत में लगी आग में लगभग 41 लोगों की मौत हुई है। जिसमें कई भारतीय भी शामिल हैं। अधिकारियों की मानें तो आग बुधवार तड़के कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगाफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। इस इमारत में लगभग 160 लोग रहते है, जो कि इसी कंपनी के कर्मचारी हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस दुर्घटना में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें कुछ भारतीय भी शामिल हैं। इस घटना के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुवैत में हुई भयानक त्रासदी से दुखी हूं, जहां कई भारतीय मजदूरों की जान चली गई और

कई के घायल होने की सूचना आ रही है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं। उन्होंने कहा, हम विदेश मंत्रालय से आग्रह करते हैं कि पीड़ितों और उनके परिवारों को ईमानदारी से हर संभव सहायता प्रदान की जाए। कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने कहा, कुवैत में एक श्रमिक शिविर में आग लगने के कारण हमारे साथी भारतीय नागरिकों की जान जाने की खबर से बहुत दुख हुआ। दिवंगत आत्माओं के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं विदेश मंत्रालय से इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों की तत्काल सहायता प्रदान की जाए। सभी पीड़ितों और उनके परिवारों को उचित मुआवजा भी दिया जाए। वेणुगोपाल ने कहा कि यह घटना मध्य पूर्व में भारतीय मजदूरों के रहने की भयावह स्थिति की याद दिलाती है। वहीं केरल के अलप्पुझा से सांसद ने कहा, सरकार को अपने समकक्षों के साथ मिलकर हमारे नागरिकों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। जिसमें उचित आवास सुविधाएं, पर्याप्त सुरक्षा, सावधानियां और सुविधाएं शामिल हों। जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। कांग्रेस ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, कुवैत में एक इमारत में आग लगने से कई भारतीयों की मौत की दुखद खबर सामने आई है। कांग्रेस परिवार इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। कुवैत के फॉरेंसिक विभाग के महानिदेशक मेजर जनरल ईद अल-ओवैहान का कहना है कि मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकांश केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के नागरिक थे। मृतकों की उम्र 20 से 50 साल के बीच बताई गई है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'कुवैत में आग की घटना से आहत हूं।

सपा विधायक मनोज पांडे के नाम पर चिपकाई गई काली पट्टी

लखनऊ, 12 जून। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने वाले सपा विधायक मनोज पांडेय के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। विधानसभा में उनके नाम के ऊपर काली पट्टी चिपका दी गई है। वह सपा के मुख्य सचेतक थे। मनोज पांडेय ने राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा से बगावत कर दी थी और भाजपा उम्मीदवार का समर्थन किया था। इसके बाद से ही उनका भाजपा मे जाना तय हो गया था। बीते दिनों उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में रायबरेली में भाजपा में शामिल हो गए थे। अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। बुधवार को लखनऊ विधानसभा में लगी सपा विधानमंडल दल की नेम प्लेट में उनके नाम पर काली पट्टी लगा दी गई है। इस पट्टी पर सबसे ऊपर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम है क्योंकि वह नेता प्रतिपक्ष हैं। इसके बाद इंद्रजीत सरोज का नाम है। वह सदन के उपनेता हैं। तीसरे नंबर पर मनोज पांडेय का नाम हैं। उन्हें विधानसभा में सपा का मुख्य सचेतक बनाया गया था। अब उनके नाम पर काली पट्टी लगा दी गई है। बता दें कि सपा ने बागियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे। विधानसभा में जून के तीसरे सप्ताह से होने वाले सत्र के लिए हलचल तेज हो गई है। विधायक से सांसद चुने गए नेताओं ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट से विधायक थे। उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। इसी तरह फैजाबाद लोकसभा सीट से सांसद चुने गए अवधेश प्रसाद ने भी इस्तीफा दे दिया है। जल्द ही अन्य नेता जो कि विधायक से सांसद बने हैं। वो भी इस्तीफा दे देंगे।

सुप्रीम कोर्ट से छात्रों को झटका!

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 12 जून। नीट की परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर शीर्ष अदालत में एक याचिका दाखिल की गई, जिसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई चली। हालांकि, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट से छात्रों को झटका लगा है। अदालत ने परीक्षा रद्द करने और काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। वहीं, दोबारा परीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी किया। इस मुद्दे पर बात करते हुए महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा, नीट परीक्षा संभवतः पैसे लेकर आयोजित की गई थी। परिणाम ऐसे हैं कि महाराष्ट्र के किसी भी छात्र को राज्य के सरकारी या निजी कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि कई छात्रों के माता-पिता ने इस मुद्दे के समाधान के लिए उनसे संपर्क किया है। 2023 में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या 20,38,596 थी, जबकि 2024 में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या बढ़कर 23,33,297 हो गई। उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि के कारण स्वाभाविक रूप से उम्मीदवारों के एक बड़े समूह के कारण उच्च अंक प्राप्त करने वालों की संख्या में वृद्धि हुई। एनईईटी यूजी परिणाम घोषणा से

पहले, शिवांगी मिश्रा और अन्य ने 1 जून को एक याचिका दायर की थी। परिणाम आने के बाद कई उम्मीदवारों को अनुग्रह अंक देने के एनटीए के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुछ और याचिकाएं दायर की गई हैं। हालांकि, इन याचिकाओं को अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना बाकी है। 17 मई को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अगुवाई वाली पीठ ने एनईईटी-यूजी 2024 परिणामों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन एनईईटी पुनः परीक्षा के लिए याचिका पर नोटिस जारी करने पर सहमति व्यक्त की। गौरतलब है कि इसी तरह की याचिकाएं विभिन्न उच्च न्यायालयों में भी लंबित हैं। इस साल फरवरी में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश भर के 706 मेडिकल कॉलेजों में कुल 1,08,940 एमबीबीएस सीटें हैं। तमिलनाडु में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सबसे ज्यादा 5,275 एमबीबीएस सीटें हैं , उसके बाद महाराष्ट्र के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 5,125 सीटें हैं। एनटीए 2016 से नीट का आयोजन कर रहा है। इस साल 2024 की नीट परीक्षा 5 मई को 24 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी। करीब 1500 छात्रों को बढ़ा-चढ़ाकर दिए गए अंक, ग्रेस मार्क्स के आवंटन और नतीजे घोषित होने के बाद अनियमितताओं को लेकर विवाद हुआ। ये याचिका सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना व आंध्र प्रदेश के रहने वाले अब्दुल्लाह मोहम्मद फैज और शैंक रोशन मोहिद्दीन ने दायर की है।

कनाडा में भारत विरोधी तत्वों को पनाह

नई दिल्ली, 12 जून। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बुधवार को कहा कि कनाडा के साथ नई दिल्ली का मुख्य मुद्दा भारत विरोधी तत्वों को दी जाने वाली राजनीति जगह है। ये तत्व आतंकवाद और हिंसा की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने बार-बार कनाडा के सामने अपनी गंभीर चिंताओं को रखा है। उम्मीद है कि कनाडा ऐसे तत्वों के खिलाफ

कड़ी कार्रवाई करेगा। क्वात्रा ने यह बात भारत और कनाडा के संबंधों में आई नरमी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की हालिया टिप्पणी पर कही। उन्होंने कहा कि अभी-अभी हमारे यहां आम चुनाव संपन्न हुए हैं। मुझे भरोसा है कि हर कोई इस बात से सहमत होगा कि यह मानव जाति के इतिहास में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया थी। करीब 64 करोड़ लोगों ने मतदान किया और भारत के लोकतंत्र की जीवंतता को दुनियाभर में मान्यता और सराहना मिली। ट्रूडो क दक्षिणपंथी के उदय संबंधी बयान पर उन्होंने कहा कि इस बारे में मैं कुछ नहीं कहना चाहता कि कोई और क्या सोचता है। क्वात्रा ने कहा कि भारत रूस पर रूसी सेना में कार्यरत अपने नागरिकों की सुरक्षा और उनकी स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए दबाव डाल रहा है। उनका यह बयान विदेश मंत्रालय के यह जानकारी दिए जाने के बाद आई है कि रूस-यूक्रेन जंग में रूसी सेना में कार्यरत दो और भारतीयों की मौत हो गई। रूस-यूक्रेन जंग में मारे जाने वाले भारतीयों की संख्या चार हो गई है। विदेश सचिव ने कहा कि पहले दिन से ही हम लगातार रूसी अधिकारियों, व्यवस्था और नेतृत्व के साथ इस मसले पर चर्चा कर रहे हैं। हमने रूसी अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा है कि युद्ध क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीयों को, चाहे वे वहां कैसे भी पहुंचे हों, वापस भारत भेजा जाना चाहिए। अधिकारियों के अनुसार, रूसी सेना में सहायक के रूप में काम कर रहे कुल 10 भारतीयों को रिहा कर दिया गया और उन्हें भारत वापस भेजा गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब 200 भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में सुरक्षा सहायक के रूप में भर्ती किया गया था।

मोहन माझी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

नरेश मल्होत्रा

भुवनेश्वर, 12 जून। ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बनी। क्योंझर से विधायक मोहन चरण माझी ने आज भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ केवी सिंह देव और प्रभाती परिदा ने राज्य के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसी के साथ ओडिशा में पहली बार एक सीएम, दो डिप्टी सीएम और 13 मंत्रियों की सरकार बनी। शपथ ग्रहण समारोह शाम 5 बजे शुरू हुआ। इस कार्यक्रम को भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित किया गया। ओडिशा के मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन चरण मांझी के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भुवनेश्वर पहुंचे। एयरपोर्ट पर ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास और स्वयं मोहन चरण मांझी ने पीएम मोदी का स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी शपथ समारोह में मौजूद रहें। पूर्व सीएम नवीन पटनायक भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। बता दें कि माझी के नाम का एलान 11 जून को हुई विधायक दल की बैठक में किया गया। भाजपा ने वरिष्ठ पार्टी नेता राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को ओडिशा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। सीएम चुने जाने के बाद माझी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी जाएंगे। बता दें कि मोहन माझी के अलावा 16 अन्य मंत्रियां ने भी शपथ ली। गणेश राम, संपंद स्वेन, प्रदीप बालासमंता, गोकुला नंद मलिक, सूर्यबंशी सुराज को मंत्री स्वतंत्र प्रभार की शपथ दिलाई गई। माझी कैबिनेट में सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानद गोंड, पृथ्वीराज हरिचंदन, कृष्ण चंद्र महापात्रा, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना, कृष्ण चंद्र पात्रा भी मंत्री के रूप में शामिल किए गए हैं। चार बार एक ही विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने वाले माझी पर इस बार भारतीय जनता पार्टी ने भरोसा जताया और उन्हें ओडिशा का 15वां मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। आपको बता दें कि इस बार ओडिशा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में बीजू जनता दल के विजयरथ को रोका और बड़ी जीत दर्ज की। 147 में से 78 सीटों पर जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी ओडिशा में सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। पार्टी ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना पीएम मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। उधर, बीजू जनता दल को 51 सीटों पर जीत हासिल हुई। आदिवासी नेता मोहन माझी ने विधानसभा चुनाव में

क्योंझर सीट से जीत हासिल की है। इस चुनाव में उन्होंने बीजू जनता दल की मीना माझी को 11,577 मतों से शिकस्त दी। 52 वर्षीय भाजपा नेता की विधानसभा चुनाव में यह चौथी जीत है। वह पहली बार 2000 में क्योंझर (एसटी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विधायक चुने गए थे। इसके बाद 2004, 2019 और अब 2024 में भी क्योंझर सीट से जीते हैं। माझी ओडिशा विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक भी रह चुके हैं। मोहन चरण माझी का जन्म 1972 में ओडिशा में हुआ था। उनके पिता का नाम गुनाराम माझी है। उनकी शादी डॉ. प्रियंका मरांडी से हुई है और उनके दो बेटे हैं। मोहन चरण माझी ने अपना सियासी करियर एक सरपंच के रूप में शुरू किया था। उन्होंने यह जिम्मेदारी 1997 से 2000 के बीच संभाली। 1997 में उन्हें भाजपा ओडिशा आदिवासी मोर्चा के सचिव की जिम्मेदारी मिली। इसके अलावा मोहन स्थानीय स्तर पर युबज्योति क्लब, रायकला के अध्यक्ष, बाबा धबलेश्वर महादेव मंदिर समिति, रायकला के सदस्य और भाजपा ओडिशा एसटी मोर्चा के महासचिव जैसे पदों पर भी रहे। 2023 में माझी तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने 700 करोड़ रुपये के मिड डे मील घोटाले को उजागर करने के लिए अनूठे तरीके से विधानसभा में विरोध किया था। माझी ने तब एक कटोरी बिना पकी दाल स्पीकर की तरफ उछाल दी थी। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में मोहन ने अपनी संपत्ति 1.97 करोड़ रुपये घोषित की थी।

पाकिस्तान में पश्तो एक्ट्रेस की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पश्तो अभिनेत्री खुशबू खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के नौशेरा जिले में एक खेत में अभिनेत्री का शव पाया गया। अभिनेत्री की हत्या के आरोप में अकबरपुरा पुलिस ने दो संदिग्धों के विरुद्ध हत्या का मामला पंजीकृत किया है। दोनों संदिग्धों की पहचान शौकत और फलक नियाज के रूप में की गई है। मारी गई अभिनेत्री के भाई ने अपनी शिकायत में इन दोनों को नामजद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार करने के लिए दोनों की खोज शुरू कर दी है। इनमें से एक पहले भी अभिनय उद्योग से संबंधित एक महिला की हत्या मामले में नामजद किया जा चुका है। मृत अभिनेत्री के भाई ने एफआईआर में कहा है कि खुशबू ने दोनों का प्रस्ताव नहीं माना जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। दोनों ने केवल उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में ही काम करने की मांग की थी। खुशबू के नहीं मानने पर उन लोगों ने अपने स्थान पर पार्टी में बुलाया और उसकी हत्या कर दी।

विमान हादसे में मलावी के उपराष्ट्रपति समेत 10 की मौत

ब्लांटायर। विमान हादसे में मलावी के उपराष्ट्रपति सोलोस चिलिमा और नौ अन्य लोगों की मौत हो गई है। देश के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने यह जानकारी दी। उपराष्ट्रपति सोलोस चिलिमा जिस सैन्य विमान में यात्रा कर रहे थे, उसका मलबा देश के उत्तर में एक पहाड़ी क्षेत्र में मिला। ज्ञात रहे कि एक दिन पहले उनका विमान लापता हो गया था, एक दिन से अधिक समय तक चली खोज के बाद विमान का मलबा मिला। राष्ट्रपति चकवेरा ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि इस दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। उपराष्ट्रपति चिलिमा और आठ अन्य लोगों को लेकर विमान इस दक्षिणी अफ्रीकी देश की राजधानी लिलोंग्वे से सोमवार सुबह 9.17 बजे रवाना हुआ था और इसे करीब 45 मिनट बाद राजधानी से 370 किलोमीटर दूर मजुजु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरना था। राष्ट्रपति ने कहा कि हवाई यातायात नियंत्रक ने खराब मौसम के कारण विमान को मजुजु हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास नहीं करने और वापस लिलोंग्वे की ओर मुड़ने के लिए कहा। इसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक का विमान से संपर्क टूट गया और विमान रडार से गायब हो गया। विमान में सात यात्री और सैन्य चालक दल के तीन सदस्य सवार थे।

भारत के नवनियुक्त विदेश मंत्री जयशंकर को नेपाल के विदेश मंत्री एवं पूर्व विदेश मंत्रियों ने दी बधाई

काठमांडू। भारत के नवनियुक्त विदेश मंत्री डा एस जयशंकर को नेपाल के उप-प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री नारायणकाजी ने बधाई संदेश भेजा है। डॉ. जयशंकर को नेपाल के कई पूर्व विदेश मंत्रियों ने भी बधाई दी है। नेपाल के उप-प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठ ने डॉ. एस जयशंकर को विदेश मंत्री नियुक्त होने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। अपने बधाई संदेश में उप-प्रधानमंत्री श्रेष्ठ ने डॉ जयशंकर के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंधों को और अधिक मजबूती मिलने का विश्वास व्यक्त किया है। नेपाल के पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने भी विदेश मंत्री डा जयशंकर को बधाई देते हुए ट्वीट किया है। अपने ट्विटर हैंडल पर डॉ जयशंकर को लगातार दूसरी बार विदेश मंत्री बनने पर बधाई देते हुए पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने कहा है कि पहले कार्यकाल की तरह ही उनके दूसरे कार्यकाल में भी उन्हें सफलता मिले। साउद ने कहा है कि विदेश मंत्री के रूप में डॉ. एस जयशंकर ने पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी उसी तरह इस बार भी वो विश्व कूटनीतिक मंच को एक नई दिशा देने में कामयाब होंगे। इसके अलावा नेपाल के पूर्व विदेश मंत्रियों डॉ. प्रकाश शरण महत, डॉ. युवराज खतिवडा, डॉ. बिमला राई पौडेल आदि ने भी डॉ. एस जयशंकर को विदेश मंत्री बनने पर बधाई दी है।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 85 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया

क्वेटा। सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश करने के आरोप में सीमावर्ती चगाई जिले में 85 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया। पाकिस्तान के समाचार पत्र डान में अधिकारियों के हवाले से छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नागरिकों के पास कोई यात्रा दस्तावेज नहीं थे। इनको बिना कानूनी यात्रा दस्तावेजों के पाकिस्तान की सीमा के अंदर दबोचा गया। रिपोर्ट के अनुसार यह सभी अफगान नागरिक यहां से ईरान में प्रवेश करने की जुगत में थे। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की जांच के लिए उन्हें लेवी बल को सौंप दिया गया है। लेवी अधिकारियों ने कहा कि कानूनी औपचारिकता और प्रक्रिया पूरी करने के बाद अफगान नागरिकों को पाकिस्तान-अफगान सीमा पर बाराचा क्रॉसिंग गेट के माध्यम से निर्वासित किया जाएगा।

इस्राइल ने हमास के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकराया

गाजा में बंधकों की रिहाई पर फिर लटकी तलवार

एजेंसी

यरूशलम। इस्राइल ने हमास के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। इसी के साथ अब गाजा में युद्ध विराम और बंधकों को रिहा करने के समझौते पर भी तलवार लटकने लगी। सूत्र के अनुसार, हमास ने कतर के मध्यस्थों के समक्ष अपना प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव में गाजा में युद्ध विराम के साथ संपूर्ण रूप से गाजा से इस्राइली सैनिकों की वापसी शामिल थी। सूत्र ने बताया कि इस मामले में समझौते की उम्मीद जताते हुए अमेरिका के साथ समन्वय में कतर और मिस्र के मध्यस्थों के माध्यम से बातचीत जारी रखने की उम्मीद है। अपना जवाब दाखिल करते हुए हमास के प्रवक्ता ओसामा हमदन ने लेबनान की मीडिया से बात

की। उन्होंने कहा, ÷हमारा जवाब गाजा में युद्धविराम और इस्राइली सेना के वापसी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की स्पष्ट पुष्टि है।

इस्राइल ने किया हमास के प्रस्ताव को अस्वीकार

एक इस्राइली अधिकारी ने हमास के जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, इस्राइल को हमास का जवाब मिला। हमास ने बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इसे अपने भाषण में रखा था। हालांकि, हमास ने इस दावे का विरोध करते हुए इसे प्रस्ताव से पीछे हटने का इस्राइल का प्रयास बताया।

बता दें कि इस्राइल द्वारा तैयार की गई योजना को पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस योजना में छह हफ्ते का युद्ध विराम शामिल है। इस दौरान हमास बंधकों को रिहा करेगा और इस्राइल फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इस्राइल ने कहा था कि वह औपचारिक रूप से इस योजना पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है।

इस्राइली सरकार के एक अधिकारी ने अमेरिका समर्थिक प्रस्ताव के प्रति अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा, इस्राइल अपने सभी युद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने से पहले युद्ध का अंत नहीं करेगा। इसमें हमास को नष्ट करना, सभी बंधकों को रिहाई और भविष्य में गाजा इस्राइल के लिए खतरा न बनें शामिल हैं। प्रस्तुत प्रस्ताव इस्राइल को इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। हालांकि, हमास पर भी अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को स्वीकार करने का दबाव है। हमास के प्रवक्ता ने पिछले हफ्ते इस्राइल को चेतावनी दी थी कि जब तक इस्राइल युद्धविराम और गाजा से पूरी तरह से वापसी के लिए अपना रुख स्पष्ट नहीं करता, तब तक वे (हमास) किसी भी समझौते पर नहीं पहुंचने वाला।

बांग्लादेश में केएनएफ के 30 सदस्य बंदरबन से चटगांव सेंट्रल जेल स्थानांतरित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में प्रतिबंधित सशस्त्र उग्रवादी और अलगावादी राजनीतिक संगठन कुकी-चिन

नेशनल फ्रंट (केएनएफ) के 30 सदस्यों को बंदरबन जिला जेल से चटगांव सेंट्रल जेल स्थानांतरित किया गया है। इनको बैंक डकैती और बंदरबन के रूमा और थांची उपजिलों में 14 आग्नेयास्त्रों को लूटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बांग्लादेश पुलिस के अनुसार इन सबको रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार सुबह चटगांव सेंट्रल जेल भेजा गया। बंदरबन जिला जेल के अधिकारियों ने कहा कि जगह की कमी के कारण दोषियों को स्थानांतरित किया गया है। बंदरबन में 23 मई और 29 मई को संयुक्त बलों के साथ गोलीबारी में केएनएफ के कम से कम पांच सदस्य मारे गए थे। इससे पहले दो अप्रैल को अलगाववादी समूह ने बंदरबन की रूमा उप जिला शाखा सोनाली बैंक के प्रबंधक एमडी निजामुद्दीन का अपहरण कर 1.5 करोड़ रुपये लूटने की कोशिश की थी। तीन अप्रैल को बंदरबन के थांची उपजिला में सोनाली बैंक और कृषि बैंक में डाका डाला था।

यूक्रेन में तैनात होगा अमेरिका का एक और पैट्रियट मिसाइल

राष्ट्रपति जो बाइडन ने दी मंजूरी

एजेंसी

वाशिंगटन। यूक्रेन और रूस के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से युद्ध जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक और पैट्रियट मिसाइल प्राणली को यूक्रेन में तैनात करने के लिए मंजूरी दे दी है। बाइडन ने पिछले सप्ताह ही यह निर्णय लिया है। यूक्रेन अपने शहरों, बुनियादी ढांचों और बिजली ग्रिड पर रूसी हमलों को झेल रहा है। नई पैट्रियट मिसाइल पोलैंड से आएगी। पोलैंड में यह मिसाइल एक अमेरिकी टुकड़ी की रक्षा कर रही है। इसे अगले कुछ दिनों में यूक्रेन में तैनात किया जा सकता है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पैट्रियट मिसाइल को अमेरिका का सबसे अच्छा वायु रक्षा हथियार माना जाता है। इसमें शक्तिशाली रडार और मोबाइल लॉन्चर शामिल है। यह प्रोजेक्टाइल पर मिसाइल दागते हैं। अमेरिका के पास कितने पैट्रियट हैं, पेंटागन ने यह बताने से इनकार कर दिया लेकिन एक वरिष्ठ सैन्य

अधिकारी की मानें तो अमेरिका ने दुनिया भर में 14 जगह पैट्रियट को तैनात किया है। पैट्रियट अमेरिका के अलावा, उसके सहयोगियों के पास भी है, उनमें से दो देशों ने यूक्रेन को कुछ पैट्रियट भेजे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यूरोपीय शक्तियां जल्द ही और पैट्रियट यूक्रेन में भेजेंगी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और पेंटागन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यूरोपीय देशों से यूक्रेन को मदद देने की अपील की है।

जिन दो देशों ने यूक्रेन में पैट्रियट भेजी हैं, उनमें जर्मनी और नीदरलैंड शामिल है। दोनों देश अब तक एक-एक मिसाइल भेज चुके हैं। जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज का कहना है कि जून के अंत तक दूसरा पैट्रियट वहां तैनत किया जाएगा। वहीं नीदरलैंड से दूसरे पैट्रियट के लिए बातचीत जारी है।

गाजा में युद्धविराम प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। इजराइल पर हमास के हमले के बाद से शुरू हुए युद्ध और गाजा पर आठ महीने से जारी हमले के रुकने के आसार बढ़ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम योजना का समर्थन करने वाले अपने पहले प्रस्ताव को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी। प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 14 ने पक्ष में वोट किया, जबकि रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। हमास ने कहा कि वह यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने को तैयार है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि हमास के रुख से युद्धविराम को लेकर उम्मीदें जगी हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा घोषित अमेरिका प्रायोजित प्रस्ताव की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मंजूरी का अमेरिका ने स्वागत किया है। उसका कहना है कि इसे इजराइल भी स्वीकार कर लेगा। यूएन द्वारा मंजूर किए गए युद्धविराम प्रस्ताव में हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम की योजना है। प्रस्ताव में चरमपंथी फलस्तीनी समूह हमास और

इजरायल से तीन चरण की योजना को बिना शर्त और देरी के स्वीकार करने का आह्वान किया गया है। यूएन के भारी बहुमत के इस प्रस्ताव से दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सोमवार को इजरायल में थे। उन्होंने पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार करने का अनुरोध किया और कहा कि इससे हमास पर भी अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ेगा। हालांकि, उस समय नेतन्याहू ने समझौते पर संदेह जताते हुए कहा कि इजरायल हमास को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमास ने कहा कि वह प्रस्ताव को अपनाने का स्वागत करता है और इजरायल पर दबाव डालने के लिए मध्यस्थों के साथ काम करने को तैयार है।

इस बीच, यूएन मानवाधिकार कार्यालय ने कहा है कि हमास के कब्जे से चार बंधकों की रिहाई को लेकर की गई इजरायल की कार्रवाई में नागरिकों की मौत को युद्ध अपराध माना जा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने तेल अवीव में कहा कि युद्धविराम को लेकर भी वार्ता जारी रही। उम्मीद है कि अगले दो दिनों में इस पर सहमति बन जाएगी।

यूरोपीय संघ के चुनाव में सबसे मजबूत नेता बनकर उभरीं मेलोनी, जी7 शिखर सम्मेलन की करेंगी मेजबानी

एजेंसी

मिलान। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी यूरोपीय संसदीय चुनाव में यूरोपीय संघ की सबसे स्थिर नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी इस सप्ताह के सात औद्योगिक राष्ट्रों के समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगी। जर्मन और फ्रांसीसी समकक्षों को यूरोपीय संसदीय चुनावों से झटका लगा है जबकि मेलोनी के दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली को इटली मजबूत होकर उभरी हैं। इससे वह यूरोप में भी एक मजबूत नेता के तौर पर उभरी हैं।

मेलोनी के ठोस नतीजों ने इतालवी राजनीति में एक स्थिरता पैदा की है। मेलोनी ने सोमवार को समर्थकों से कहा, मुझे गर्व है कि इटली को जी7 में और यूरोप में सबसे मज़बूत सरकार के रूप में खुद को पेश करते हुए एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है। मेलोनी इस सप्ताह अपनी भूमिका को और मजबूत करेंगी, जब वह 13-15 जून को दक्षिणी पुगलिया क्षेत्र में जी7 बैठक का नेतृत्व करेंगी। इस बैठक में वैश्विक संघर्षों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रसार और अफ्रीका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इटली में दो दिनों के मतदान में ब्रदर्स ऑफ इटली ने 28.8 प्रतिशत इतालवी वोट प्राप्त किये। वहीं फोर्जा इटालिया ने 9.6 प्रतिशत वोट और लेगा को 9.1 प्रतिशत वोट मिले। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी भी मजबूत हुई और उसे 24 प्रतिशत वोट मिले। परिणाम ने डेमोक्रेटिक पार्टी को मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में फिर से स्थापित किया है।

ड्रग और अवैध हथियार मामले में हंटर बाइडन दोषी, जो बाइडन बोले- हम फैसले को स्वीकार करते हैं

विलमिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन को अवैध रूप से बंदूक खरीदने और ड्रग्स का इस्तेमाल के बारे में झूठ बोलने का दोषी ठहराया गया है। डेलावेयर के संघीय न्यायालय में 12 सदस्यीय जूरी ने हंटर को लाइसेंसधारी बंदूक विक्रेता से झूठ बोलने, आवेदन में यह झूठा दावा करने कि वह ड्रग्स का इस्तेमाल नहीं करते तथा 11 दिनों तक अवैध रूप से बंदूक रखने का दोषी पाया। अमेरिका में कानून है कि ड्रग्स का सेवन करने वाला बंदूक या हथियार नहीं रख सकता। हंटर किसी वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली संतान हैं, जिन्हें किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया। जो बाइडन ने बयान जारी कर कहा कि वे फैसले को स्वीकार करते हैं तथा न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करेंगे।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की पहली महिला प्रधानमंत्री ने शपथ ली

एजेंसी

किंशासा। सुश्री जूडिथ सुमिनवा तुलुका ने बुधवार को डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) की पहली महिला प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। सुश्री तुलुका ने अपने बयान में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने वाली पहली कांगो महिला प्रधानमंत्री बनने पर गर्व है।

उन्होंने कहा, यह पद ग्रहण कर मैं इस क्षण के ऐतिहासिक महत्व से पूरी तरह अवगत हूं। मुझे अपने ऊपर जिम्मेदारी का भार और गणतंत्र के भीतर प्रतिनिधित्व करने के विचार पर अत्यधिक गर्व महसूस हो रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विविधीकरण, बुनियादी ढांचे की कनेक्टिविटी, सार्वजनिक सेवाओं और जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई करते हुए, किंशासा में लगभग 2.6 लाख नौकरियां, गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की एक अकादमी बनाकर उभरते कांगो के लिए आधार तैयार करने का वादा किया।

उल्लेखनीय है कि सुश्री तुलुका को मार्च 2023 में योजना के लिए

राज्य मंत्री नियुक्त किया गया था। वर्ष 2020 से 2023 तक उन्होंने राष्ट्रपति कार्यालय में प्रेसिडेंशियल स्ट्रैटेजिक मॉनिटरिंग काउंसिल के उप समन्वयक के रूप में भी काम किया है।

गौरतलब है कि 29 मई को बनी नयी सरकार में प्रधान मंत्री, छह उप प्रधानमंत्रियों और 10 राज्य मंत्रियों सहित 55 सदस्य शामिल हैं, जबकि मार्च 2023 के फेरबदल में 57 सदस्य शामिल थे।

नेपाल के गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ दायर रिट सुप्रीम कोर्ट ने तलब की

काठमांडू। नेपाल के उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी ठगी मामले में जिला अदालत में दायर रिट को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने लामिछाने को पदमुक्त करते हुए जांच का आदेश देने की मांग पर यह आदेश दिया है। वैसे सरकारी वकील की सिफारिश पर महान्यायाधिवक्ता के कार्यालय ने लामिछाने के खिलाफ किसी भी प्रकार की याचिका दायर करने से इनकार कर दिया था। बाद में अदालत के हस्तक्षेप के बाद अब ना सिर्फ यह मुकदमा दायर हुआ है बल्कि अगले हफ्ते से इस मामले की नियमित सुनवाई शुरू होनी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मनोज कुमार शर्मा और तिल प्रसाद श्रेष्ठ की बेंच ने लामिछाने के खिलाफ दायर सभी केस और सभी एफआईआर की कॉपी 18 जून से पहले तलब की है।

चीनी पीएम ने पीएम मोदी को नये कार्यकाल के लिए दी बधाई, कहा- चीन संबंधों को 'सही दिशा' में विकसित करने के लिए इच्छुक

एजेंसी

बीजिंग। चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार पुनः निर्वाचित होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीजिंग 'द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने' के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है।

सरकारी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ली ने एक संदेश में कहा कि चीन-भारत संबंधों का सुदृढ़ और स्थिर विकास न केवल दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए अनुकूल है, बल्कि यह क्षेत्र और विश्व में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है।

ली ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।मोदी ने रविवार को रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार का नेतृत्व किया।

चीनी विदेश मंत्रालय ने 5 जून को आम चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए कहा कि दोनों देशों को चार साल पहले गलवान की घटना के बाद से रुके हुए द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए भविष्य की ओर देखना चाहिए।

5 मई, 2020 को गलवान के पास पैंगोंग त्सो (झील) क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध व्यापार को छोड़कर निचले स्तर पर पहुंच गए थे।चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, हमने भारत के आम चुनाव के परिणामों पर गौर किया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत पर बधाई देते हैं।

माओ ने मोदी की जीत पर चीन की टिप्पणी जानने के लिए आधिकारिक मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि स्वस्थ और स्थिर चीन-भारत संबंध दोनों देशों के हित में है तथा इस क्षेत्र और इससे आगे शांति और विकास के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों के लोगों के मौलिक हितों को ध्यान में रखते हुए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, हमारे संबंधों के समग्र हित को ध्यान में रखेगा, भविष्य की ओर देखेगा और द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर रास्ते पर आगे बढ़ाएगा।इसके एक दिन बाद चीन ने प्रधानमंत्री मोदी की इस टिप्पणी पर विरोध जताया कि वह ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं।

मोदी की यह टिप्पणी ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते द्वारा उनकी चुनावी जीत पर दिए गए बधाई संदेश के जवाब में आई। चीन ताइवान को एक विद्रोही प्रांत के रूप में देखता है जिसे बलपूर्वक भी मुख्य भूमि के साथ फिर से एकीकृत किया जाना चाहिए। भारत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पर देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से हटने का दबाव बना रहा है

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के बदले सुर, अब भारत के साथ संबंधों को सुधारने में जुटे

एजेंसी

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू हाल में भारत के साथ संबंधों में आई खटास को दूर करने के प्रयास में लगे हैं। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि भारत की पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चार्चा की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दीर्घकालिक और बहुआयामी संबंधों पर जोर दिया।

मालदीव लौट चुके मुइज्जू

चीन समर्थक माने जाने वाले राष्ट्रपति मुइज्जू रविवार को आयोजित नरेन्द्र मोदी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत पहुंचे थे। मुइज्जू भारत की यात्रा पूरी कर मंगलवार को मालदीव वापस पहुंच गए हैं। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति मुइज्जू ने पीएम मोदी के निमंत्रण पर शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। यात्रा के दौरान मुइज्जू ने अतिथियों के सम्मान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित भोज में भी भाग लिया।

दोनों देशों के बीच मजबूत होंगे संबंध: दोनों राष्ट्रपतियों ने एक बैठक में भारत-मालदीव के संबंधों को मजबूत

बनाने को लेकर चर्चा की। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय के एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मु ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में भारत और मालदीव के बीच संबंध और मजबूत होंगे।

मिलकर काम करने की उम्मीद: जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नई दिल्ली में मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से मुलाकात करके खुशी हुई। भारत और मालदीव के साथ मिलकर काम करने की उम्मीद है। बता दें कि मुइज्जू ने मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद भारत से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में दरार आ गई थी। मुइज्जू ने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा में चीन का दौरा किया था।

आआपा ने की अमित मालवीय पर सख्त कार्रवाई की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की महिला विधायकों का एक प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रीय महिला आयोग से मुलाकात की और कथित तौर पर महिलाओं के शोषण के आरोप में घिरे भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक एवं दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष राखी बिड़लान के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय महिला आयोग पहुंच कर एक ज्ञापन भी सौंपा। राखी बिड़लान का कहना है कि शांतनु सिन्हा ने आरोप लगाया है कि अमित मालवीय अधिकारियों से फायदा लेने के लिए महिलाओं का शोषण करवाते हैं। हमने महिला आयोग से अगले 48 घंटे के अंदर संज्ञान लेते हुए अमित मालवीय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि महिला आयोग पर देश की महिलाओं का भरोसा कायम रहे। इस दौरान विधायक प्रमिला टोकस, वंदना कुमारी, प्रीति तोमर, पार्टी पदाधिकारी रीना गुप्ता और पार्टी की महिला विंग की दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सारिका चौधरी मौजूद थीं।

बिजली कटौती पर आतिशि ने उठाए राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड पर सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशि ने राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में बिजली कटौती का कारण बताया है। उनका कहना है कि दिल्ली को 1200 मेगावाट बिजली मुहैया कराने वाले उत्तर प्रदेश के एक प्लांट में आग लगने के कारण ऐसा हुआ है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशि ने एक पत्रकार वार्ता में बिजली कटौती की जल्द आपूर्ति का वादा किया है। उन्होंने कहा कि बिजली बहाली की प्रक्रिया शुरू हो गई है और बिजली अब धीरे-धीरे विभिन्न क्षेत्रों में लौट रही है। दिल्ली में बिजली का उत्पादन बहुत सीमित है। दिल्ली में ज्यादातर बिजली अलग-अलग राज्यों से आती है। राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड पर सवाल खड़े करते हुए आतिशी ने इसे बड़ी विफलता बताते हुए चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और पीजीसीआईएल के अध्यक्ष से समय मांगा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी स्थिति दोबारा न हो।

ओमान के सुल्तान ने मोदी को फोन कर दी बधाई, दोनों देशों के संबंधों पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी सरकार बनाने की सफलता पर विदेशों से बधाई के सिलसिले के बीच ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने फोन कर के श्री मोदी को बधाई दी और द्विपक्षीय संबधों को और प्रगाढ़ करने के बारे में बातचीत की । प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आज ओमान के सुल्तान महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक का फोन आया। सुल्तान हैथम बिन तारिक ने हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में उनकी (श्री मोदी की) पुनर्निर्युक्ति के बारे में उन्हें हार्दिक बधाई दी।

धनखड़ ने साउलोस क्लाउस चिलिमा की मृत्यु पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ हेलीकॉप्टर दुर्घटना में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन की मृत्यु हो जाने पर शोक व्यक्त करने के लिए आयोजित एक आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल होने बुधवार को ईरान जाएंगे। रईसी के सम्मान में भारत में एक दिवसीय राजकीय शोक रखा गया। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, ''भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 19 मई को दुर्भाग्यपूर्ण हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति सैय्यद इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और अन्य ईरानी अधिकारियों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करने के लिए आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल होने 22 मई को इस्लामी गणराज्य ईरान का दौरा करेंगे।''

विकसित भारत के लिए मिलकर काम करेंगे : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। श्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण किया।श्री चौहान सुबह कृषि भवन मंत्रालय के कार्यालय पहुंचे जहां वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर कार्य करेगा। किसान कल्याण प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं, मेरे साथी मंत्रीगण और अधिकारी एक टीम के रूप में मिलकर काम करेंगे। परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की परिसीमा करेंगे। उन्होंने कहा, संकल्प पत्र अधिकारियों को सौंपा गया है जिसमें किसानों के कल्याण के कौन से कदम उठाएंगे, उसके वचन और मोदी जी की गारंटी भी है। किसान कल्याण के प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए भी आज काम प्रारंभ होगा। हम सब मिलकर खेती और किसानों के कल्याण के काम में अभी से जुटते हैं और अपने आपको समर्पित करते हैं।

खंडेलवाल ने फुटपाथ पर जन-चौपाल लगाकर शुरू किया जन संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी की चांदनी चौक लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने एक अनूठी पहल करते हुए ऐतिहासिक

सांसद ने कहा-कल वोट मांगने आया था, आज काम मांगने आया हूं

टाउन हॉल और घंटाघर के फुटपाथ पर एक जन-चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं के समाधान करने की शुरुआत की।

खंडेलवाल ने जन चौपाल लगाने के बारे में बताया कि एक जन प्रतिनिधि के तौर पर लोगों के बीच अपनी उपलब्धता एवं संवाद तथा उनकी समस्याओं के तुरंत निदान को ध्यान में रखते हुए यह शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि इस तरह से आपका सांसद-आपके द्वार को जमीन तक व्यावहारिक रूप से उतरने की पहल की गई है। खंडेलवाल ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों से कहा था कि आज वोट माँगने आया हूं, कल काम मांगने भी मैं ही आऊंगा और अपने उसी

वादे को पूरा करने के लिए इस अभियान की शुरुआत की है, जिसके ज़रिए वो लोगों से सीधा संवाद रखेंगे। खंडेलवाल ने कहा कि चुनाव में जो वादे किए थे, वो उन सभी को पूरा करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखेंगे। चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में नए काम भी शुरू करेंगे। चांदनी चौक लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित भाजपा सांसद की जन चौपाल में क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं, जिनको अधिकारियों द्वारा नोट किया गया और उनके समाधान को तुरंत किए जाने का काम भी शुरू हुआ। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम सहित अन्य सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और भाजपा के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कार्यालय, नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया पृष्ठों पर नये चित्र

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रारंभ पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पहले ट्वीटर) पर प्रधानमंत्री कार्यालय के पृष्ठ के आवरण में बदलाव किये गये हैं और नये चित्र लगाये गये हैं।इसी तरह एक्स मंच पर श्री मोदी के व्यक्तिगत पृष्ठ ञनरेन्द्रमोदी का डीपी भी परिवर्तित किया गया है और इसमें से चुनाव अभियान के लिये जोड़ी गयी पंक्ति ' मोदी का परिवार' अब हटा दी गयी है और श्री मोदी ने इस पृष्ठ को फालो करने वालों से भी अपने डीपी से इस पंक्ति को हटाने की अपील की है। इस पर पीएमओ इंडिया ञपीएमओइंडिया नाम से इस पृष्ठ का डीपी और अवरण के दृश्य बदले गये हैं। पीएमओ के एक्स पृष्ठ के आवरण चित्र में पर अब सात जून 2025 को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन नेताओं और नवनिर्वाचित सदस्यों की बैठक की फोटो लगायी गयी है। इसमें श्री मोदी को राजग का नेता चुना गया था। इसमें श्री मोदी भारतीय संविधान की पुस्तक के समक्ष माथा नवा रहे हैं। इस पृष्ठ में संविधान सदन की उस बैठक के

दृश्य के साथ बाईं तरफ एक वृत्त में श्री मोदी की फोटो लगायी गयी है।

एक्स पर श्री मोदी के पृष्ठ नरेन्द्र मोदी ञनरेन्द्रमोदी पृष्ठ का आवरण भी बदल दिया गया है। इसके आवरण चित्र में रविवार नौ जून 2040 को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ श्री मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के समूह की फोटो लगायी गयी है। इस पृष्ठ के बीच में बांई ओर एक वृत्त में श्री मोदी की फोटो लगायी गयी है।

इस पृष्ठ को फालो करने वालों (जुड़ने वाले) की संख्या इस समय 9.87 करोड़ दिशायी गयी है।

श्री मोदी ने आज ञनरेन्द्रमोदी पृष्ठ पर एक टिप्पणी में लिखा, ' चुनाव प्रचार के दौरान, पूरे भारत में लोगों ने मेरे प्रति स्नेह के प्रतीक के रूप में अपने सोशल मीडिया पर 'मोदी का परिवार' जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत के लोगों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है, और हमें अपने देश की बेहतरी के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है। श्री मोदी ने लिखा है, हम सभी एक परिवार हैं, यह संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाये जाने के बाद, मैं एक बार फिर भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहूंगा और अनुरोध करूंगा कि अब आप अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से 'मोदी का परिवार' हटा दें। श्री मोद ने लिखा है, ' डिस्प्ले नाम बदल सकता है, लेकिन भारत की प्रगति के लिये प्रयास करने वाले एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट है।

पर्यावरण के संरक्षण, पशु-पक्षी के लिए वृक्षारोपण करना बहुत जरूरीः रामदास मलिक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ नेता एवं चुनाव प्रबंधक समिति के संसाधन विभाग सह प्रमुख व समाजसेवी रामदास मलिक ने कहा कि भारतीय नागरिकों से अपील है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने माता-पिता के नाम पर एक एक वृक्षारोपण जरूर करे। उन्होने आगे कहा कि हर साल पूरे विश्व में इसी महीने पांच जून को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस पर्यावरण के संरक्षण के लिए शपथ लेने का दिन होता है। सभी लोगों को इस प्रकृति और पर्यावरण को सहेजने की जिम्मेदारी होती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस पर्यावरण के प्रति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए मनाया जाता है। उन्होने कहा कि मानव जीवन में वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी है इससे प्रकृति आपदा व जंगली जानवर, पशु, पक्षी को जीवित रखा जा सकता है। पर्यावरण दिवस के बारे में जानकारी को जनहित में संदेश देने का आहवान किया जाता है और विभिन्न पार्कों में वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा जाता है। मानव उत्थान पथ सेवा फाउन्डेशन के अध्यक्ष आर.डी. मलिक ने कहा कि इस वर्ष भीषण गर्मी में गॉवों या शहरों में सड़कों या गलियारों के किनारें या अपने मकान छज्जों के ऊपर जल भर कर रखना बहुत जरूरी है ताकि जनवारों एवं पशु-पक्षियों, गऊमाता को भीषण गर्मी से राहत मिल सके। आगे उन्होने कहा कि पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया जाता है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे

मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी जाती रही है। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। उन्होने कहा कि पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु आदि। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थिति की तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है। आर.डी.मलिक ने कहा कि लोगों की भागीदारी होने से लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी। उनके योगदान से जानवरों के लिए मौजूदा सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। बड़ी संख्या में लोगों ने पक्षियों, सांपों और यहां तक कि हाथियों को देखने में रुचि रखते है। शेर, बाघ, गेंडे और हाथी, तेंदुए, दरियाई घोड़े, धारीदार लकड़बग्घे आदि जानवर के लिए पर्यावरण को संरक्षण को बनाए रखना बेहद जरूरी है।

यमुना में बाढ़ की स्थितियों से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मंत्री सौरभ भारद्वाज

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून के मद्देनजर दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज आईटीओ स्थित यमुना बैराज की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने विभाग के अधिकारियों संग आईटीओ बैराज की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए बैराज पर चल रहे काम की संपूर्ण जानकारी मंत्री सौरभ भारद्वाज जी के समक्ष रखी। बीते वर्ष मानसून के समय इसी बैराज के कारण यमुना में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसके कारण यमुना के आसपास के क्षेत्र में जल भराव हो गया था और लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा था। बीते वर्ष की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मानसून के आने से पहले ही इस बार परिस्थितियों से निपटने की तैयारी शुरू कर दी गई है। उन्हीं तैयारी का जायजा लेने ही मंत्री सौरभ भारद्वाज आईटीओ बैराज पहुंचे। इस मौके पर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि पिछले साल जिस मात्रा में वर्षा हुई और हरियाणा की ओर से जितना पानी यमुना में छोड़ा गया, बीते कई दशकों में इतना पानी कभी यमुना में नहीं आया था और यही कारण था कि बीते वर्ष यमुना में बाढ़ की स्थिति बन गई थी। उन्होंने कहा कि हालांकि यह बैराज हरियाणा सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, इस बैराज के संचालन की जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की है परंतु बीते वर्ष की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही इस बार दिल्ली सिंचाई एवं बाढ़

नियंत्रण विभाग ने समस्या से निपटने के लिए हरियाणा सरकार के साथ तालमेल करके सारी तैयारियां की हैं। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एक नई तकनीक की जानकारी देते हुए भारद्वाज ने बताया कि इस बार यमुना में पानी इकट्ठा ना हो और बाढ़ की स्थिति पैदा ना हो, उससे निपटने के लिए पहली बार एक प्रयोग दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रयोग को पायलट कट कहा जाता है। इस प्रयोग के तहत बैराज के आसपास वर्षों से जमा मिट्टी को ठीक बैराज के सामने से खोदते हुए दूर तक छोटी-छोटी नहरें बना दी जाती हैं। इस कार्य को करने में यमुना में बनाई गई कृत्रिम नहरों के बीच में वर्षों से जमा मिट्टी के छोटे छोटे टापू बन जाते हैं और जब पीछे से बारिश का पानी हरियाणा की तरफ से छोड़ा जाएगा, तो वह तेज बहाव के साथ इन कृत्रिम नहरों से होते हुए आगे निकलेगा और उसके बहाव के साथ बीच-बीच में बने मिट्टी के ये टापू उस पानी के साथ बहकर आगे निकल जाएंगे, जिससे कि पानी के रुकने की सारी संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी और पानी तेज प्रवाह के साथ आगे निकल जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से यमुना में पानी के रुकने की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी और जब पानी के प्रवाह में कोई रुकावट ही नहीं होगी तो बाढ़ की संभावनाएं भी समाप्त हो जाएंगी।

भारद्वाज ने कहा कि विभाग का मंत्री होने के नाते मैं आप लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमने इस वर्ष इस प्रकार से तैयारी की हैं कि हमें पूरी उम्मीद है कि इस वर्ष यमुना में बाढ़ की स्थिति नहीं बनेगी।

अरुणाचल प्रदेश के लिए रविशंकर, चुघ होंगे भाजपा के केन्द्रीय पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अरुणाचल प्रदेश में पार्टी के विधायक दल के नेता के

चुनाव के लिए वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा के महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह आज यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी होंगे देश के 30वें सेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को देश के 30वें थल सेना प्रमुख होंगे। सरकार ने उन्हें

सेनाध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की।लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल मनोज सी पांडे का स्थान लेंगे, जो 30 जून, 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, सरकार ने मौजूदा समय में उप सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम को 30 जून, 2024 की दोपहर से अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त किया है।

एक जुलाई 1964 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को 15 दिसंबर 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री (जम्मू ङ्क कश्मीर राइफल्स) में नियुक्त किया गया था। लगभग 40 वर्षों की लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल और विदेशी नियुक्तियों में काम किया है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट की कमान (18 जम्मू ङ्क कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), महानिरीक्षक, असम राइफल्स (पूर्व) और 09 कोर शामिल हैं। सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज महू से भी पढ़ाई की हैं। उन्हें यूएसएडब्ल्यूसी, कार्लिस्ले, अमेरिका में प्रतिष्ठित एनडीसी समकक्ष पाठ्यक्रम में 'विशिष्ट फेलो' से सम्मानित किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी के पास रक्षा एवं प्रबंधन अध्ययन में एम फिल और सामरिक अध्ययन एवं सैन्य विज्ञान में दो मास्टर डिग्री हैं।

Name Change
I,Sandhya Rani W/o Pankaj Malik R/o House No-527, Sector-10A, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Sandhya Malik For All Purpose.

Name Change
I hitherto known as Abhiveer Singh Sarila alias Siddharaja Singh Sarila S/O: Abhay Singh,R/O House No-7 A, Sujan Singh Park, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi-110003 have changed my name and shall hereafter be known as Siddharaja Singh Sarila .

सार्वजनिक सूचना
मैं, JC-471492F रैंक- SUB HONY LT नाम आदूराम जाँगु, पुत्र खरतार राम जाँगु निवासी ग्राम-सुखोलाव, पोस्ट - भुण्डेल, तहसील- खींवसर, जिला- नागौर राजस्थान-341001, मेरे नाबालिक बेटे का नाम मोहित से मोहित जाँगु बदल रहा हूँ, भविष्य के सभी कामो के लिए, एफिडेविट दिनांक 12/06/2024 नोटरी पब्लिक , दिल्ली ।

Name Change
I hitherto known as LALLAN PRASAD alias LALLU PRASAD GAUTAM S/O Baram Dev, R/O HOUSE N0-340, gali n0-6, SHALIMAR VILLAGE, North West Delhi, 110088 Have changed my name and shall hereafter be known as LALAN PRASAD.

Name Change
I, Km Sindhoo Singh W/o Pankaj Kumar Singh R/o House No-28, A1-Block, Ryan Enclave, Sohna Road, Near Ryan International School, Bhondsi, Gurgaon, Haryana-122102, Have Changed My Name To Sindhu Singh For All Purpose.

Name Change
I, MOHAMMAD KASIM S/O ABDUL GAFFAR residing at H NO-36/317, HIMMAT PURI, TRILOK PURI, DELHI-110091 have changed my name to MOHAMED KASHIM all future purposes

Name Change
I, JC-471863Y Rank-SUB Name-RAJESH KUMAR SINGH S/o SAMSHER BAHADUR SINGH R/o VILL-BAHUCHARA, PO-BAHUCHARA, TEHSIL-SADAR, DISTT-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230137 have changed my daughter's name from RITIKA to RITIKA SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MEHBOOB ALAM S/O BASHIRUDDIN AHMAD residing at F-181, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-II, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025 have changed my name to MAHBOOB ALAM all future purposes

Name Change
I, KIRAN DEVI wife of JC 471918X Rank- SUB/HONY CAPT Name-GURNAIL SINGH R/O VILL-SAMBHALKHI, PO-SAMBHALKHI, TEH-SHAHABAD (M), DISTT KURUKSHETRA, HARYANA-136135 have changed my name from KIRAN DEVI to KIRAN for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I,Anju Goel w/o Deepak Bansal R/o H.No.22, ITI Road, Deshmesh Colony, Rajpura Patiala, Punjab have change my name to Hariti Bansal for all purposes

Name Change
I, ANUSAYA spouse of No. 2808868H Rank-HAV, Name-KANDE BHASKAR MADHUKAR R/ VILL-JAHAGIR MOHA, POST-CHONDI, TAH-DHARUR, DIST-BEED, STATE. MAHARASHTRA, PIN 431124,have changed my name from ANUSAYA to ANUSAYA BHASKAR KANDE for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL01158419687163W Public Notary Delhi.

Name Change
I, SHETALBEN PRAJAPATI spouse of No. 2813437A Rank-NK, Name- PRAJAPATI ALPESHKUMAR KANUBHAI R/O VILL & POST-BAR, TAH - JETPUR PAVI, DIST - CHHOTAUDEPUR GUJARAT PIN COD-391160, have changed my name from SHETALBEN PRAJAPATI to PRAJAPATI SHETALBEN ALPESHKUMAR for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL01421262791260W Public Notary Delhi.

Name Change
I BALABAI, Mother of Army No-JC462095F Rank - Sub, Name Bhujang Chingali, Unit 19 Maratha LI Residing at -Sambra, Tal/ Dist-Belagavi Karnataka, Pin-591124 declared that I, have changed my name From BALABAI TO BALABAI M CHINGALI (as per Aadhar card No-3283,3314,6911). & vide affidavit No-IN-KA857181597841180 sworn before Advocate & Notary V. A Joshi Belagavi on 19.04.2024

Name Change
I,Ashok Kumar s/o Chander Bhan R/O village and post kheri kalan faridabad haryana have change my name to Ashok for all puposes

Name Change
I hitherto known as Pushpa Shah D/O Ganesh Shah, R/O A-112/3, Jaitpur Extn, Part-1,Near Gurudwara, VTC: Badarpur, PO: Badarpur, Sub District: Kalkaji, South Delhi, Delhi,-110044,have changed my name and shall hereafter be known as RIDHI SHAH.

Name Change
I, LKSHMI mother of NO-16114694N Rank-SPR Name- ADARI GANESH R/O VILL-NARSAPURAM, PO-GOVADA, TEH-CHODAVARAM, DISTT-ANAKAPALLI, ANDHRA PRADESH-531023 have changed my name from LKSHMI to ADARI LAXMI for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, hitherto Known as ANJU GOVIL alias ALKA GOGIA D/o OM PRAKASH GOVIL W/o LATE O P GOGIA residing at House No. 52/2, Ashok Nagar, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi -110018 have changed my name and shall hereafter be known as ALKA GOGIA.

Name Change
I, SHAMAL is legally wedded spouse of No. 2810347N Rank-NK, Name-KENDRE MADHAV GANESH R/O VILL MALHIPPARGA, POST MALHIPPARGA, TAH JALKOT, DIST LATUR, MAHARASHTRA, PIN CODE 413532, have changed my name from SHAMAL to SHAMAL MADHAV KENDRE for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL01157937062855W Public Notary Delhi.

Name Change
I, SRIRAM CHANDRASEKAR S/O VENKATRAMAN CHANDRASEKAR residing at B 84 GROUND FLOOR GULMOHAR PARK ANDREWS GANJ DELHI-110049 have changed my name to SRIRAM CHANDRASEKAR IYAR for all future purposes

Name Change
I, PRIYANKA spouse of No. 2814201X Rank-SEP, Name-CHOPDE KETAN DTTATRAY R/ VILL-PIMPALGAON BASWANT, POST-PIMPALGAON BASWANT, TEH- NIPHAD, DIST - NASHIK MH, PIN 422209, have changed my name from PRIYANKA to PRIYANKA KETAN CHOPADE for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL01159246107619W Public Notary Delhi.

Name Change
I, JYOTI spouse of Army NO -2811868N , NK -DEEPAK BABASO MALI UNIT 19 MARATHA LI .C/O- 56 APO, R/O-Village -KUMBHARI, Tahsil -JATH, DISTRICT- SANGLI ,State -MAHARASHTRA, pin code- 416403 have changed my name from JYOTI TO MALI JYOTI DEEPAK for all future purposes. Vide affidavit dated 29.03.2024 Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SAZIYA PARVEEN D/O ABDUL RASHID R/O E-12/78, GROUND FLOOR, HAUZ RANI, PO MALVIYA NAGAR, DIST SOUTH DELHI-110017 declare that name of my father has been wrongly written as ABDUL RASHEED in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my father is ABDUL RASHID which may be amended accordingly.

Name Change
I, ANITA wife of JC-471707P Rank-SUB HONY LT Name- BABUJI R/O HOUSE NO-79, MOHALLA-VIKAS ENCLAVE, TEJ VIHAR (ROHTA ROAD), PO-KANKAR KHERA, TEH-MEERUT, UTTAR PRADESH-250001 have changed my name from ANITA to ANITA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-JC483097A Rank-NB/SUB Name-KRISHNA NAND CHATURVEDI S/O SAMPATI KUMAR CHATURVEDI R/O VILL-MAHIDAL KALA, PO-GAJAN, TEH-RAMPUR BAGHELAN, DISTT-SATNA, MADHYA PRADESH-485001 have changed my mother's name from SHIA DULARI to SIYA DULARI CHATURVEDI for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No. 148551165W Rank-SEP Name-MALI SOHAN MADHUKAR Presently residing at BHAVANI NAGAR, VARANGAON, PO-VARANGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-425305 have changed my mother's name from MANGLA to MANGALA MADHUKAR MALI for all future purposes vide Affidavit Dated 12/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MADHURI spouse of No. 2808005F Rank-SEP, Name-BORSE PRASHANT ABHIMAN R/O VILL-BATSAR, POST-SHIVANI, TAH-BHADGAON, DIST-JALGAON, PIN-424105, have changed my name from MADHURI to MADHURI PRASHANT BORSE for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL01158593354404W Public Notary Delhi.

मुख्यमंत्री ने एक झटके में पूरी की श्रमिकों की मांगें

टूलकिट, साइकिल और सिलाई मशीनों का तुरंत मिलेगा पैसा

मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग के अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने हरियाणा भवन और अन्य सन्निर्माण कल्याण बोर्ड के श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए टूलकिट, साइकिल योजना, सिलाई मशीनों का लंबित पैसा तुरंत जारी करने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही, ईएसआई की तर्ज पर सन्निर्माण कल्याण बोर्ड के श्रमिकों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए नई योजना बनाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य और

श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा भी उपस्थित थे। नायब सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि जिन श्रमिकों के डेथ क्लेम किसी भी कारणवश लंबित पड़े हैं, उन्हें तुरंत जारी किया जाए ताकि गरीब परिवार की आर्थिक मदद हो सके। उन्होंने कहा कि बोर्ड के तहत श्रमिकों की कन्याओं की शादी के लिए दी जाने वाली शगुन राशि शादी से 3 दिन पहले दी जाए, ताकि उन्हें वित्तीय लाभ हो सके। इसके अलावा, श्रमिकों के बच्चों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि को भी एडवांस में एकमुश्त दिए जाने के लिए प्लानिंग करने के भी निर्देश दिए। साथ ही पूरी प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए, ताकि आवेदन करते समय श्रमिकों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

नायब सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी गरीब श्रमिक की मृत्यु होने पर उसके परिवार पर दुख का संकट टूट पड़ता है,इसलिए मुख्यमंत्री श्रमिक सामाजिक सुरक्षा योजना के नियमों में बदलाव किया जाए ताकि कार्यस्थल के अलावा अन्य स्थल पर मृत्यु होने के मामले में भी श्रमिक के परिवार को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा सके। गौरतलब है कि वर्तमान में इस योजना के तहत कार्यस्थल पर मृत्यु होने पर श्रमिक के परिवार को 5 लाख तथा कार्यस्थल पर मृत्यु न होने पर 2 लाख रुपये की राशि दिए जाने का प्रावधान है। बैठक में बताया गया कि रोहतक में 100 बिस्तर वाले ईएसआई अस्पताल के लिए जमीन चिन्हित करने सहित अन्य प्रक्रियाओं को पूरा कर लिया गया है। जल्द ही इसका शिलान्यास किया जाएगा। इसके अलावा, पंचकूला में स्थापित डिस्पेंसरी का भी उद्घाटन जल्द किया जाएगा। साथ ही, 86 ईएसआई डिसपेंसरियों में ईसीजी की सुविधा भी जल्द शुरू की जाएगी।

राज्य सरकार हर वर्ग के हितों के प्रति सजगः भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य के किसान, व्यापारी, कर्मचारी, युवा, महिलाओं सहित हर वर्ग के हितों के प्रति सजग है और मुख्यमंत्री के रूप में अभी तक के अपने कार्यकाल में उन्होंने कई जनकल्याणी योजनाएं शुरू की हैं। इससे समाज के साधनविहीन एवं गरीब तबके को काफी लाभ पहुंचा है। यह बात विधायक एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने आदमपुर हलके गांवों में अनेक कार्यक्रमों में भाग लेते हुए कही। उन्होंने हलके के गांव काबरेल, बगला, चुली बागडिय़ान सदलपुर, भोडिया, सारंगपुर, कोहली, मोठसरा तथा मंडी आदमपुर का दौरा किया। उन्होंने गांवों में चल रहे विकास कार्यों का जायजा भी लिया तथा लोगों के सुख-दुख में शिरकत की।भव्य ने कहा कि आदमपुर में विकास कार्य प्रगति पर हैं और सडक़, सीवरेज, खाल निर्माण, चौपाल निर्माण, पीने के पानी की पाइप लाइन, बरसाती पानी निकासी की पाइप लाइन सहित बहुत स्तर पर सार्वजनिक कायो को पूरा करवाया जा रहा है। कुछ कार्य जो अटके हैं, उनको लेकर भी वे मुख्यमंत्री से मुलाकात कर चुके हैं। वे कार्य भी जल्द शुरू करवाए जाएंगे।

समाधान शिविर में हर रोज निपटाई जा रही नागरिकों की शिकायतें

नारनौल। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस समाधान शिविर में 22 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। डीएमसी ने इन शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को भेजते हुए इन मामलों को तुरंत निपटाने के निर्देश दिए। आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता जिला नगर आयुक्त एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महावीर प्रसाद ने की। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय एवं उपमंडल स्तर पर हर रोज कार्य दिवस पर सुबह 9 से 11 बजे तक लोगों की शिकायतों के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों की प्रगति रिपोर्ट भी हर दिन सरकार को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों में प्रोपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र, नगर पालिकाओं से नक्शे की स्वीकृति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, अपराध से संबंधित शिकायतों, बिजली, सिंचाई, जनस्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे समाधान शिविर के माध्यम से अपनी समस्याओं का निदान करवाये।

शिक्षा मंत्री से लेक्चरर की वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग

चंडीगढ़। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) ने शिक्षा राज्यमंत्री सीमा त्रिखा को एक ज्ञापन सौंपकर पीजीटी लेक्चरर की नई संशोधित वरिष्ठ सूची जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन ने लेक्चरर से प्रिंसिपल पद पर पदोन्नति की अपनी मांग को भी दोहराया। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष गुरदीप सैनी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को सौंपे एक मांग पत्र में कहा कि पीजीटी लेक्चरर से पहली पदोन्नति प्रिंसिपल के पद पर होती है तो पहली एसीपी में 5400 ग्रेड-पे के स्थान पर प्रिंसिपल के पद का ही पे स्केल मिलना चाहिए। वहीं कालेज कैडर की तरह एसीपी 4,9,14 वर्ष में प्रदान की जाए, एसीपी फाइल पास करने के लिए समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने उप प्रधानाचार्य का पद बनाने और पीजीटी/लेक्चरर के लिए 5400 ग्रेड पे लागू करने की भी मांग की। इसके अलावा सभी हाई स्कूलों को वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में बदलने, राज्य के सभी राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल एवं पीएमश्री स्कूल को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत ही रखने और सभी शिक्षकों के लिए चिकित्सा अवकाश देने और कैशलेस सुविधा दी जाए।

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 13 जून से मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम इत्यादि पर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाइसेंसिंग, मशरूम उत्पादन में मशीनीकरण, मशरूम का स्पान/बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याएं और उनके निदान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। डॉ. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा। प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इच्छुक युवक व युवतियां पंजीकरण के लिए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 13 जून को ही सुबह सात बजे आकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री के अधिकारियों को दिए निर्देश, जल्द करें बाढ़ की रोकथाम के प्रबंध

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून सीजन शुरू होने से पहले 30 जून तक बाढ़ की रोकथाम के लिए तैयारियां पूरी कर लें। पिछले

- कुरूक्षेत्र,अंबाला व कैथल के उपायुक्तों से ली रिपोर्ट

वर्ष बाढ़ से अंबाला, कुरुक्षेत्र जिले काफी प्रभावित हुए थे। शार्टटर्म स्कीमों के कार्य पूरा करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में बाढ़ रोकथाम की तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा

कि रजवाहों व नालों के तटबंधों को मजबूत करने के लिए मिट्टी भराई का काम तत्काल शुरू कर दें, क्योंकि 15 जून के बाद धान रोपाई भी शुरू हो जाती है और खेतों में पानी भरा होने के कारण मिट्टी उठाने के कार्य में दिक्कत आएगी। जमींदार का खेत भी खाली नहीं रहते। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अगर पिछले वर्ष की तरह बाढ़ के हालात हुए तो दोषी अधिकारियों को बख्शा नहीं जायेगा। नहर की गाद की मिट्टी निकालने के लिए विभाग द्वारा जितनी भी जरूरी हो जेसीबी किराए पर ली जाएं। उन्होंने कहा कि अंबाला के हरड़ा- हरड़ी, शेरगढ़, चांदपुरा, शाहपुर, हेमामाजरा, रामपुर ससेड़ी , कुरुक्षेत्र के झांसा, जलबेहड़ा तथा कैथल के गुहला चीका तक के गांव काफी प्रभावित हुए थे। बैठक में जानकारी दी गई कि बाढ़ संभावित 320 हॉटस्पॉट चिन्हित किये गए थे और शॉर्टटर्म स्कीमें तैयार की गई थीं। अब तक 44 स्कीमें पूरी हो चुकी हैं तथा 179 स्कीमों पर कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कड़ा संज्ञान लेते हुए कहा कि समय की कमी को देखते हुए बाकी काम विभाग अपने स्तर पर युद्धस्तर पर करवाएं।

मनोहर लाल के ऊर्जा मंत्री रहते देश में होगा ऊर्जा संबंधी समस्याओं का समाधानः नीना राठी

एजेंसी

झज्जर। देश में लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने व मनोहर लाल के मोदी कैबिनेट में मंत्री बनाए जाने पर हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष एडवोकेट डॉ. नीना राठी व हरियाणा भाजपा किसान मोर्चा उपाध्यक्ष सतपाल राठी ने खुशी जताई है। दिल्ली में मनोहर लाल से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि मनोहर लाल के मंत्री रहते देश ऊर्जा क्षेत्र में तरक्की करेगा और शहरों का तेजी से विकास होगा। बहादुरगढ़ के भाजपा नेताओं ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में मनोहर लाल, गुरुग्राम से सांसद राव इंद्रजीत सिंह व फरीदाबाद से सांसद कृष्णपाल गुर्जर को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी। नीना राठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पिछले 10 साल के कार्यकाल में हर वर्ग की भलाई के लिए प्रधान सेवक के रूप में किया है। उन्होंने राष्ट्र उत्थान व देश की जनता के लिए सेवा भाव से काम किया। लोकसभा चुनाव में एन.डी.ए. को मिली जीत इस बात का प्रतीक है।

हरियाणा के सभी स्कूलों में लगाएं सोलर सिस्टम : सीमा त्रिखा

उच्चतर शिक्षा विभाग प्रकाशित करेगा मासिक पत्रिका

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी सरकारी व प्राइवेट कॉलेजों में सोलर सिस्टम लगाए जाएं ताकि बिजली के खर्चे की बचत हो सके और साथ ही इससे पर्यावरण संतुलन में सहयोग मिलेगा। इसके अलावा, उन्होंने उच्चत्तर शिक्षा विभाग की एक मासिक पत्रिका प्रकाशित करने के भी निर्देश दिए, जिसमें विभिन्न कॉलेज, यूनिवर्सिटी और उनमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विशेष अर्जित उपलब्धियों का विवरण हो।

सीमा त्रिखा पंचकूला के शिक्षा सदन में उच्चत्तर शिक्षा विभाग की बैठक को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उच्चत्तर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, महानिदेशक राजीव रतन के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। शिक्षा मंत्री ने आज की बैठक में उच्चत्तर शिक्षा विभाग के अधिकारियों से उनके सम्मुख आने वाली समस्याओं और सुझावों पर भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि उच्चत्तर शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली प्रत्येक पत्रिका में भी अनुकरणीय उदाहरण दे सकते हैं। उन्होंने कॉलेजों और यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों के आधार पर ग्रेडिंग के साथ-साथ पेड़-पौधे लगाने के लिए भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि युवा अपने संस्थान के आस-पास के क्षेत्र में पौधारोपण के लिए रूपरेखा बनाएं और अपने द्वारा लगाए गए पौधा के साथ फ़ोटो खींचकर सोशल

मीडिया पर अपलोड करें। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे राज्य की उच्चत्तर शिक्षा को और अधिक बेहतर करने का प्रयास करें ताकि प्रदेश के युवा अच्छी शिक्षा हासिल करके अपने लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब हो सकें।

बाल अपराध को रोकने के लिए तुरंत प्रभाव से कार्रवाई जरूरी : मीना शर्मा

एजेंसी

जींद। बच्चों पर होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने को लेकर लघु सचिवालय में विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों व प्रतिनिधियों की एक कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्या मीना शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि बच्चों पर होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध को रोकने लिए तुरंत प्रभाव से पुलिस व कानूनी कार्रवाई जरूरी है। इसके लिए संबंधित विभागों को एक टीम वर्क के रूप में कार्य करना होगा। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग की बाल कल्याण समिति के चेयरमैन नरेंद्र अत्री, जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकियत सिंह, जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुजाता व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला के दौरान जिला में विभिन्न संस्थाओं, विभागों तथा केंद्रों द्वारा बाल कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं, बाल यौन अपराध संरक्षण एवं ज्यूवनाइल जस्टिस केयर एवं प्रोटेक्शन व बच्चों से जुड़े हुए विभिन्न मामलों को लेकर विस्तार से समीक्षा की। आयोग

की सदस्या मीना शर्मा ने बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करने वाले संस्थानों से विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिये कि बच्चों के कल्याण के लिए सभी संबंधित अधिकारी धरातल से जुड़ कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा बच्चों के कल्याण के लिए समय-समय पर अनकों योजनाएं चलाई जाती हैं। इसके साथ-साथ योजनाओं और एक्ट में विस्तार किया जाता है। ऐसे में संबंधित संस्थाओं के पास नई जानकारी होना बहुत ही जरूरी है।

सभी स्कूलों में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा डायल 112 की जानकारी अंकित करें

उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा देवी को निर्देश दिए कि सभी सरकारी स्कूलों में चाइल्ड हैल्प नंबर 1098, डायल 112 तथा पोक्सो एक्ट से संबंधित स्कूल अध्यापक का नाम, फोटो व फोन नम्बर स्कूल के मुख्य स्थान पर चस्पा करवाना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पिछले छह महीने के दौरान बच्चों के कल्याण के लिए विभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण दिया जाए और भविष्य में अगर 14 वर्ष से कम उम्र का बच्चा मजदूरी करता मिले तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध करवाई जाए।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में आए 80 लोगों की सुनी समस्याएं

एजेंसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय और उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए ही आयोजित किए जा रहे हैं। ऐसे में हर विभाग के नागरिक लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लें और समस्याओं का तत्परता से समाधान करें। समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाई ना बरतें। वे लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में बोल रहे थे। समाधान शिविर में 80 लोग अपनी समस्या लेकर पहुंची। सभागार के अंदर व बाहर समस्याओं के पंजीकरण के लिए हैल्प डेस्क लगाए गए हैं। जहां पर उनका पंजीकरण किया गया। डीसी ने एक-एक कर सभी लोगों की समस्याओं को गौर से सुना। उन्होंने उसी दौरान समस्याओं के आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपा। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर सरकार का बहुत ही महत्वाकांक्षी कदम है। लघु सचिवालय स्थित सभागार में प्रतिदिन समाधान शिविर लगाया जाएगा। जिसमें सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। समाधान शिविर का आयोजन प्रतिदिन सुबह नौ बजे से 11 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय के साथ-साथ प्रतिदिन उपमंडल स्तर पर एसडीएम कार्यालय में भी समाधान शिविर का आयोजन के लिए जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं और वहां पर शिविर के आयोजन के साथ समस्या सुनना शुरु कर दिया है। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी दी जाएगी। उनकी सुविधा के लिए हेल्प डेस्क लगवाए गए हैं। यहां पर नागरिक सबसे पहले अपना पंजीकरण करवाते हैं ताकि यह मालूम हो सके कि उनकी समस्या किस विभाग से

संबंधित है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल अनूठी से लोगों को विभिन्न समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जन कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन के सभी अधिकारी लोगों की समस्याओं को सुलझाने का हर संभव प्रयास करें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि समाधान शिविर के अलावा यदि कोई कार्यालय में किसी प्रकार की समस्या लेकर आता है तो उस पर भी तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करें।

समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं का हुआ समाधान

एजेंसी

झज्जर। जिला प्रशासन द्वारा प्रदेश सरकार के निर्देशों पर प्रतिदिन सुबह 9 से 11 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में

- शिविर के दूसरे दिन समस्याएं लेकर पहुंचे करीब 60 नागरिक

किया जा रहा है। समाधान शिविर के दूसरे दिन काफी संख्या में नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर शिविर में पहुंचे। उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में डीसीपी अर्पित जैन भी मौजूद रहे व आमजन की समस्याओं की सुनवाई की। करीब 60 शिकायतों पर इस दौरान सुनवाई की गई और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का निर्धारित समय में निराकरण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के आदेश पर मुख्य सचिव के दिशा निर्देशन में

आमजन की समस्याओं का त्वरित निदान करने के लिए जिला झज्जर के लघु सचिवालय में सोमवार से समाधान शिविर की शुरुआत हो गई है। प्रतिदिन इन शिविरों में जिला प्रशासन, पुलिस, राजस्व, नगर निगम अथवा नगर परिषद, समाज कल्याण आदि जन कल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहते हैं। इसके अलावा डीसीपी (मुख्यालय), जिला नगर आयुक्त, उपमंडल अधिकारी (ना.), जिला समाज कल्याण अधिकारी आदि अधिकारीगण समाधान शिविर में मौजूद रहे। लघु सचिवालय में आमजन की समस्याएं सुनने के उपरांत डीसी ने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन तत्परता से कार्यवाही कर रहा है। सरकारी विभागों से संबंधित जो भी समस्याएं संज्ञान में आती हैं, उनका हर हाल में समाधान करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।डीसी ने बताया कि प्रत्येक कार्य दिवस पर जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा। इन शिविरों में मुख्य रूप से ज़मीन की रजिस्ट्री, एनओसी प्राप्त करने, राशन कार्ड बनवाने, राशन वितरण, अपराध संबंधी शिकायतें, बिजली, सिंचाई, जन स्वास्थ्य बारे शिकायतें, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसे बुढ़ापा पेंशन, दिव्यांगता या विधवा पेंशन से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी और उनका समाधान किया जाएगा। इनके अलावा भी जो समस्याएं प्रशासनिक दायरे में होंगी उनको हल करने के किए कदम उठाए जाएंगे। प्रॉपर्टी आईडी और फैमिली आईडी की खामियओं का मौके पर समाधान करने के लिए शिविर में ही ऑप्रेटर मौजूद रहेंगे। शिविर के दूसरे दिन जिन अधिकरियों के विभागों से जुड़ी समस्या आई वह तुरंत उपायुक्त द्वारा मौके संबंधित अधिकारी को प्रेषित करते हुए उसका समाधान करवाया गया।

रिवार्ड प्वाइंट कैश करवाने के नाम पर युवक से हजारों रुपये ठगे

फतेहाबाद। रिवार्ड प्वाइंट कैश करवाने के नाम पर साइबर ठगों ने फतेहाबाद के भाजपा नेता के लडक़े से हजारों रुपये ठग लिए। इस बारे पीड़ित युवक ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने इस बारे केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में भाजपा नेता शम्मी धींगड़ा के पत्र सागर ने कहा है

Name Change

I hitherto known as SUJIT KUMAR S/o CHANDRADEV PASWAN Permanent R/o H.No.41, Village Harauli Anchal Belchhi, Harauli, Patna, Bihar - 803211 and Present R/o H.No. 86 CN Purana Ward No 3, Yadav Farm, Ballabhgarh, Faridabad- 121004 have changed my name and shall hereafter be known as SUJIT PASWAN.

Name Change

It is for general information that I, VIKRAMJIT KAMBOJ S/o SURJAN SINGH, R/o Back Side D.A.V. School, Shakti Nagar, Barnala Road, Sirsa, Haryana- 125055 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as VIKRAMJIT and MANJU in my minor daughter's namely GARGI KAMBOJ aged 16 years in her CBSE class 10th Marksheet cum Certificate and Birth Registration Certificate No. 729. The actual name of mine and my wife are VIKRAMJIT KAMBOJ and MANJU BALA KAMBOJ respectively.

फर्जी दस्तावेजों पर चुनाव लड़े जिला पार्षद निलंबित

एजेंसी

जींद। जिला परिषद के वार्ड-7 से जिला पार्षद अंग्रेज को पार्षद पद से सस्पेंड किया गया है। धोला से चुनाव हारने वाले अनुराख खटकड़ की शिकायत पर मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री की अप्रूवल के बाद एडिशनल चीफ सेक्रेटरी ने यह कार्रवाई की है। अंग्रेज उर्फ धोला मांडी पर सिविल लाइन पुलिस थाना में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चुनाव लडऩे का मामला भी पहले से ही दर्ज है। 17 नवंबर 2023 को सिविल लाइन पुलिस थाना में अंग्रेज के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया गया था। अब सीएम और पंचायत मंत्री की अप्रूवल के बाद एसीएस ने अंग्रेज उर्फ धोला को जिला पार्षद पद से सस्पेंड किया गया है। जिला परिषद के वार्ड सात से सुदकैन खुर्द निवासी अनुराग खटकड़, मांडी से अंग्रेज उर्फ धौला तथा जितेंद्र छात्तर समेत कई प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। जिसमें अंग्रेज उर्फ धौला मांडी प्रतिद्वंदी प्रत्याशी अनुराग खटकड़ से 102 वोट ज्यादा लेकर विजयी रहे थे और पार्षद चुने गए थे। इसके बाद गांव सुदकैन खुर्द निवासी अनुराग खटकड़ ने 28 फरवरी 2023 को डीसी के माध्यम से निर्वाचन आयोग और पंचायत एवं विकास विभाग को शिकायत देकर कहा था कि अंग्रेज उर्फ धौला मांडी की मार्कशीट फर्जी है। दूसरे युवक की मार्कशीट को लेकर एडिट किया गया है। दूसरे के नाम की जगह अंग्रेज लिखा गया है। साथ ही जन्मतिथि को भी बदला गया है। अनुराग की शिकायत पर जांच शुरू हुई और पहले एसडीएम ने तथा उसके बाद सीईओ ने जांच की। जांच रिपोर्ट को डीसी को सौंपा गया और डीसी ने रिपोर्ट विकास एवं पंचायत विभाग को निदेशक भेज दी। एसडीएम और सीईओ की रिपोर्ट पर तत्कालीन डीसी डा. मनोज कुमार ने विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक को धौला मांडी की जिला परिषद की सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की थी। अनुराग खटकड़ ने कहा कि झूठ पर सच्चाई की जीत हुई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.30 प्रतिशत उबलकर 78.91 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 1.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 82.86 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 67 रिंगिट चढ़कर 3998 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.35 सेंट की तेजी के साथ 44.03 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मंत्रालय का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। निर्मला सीतारमण ने बुधवार को केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री का कार्यभार संभाल लिया। सीतारमण को लगातार दूसरी बार केंद्रीय वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। सीतारमण अगले महीने वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने वाली हैं। इस मौके पर वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और मंत्रालयल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल 2019 में वित्त मंत्री रह चुकीं निर्मला सीतारमण को दोबारा वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वो भारत की दूसरी महिला रक्षामंत्री के तौर पर भी काम कर चुकीं है। निर्मला सीतारमण के राजनीतिक सफर पर नजर डालें तो उन्होंने 31 मई, 2019 को देश के 28वें वित्त मंत्री और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री के तौर पर शपथ ली थी। सीतारमण की स्कूली शिक्षा मद्रास और तिरुचिरापल्ली में हुई। 1980 में इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएट होने के बाद उन्होंने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) पहुंचीं और फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई पूरी की

भारत तीन साल तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा: विश्व बैंक

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत अगले तीन वर्षों में 6.7 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि दर्ज करते हुए सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। विश्व बैंक की नवीनतम 'वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट' के मुताबिक, भारत में वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि बढ़कर 8.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह विश्व बैंक के जनवरी में जताए गए पिछले अनुमान से 1.9 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही विश्व बैंक ने वर्ष 2024 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि के 2.6 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान जताया। उसने कहा कि अगले दो वर्षों में वैश्विक वृद्धि बढ़कर औसतन 2.7 प्रतिशत तक हो जाएगी।

हालांकि, यह भी कोविड-19 से पहले के दशक के 3.1 प्रतिशत से काफी कम होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ''इस पूर्वानुमान का मतलब है कि 2024-26 के दौरान दुनिया की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी और वैश्विक जीडीपी वाले देश कोविड-19 से पहले के दशक की तुलना में धीमी गति से बढ़ रहे होंगे।'' दक्षिण एशिया क्षेत्र में वृद्धि वर्ष 2023 में 6.6 प्रतिशत रही थी और इसके वर्ष 2024 में सुस्त पड़कर 6.2 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है। इस सुस्ती के पीछे का मुख्य कारण हाल के वर्षों में उच्च आधार से भारत की वृद्धि दर में आई नरमी होगी। हालांकि, विश्व बैंक को भारत में स्थिर वृद्धि दर के साथ 2025-26 में दक्षिण एशिया क्षेत्र की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। इस क्षेत्र की अन्य अर्थव्यवस्थाओं में बांग्लादेश में वृद्धि पिछले वर्षों की तुलना में थोड़ी सुस्त रह सकती है जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका में इसके मजबूत रहने की उम्मीद है।'' रिपोर्ट कहती है, ''भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा लेकिन इसके विस्तार की रफ्तार धीमी होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2023-24 में उच्च वृद्धि के बाद 2024-25 से शुरू होने वाले तीन वित्त वर्षों के लिए औसतन 6.7 प्रतिशत प्रति वर्ष की स्थिर वृद्धि का अनुमान है।'' इस सुस्ती के लिए मुख्य रूप से उच्च आधार से निवेश में आई मंदी जिम्मेदार है। हालांकि, निवेश वृद्धि अब भी पुराने अनुमान की तुलना में मजबूत रहने की उम्मीद है और पूर्वानुमान अवधि में मजबूत बनी रहेगी, जिसमें मजबूत सार्वजनिक निवेश के साथ निजी निवेश भी होगा।

सरकार लोगों के 'जीवन की सुगमता' सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दूसरी बार वित्त और कंपनी मामलों की मंत्री बनाई गई निर्मला सीतारमण ने आज यहां नॉर्थ ब्लॉक में कार्यभार ग्रहण करते हुए कहा कि सरकार अपने नागरिकों के लिए 'जीवन की सुगमता' सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में आगे भी कदम उठाती रहेगी।

श्रीमती सीतारमण का नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में वित्त सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन और वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अन्य सचिवों ने स्वागत किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्हें फिर से केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री के रूप में काम करने और उनके मार्गदर्शन में

भारत और इसके लोगों की सेवा करने का अवसर मिला।श्रीमती सीतारमण ने पिछले 10 वर्षों में मजबूत नेतृत्व और विकासोन्मुखी शासन को स्वीकार किया, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं और एक मजबूत और लचीली अर्थव्यवस्था बनाई है।

कार्यभार संभालने के बाद, वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के विभिन्न विभागों के सचिवों ने मौजूदा नीतिगत मुद्दों पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री को जानकारी दी। श्रीमती सीतारमण ने यह भी कहा कि 2014 से किए गए सुधार जारी रहेंगे, जो भारत के लिए व्यापक आर्थिक स्थिरता और विकास प्रदान करेंगे। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के बीच हाल के वर्षों में भारत की सराहनीय विकास कहानी पर भी प्रकाश डाला और कहा कि आने वाले वर्षों के लिए एक आशावादी आर्थिक दृष्टिकोण है। उन्होंने विभागों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विकास एजेंडे को नए जोश के साथ आगे बढ़ाने और प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी नीति निर्धारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' में विश्वास करती है और उन्होंने एक मजबूत और जीवंत अर्थव्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उद्योग जगत के नेताओं, नियामकों और नागरिकों सहित सभी हितधारकों के निरंतर समर्थन और सहयोग का आह्वान किया।

पावर ग्रिड सब-स्टेशन में आग से दिल्ली के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास वाले क्षेत्र सहित राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में मंगलवार दोपहर को अलग-अलग समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। उत्तर प्रदेश के मंडोला में पावर ग्रिड के सब-स्टेशन में आग लगने से आपूर्ति पर असर पड़ा। दिल्ली में बिजली वितरण करने वाली कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से मुख्य रूप से मध्य और पूर्वी दिल्ली के कई इलाके प्रभावित हुए। उत्तरी दिल्ली के कुछ इलाकों में भी बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली वितरण कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, ''उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस, मॉडल टाउन, कश्मीरी गेट, गुलाबी बाग, शक्ति नगर और विजय नगर जैसे इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। हालांकि, एक घंटे के भीतर आपूर्ति बहाल कर दी गई।'' उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल आवास और मुख्यमंत्री आवास की बिजली आपूर्ति भी कुछ समय के लिए प्रभावित रही। उन्होंने कहा कि पूर्वी, मध्य, दक्षिण और उत्तरी दिल्ली के आईटीओ, लक्ष्मी नगर, लाजपत नगर, जामिया, नरेला, मॉडल टाउन, रोहिणी, गोपालपुर, सब्जी मंडी, वजीरपुर और कश्मीरी गेट जैसे इलाकों में भी कुछ समय के लिए बिजली गुल रही। दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि वह ऐसी स्थिति की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बिजली मंत्री और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के चेयरमैन से मुलाकात करेंगी।

डीसीआईएल को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से मिला यह काम, होगा 2000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

एजेंसी

नई दिल्ली। ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) को पश्चिम बंगाल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। डीसीआईएल ने एक बयान में कहा कि यह ठेका हुगली मुहाना में तलकर्षण (ड्रेजिंग) के रखरखाव के लिए है, जो मुख्य रूप से हल्दिया डॉक की ओर जाने वाले शिपिंग चैनल में है। कंपनी ने कहा कि पांच साल के अनुबंध का मूल्य 2,015.88 करोड़ रुपये है।

हुगली ज्वारनदमुख समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। हल्दिया डॉक से जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए इसकी गहराई बनाए रखना आवश्यक है। शिपिंग चैनल के जरिए जहाजों के आने-जाने की सुगमता करो बनाए रखने के लिए रखरखाव ड्रेजिंग महत्वपूर्ण है। इससे क्षेत्र में सुचारू और कुशल समुद्री संचालन की सुविधा मिलती है।

डीसीआईएल के चेयरमैन मधैयां अंगमुथु ने कहा कि कंपनी परियोजना की कठिन जरूरतों को पूरा करेगी। विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में स्थित डीसीआई बंदरगाहों, भारतीय नौसेना, मछली पकड़ने के बंदरगाहों और अन्य समुद्री संगठनों को ड्रेजिंग और इससे जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराता है।

इंडिगो के प्रवर्तकों ने बाजार में ब्लॉक सौदों के जरिए 77.2 लाख शेयर बेचे

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरग्लोब एविएशन की प्रवर्तक इकाई इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज ने ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के जरिये एयरलाइन में दो प्रतिशत हिस्सेदारी 3,367 करोड़ रुपये में बेच दी है। बीएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने 77,19,573 इक्विटी शेयर बेचे, जो इंडिगो ब्रांड एयरलाइन का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन में 1.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इन शेयरों को 4,362.04 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर बेचा गया, जिससे ट्रांजैक्शन का मूल्य 3,367.31 करोड़ रुपये बैठता है। हिस्सेदारी बिक्री के बाद कंपनी में इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज की शेयरधारिता 37.75 प्रतिशत से घटकर 35.76 प्रतिशत रह गई। इस बीच, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस ने 31.23 लाख शेयर खरीदे, जो इंटरग्लोब एविएशन में 0.81 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

शेयर बेच रहे निवेशक

इस डील की खबर के बीच इंडिगो के शेयर 4368.20 रुपये पर बंद हुए। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 4.26त्न टूटकर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर करीब 5 फीसदी तक टूटकर भाव 4361 रुपये पर आ गया।

कंपनी का डबल हुआ मुनाफा

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का मार्च, 2024 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का प्रॉफिट दोगुना से अधिक होकर 1,894.8 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एयरलाइन को एक साल पहले की समान तिमाही में 919.2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी कुल आय 14,600.1 करोड़ रुपये से बढ़कर 18,505.1 करोड़ रुपये हो गई।

वाइड-बॉडी का इंडिगो का प्लान: इस खबर के बीच, इंडिगो चौड़े आकार वाले (वाइड-बॉडी) विमानों के लिए विभिन्न वित्तपोषण विकल्पों पर विचार कर रही है। इन विमानों के 2027 में एयरलाइन के बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है। बता दें कि अप्रैल में इंडिगो ने 30 ए350-900 विमानों के लिए पक्का ऑर्डर देने और 70 और ऐसे ही विमानों की खरीद का विकल्प रखने की घोषणा की थी। मौजूदा समय में, इंडिगो के पास तुर्की एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए दो बोइंग 777 विमानों के अलावा 360 से अधिक विमानों का बेड़ा है।

कृषि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ड्रोन की भूमिका, 2025 तक 7000 से अधिक ड्रोन्स प्रयोग होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार पिछले कुछ सालों से कृषि क्षेत्र में फसल के लिए जमीन की मापी, पोषक तत्व, उर्वरक और सिंचाई जैसी गतिविधियों के लिए ड्रोन को बढ़ावा दे रही है। इसलिए मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की मांग में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। उद्योग के अनुमान के अनुसार वर्तमान में कृषि क्षेत्र में 3,000 से अधिक के ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 तक यह संख्या 7,000 से अधिक सकती है। जानकारों का कहना है कि इससे पानी, मिट्टी के पोषक तत्वों और फसल सुरक्षा फॉर्मूलेशन के सही इस्तेमाल से फसल की उत्पादकता को बढ़ाने में काफी सहायता होती है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन्स हैं मददगार

ड्रोन निर्माता कंपनी दक्षा अनमैंड सिस्टम्स के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025 के अंत तक सरकार के समर्थन से ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ सकता है। इसके इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में पानी का उपयोग 70 प्रतिशत तक कम हो सकता है। साथ ही ड्रोन्स उर्वरक के उपयोग में भी 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी लाने में मदद करेंगे। उद्योग जगत का मानना है कि वर्तमान में कृषि क्षेत्र में 3,000 से अधिक के ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है, वित्त वर्ष 2025 तक यह संख्या 7,000 से अधिक हो सकती है। ड्रोन निर्माताओं के अनुसार फिलहाल ड्रोन्स की कीमतें 6 से 7 लाख रुपये के बीच हैं। नैनो यूरिया और डाय-अमोनियम फॉस्फट (डीएपी) को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख सहकारी संस्था इफको ने जुलाई 2023 में नैनो मिट्टी पोषक तत्वों का छिड़काव करने के लिए 2500 ड्रोन की खरीदारी करने की घोषणा की थी। सहकारी संस्था ने जानकारी देते हुए बताया था कि इन्हें ऑपरेट करने के लिए 5000 ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षण दी जा रही है।

ड्रोन उपकरणों को संचालित करने वाली और ड्रोन पायलट्स को प्रशिक्षण देने वाली कंपनी ड्रोन डेस्टिनेशन के प्रबंध निदेशक चिराग शर्मा भी इस नए उद्योग के भविष्य को लोकर आशान्वित हैं। वे बताते हैं कि अगले कुछ सालों में कृषि के साथ अन्य उद्योगों के परिचालन में भी ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़ेगा। आने वाले समय में विभिन्न उद्योगों में ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़कर 10,000 से 15,000 तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए 5000 ड्रोन पायलट्स को प्रशिक्षित किया है। हम नमो ड्रोन दीदी योजना का हिस्सा हैं। इसके तहत कंपनी ने अभी तक 600 से अधिक ड्रोन दीदी को प्रशिक्षित किया है। शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में ड्रोन संचालन और रखरखाव से जुड़ी सेवाओं में भी बढ़ोतरी होगी।

ड्रोन दीदी योजना के तहत 600 से अधिक महिलाएं की गईं प्रशिक्षित

नमो दीदी योजना या ड्रोन दीदी योजना की शुरुआत नवबंर 2023 में हुई थी। इसके तहत सरकार महिलाओं की कृषि क्षेत्र में हिस्सेदारी को बढ़ाना चाहती है। इस योजना के अंतर्गत सरकार 1,261 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अगले कुछ वर्षों में इस रकम को खर्च किया जाना है। इस योजना के तहत सरकार की तरफ से 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस योजना को देश भर में कृषि विज्ञान केन्द्रों के जरिए लागू किया गया है। देश भर में लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं। इसके तहत ड्रोन डेस्टिनेशन ने अभी तक 600 से अधिक ड्रोन दीदी को प्रशिक्षित किया है। कृषि के अलावा माइनिंग, सुरक्षा, शहरी योजनाओं के मानचित्र, भूमि और संसाधन की जांच, जंगल की आग रोकथाम, बाढ़ और सूखा प्रभावित इलके, पर्यावरण निगरानी, सीमा निगरानी के अलावा कई महत्वपूर्ण जगहों पर ड्रोन का इस्तेमाल किया जाता है।

सेज से निर्यात चार फीसदी बढ़कर 164 अरब डॉलर पहुंचा, देश के कुल एक्सपोर्ट में 3फीसदी से अधिक गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) से निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 4.10 फीसदी बढ़कर 163.69 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, इस अवधि में देश के कुल निर्यात में तीन फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सेज से 2022-23 में 157.24 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। 2021-22 में यह आंकड़ा 133 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय के मुताबिक, सेज से जिन देशों को सर्वाधिक निर्यात किया गया, उनमें संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर शामिल हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रमुख निर्यात केंद्र हैं, जिन्होंने पिछले वित्त वर्ष में देश के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान दिया।

इन राज्यों में सर्वाधिक सेज

परिचालन वाले सबसे अधिक विशेष आर्थिक क्षेत्र कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में है। इन क्षेत्र की इकाइयों को तैयार माल पर वर्तमान में शुल्क के भुगतान पर डीटीए (घरेलू शुल्क क्षेत्र) में अपने उत्पाद बेचने **की अनुमति है।**

30.70 लाख लोगों को मिला है रोजगार

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में 31 दिसंबर, 2023 तक 6.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। इससे कुल 30.70 लाख लोगों को रोजगार मिला है।

सरकार ने ऐसे 423 विशेष आर्थिक क्षेत्र को मंजूरी दी है। इनमें से 280 इस साल 31 मार्च तक चालू हो चुके हैं। 31 दिसंबर, 2023 तक सेज में 5,711 स्वीकृत इकाइयां थीं।

पहली बार मत्स्य उत्पादन से आगे निकली जलीय कृषि, 13.09 करोड़ टन तक हुई पैदावार

एजेंसी

नईअदिल्ली। वैश्विक स्तर पर पहली बार जलीय कृषि उत्पादन पारंपरिक मत्स्य पालन से आगे निकल गया है। शीर्ष 10 देशों जिनमें चीन, इंडोनेशिया, भारत, वियतनाम, बांग्लादेश, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, नॉर्वे, मिस्र और चिली शामिल हैं, इनका जलीय कृषि उत्पादन में लगभग 90 फीसदी योगदान है। जलीय कृषि का अर्थ मछली, मोलस्क, क्रस्टेशियंस और जलीय पौधों सहित जलीय जीवों की खेती से है।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर 2024' में कहा कि 2022 में जलीय कृषि उत्पादन 13.09 करोड़ टन तक पहुंच गया, जिसमें 9.44 करोड़ टन जलीय जीव थे जो कुल जलीय पशु उत्पादन का 51 फीसदी के बराबर है। जलीय कृषि उत्पादन में वृद्धि के कारण मोलस्क और क्रस्टेशियन की हिस्सेदारी में भी वृद्धि हुई है। साल 2022 में पकड़ी गई 75 प्रतिशत फिनफिश में से आधी समुद्री प्रजातियां थीं, जबकि 44 फीसदी मीठे या ताजे पानी की प्रजातियां थीं। समुद्री फिनफिश भी उत्पादित कुल जलीय जीवों का 38 फीसदी हिस्सा थीं और उसके बाद मीठे पानी की मछलियां 33 फीसदी थीं।

लगातार बढ़ रही है मछली की खपत

रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में मछलियों की खपत तेजी से बढ़ रही है।?1961 और 2016 के बीच 3.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है।?जबकि इस दौरान जनसंख्या

1.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 में विश्व स्तर पर जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन में मछलियों की हिस्सेदारी 17 फीसदी रही। हालांकि यह सभी देशों के लिए एक बराबर नहीं। दुनिया में इनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 1961 में 9.1 किलोग्राम थी, जो 2022 तक बढ़कर 20.7 किलोग्राम हो गई।

दुनियाभर को भोजन उपलब्ध कराने में सक्षम

एफएओ के सहायक महानिदेशक मैनुअल बारंगे कहते हैं कि जलीय कृषि दुनिया भर में बढ़ती जनसंख्या को भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है। यह पिछले पांच दशकों में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली खाद्य उत्पादन प्रणाली रही है।

जलीय कृषि उत्पादन को यूरोपीय ग्रीन डील द्वारा भोजन और चारे के लिए 'कम कार्बन' प्रोटीन के स्रोत के रूप में भी मान्यता दी गई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर के एक तिहाई सागरों में जरूरत से ज्यादा मछलियां पकड़ी जा रही हैं और इसकी वजह मछलियों की रिकॉर्ड खपत है। सबसे ज्यादा खपत करने वाले देश चीन, म्यांमार, वियतनाम और जापान हैं।

फिर महंगा हुआ सोना, चांदी में कुछ गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना एक बार फिर महंगा हो गया है। हालांकि आज चांदी के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,500 रुपये से लेकर 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 66,460 रुपये से लेकर 65,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज कमजोरी आई है। आज की गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 90,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने

की कीमत 66,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 71,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 65,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। फिा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 71,910 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 65,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 65,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

'बीमा कंपनियां दस्तावेजों की कमी की वजह से दावों को खारिज नहीं कर सकतीं', इरडा की दो टूक

एजेंसी

मुंबई। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियां को दावों को लेकर सख्त हिदायत दी है। इरडा ने कहा कि साधारण बीमा कंपनियां दस्तावेजों की कमी की वजह से दावों को खारिज नहीं कर सकतीं। इस संबंध एक मास्टर परिपत्र जारी किया गया है। यह साधारण बीमा व्यवसाय में सुधारों का हिस्सा है। माना जा रहा है कि इससे सरल और ग्राहक केंद्रित बीमा समाधानों के लिए एक नए युग की शुरुआत होगी। बतायास जा रहा है कि साधारण बीमा कारोबार पर व्यापक मास्टर परिपत्र, 13 अन्य परिपत्र को भी निरस्त करता है।

समझ में आने वाले बीमा उत्पादों का प्रावधान

इरडा ने कहा कि ग्राहकों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से समझ में आने वाले बीमा उत्पादों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही ग्राहकों को पर्याप्त विकल्प देने का भी प्रावधान किया गया है। वहीं उनके बीमा अनुभव को बेहतर बनाना भी अब संभव हो गया है। परिपत्र में कहा गया है कि दस्तावेजों के अभाव में कोई भी दावा अस्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रस्ताव की स्वीकृति के समय जरूरी दस्तावेजों को मांगना चाहिए।

परिपत्र में क्या खास?

इसके मुताबिक, ग्राहकों से केवल उन दस्तावेजों को जमा करने के लिए कहा जा सकता है, जो जरूरी हैं और दावा निपटान से संबंधित हैं। इसके अलावा खुदरा ग्राहक बीमाकर्ता को सूचित करके किसी भी समय पॉलिसी रद्द कर सकते हैं। वहीं, बीमाकर्ता केवल धोखाधड़ी साबित होने के आधार पर पॉलिसी रद्द कर सकता है।

वोडाफोन आइडिया के अभिजीत किशोर सीओएआई के चेयरपर्सन बने

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार उद्योग के निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने वोडाफोन आइडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) अभिजीत किशोर को अपना चेयरपर्सन और भारती एयरटेल के मुख्य नियामक अधिकारी राहुल वत्स को वाइस-चेयरपर्सन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति जून, 2024 से प्रभावी होगी। यह घोषणा सीओएआई द्वारा 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक आम सभा की बैठक समाप्त होने के बाद की गई है। किशोर भारतीय दूरसंचार उद्योग के विभिन्न कार्यों, संगठनों और भौगोलिक क्षेत्रों में तीन दशक से अधिक का व्यापक अनुभव बोर्ड में लेकर आए हैं। उन्होंने रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष प्रमोद के मित्तल से कार्यभार संभाला। इससे पहले दिन में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नरेन्द्र मोदी 3.0 सरकार के तहत दूरसंचार मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला और कहा कि दूरसंचार क्षेत्र और भारतीय डाक विभाग दोनों को वैश्विक और स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

भीषण गर्मी से बचाव के लिए काफी है पान-गुलकंद का एक गिलास शरबत, बाल भी बांका नहीं कर सकेगी लू

इन दिनों गर्मी ने हर किसी का हाल-बेहाल किया हुआ है। इस मौसम में ज्यादा से ज्यादा जूस और फलों के सेवन की सलाह दी जाती है। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ बहुत ही खास लेकर आए हैं। ये है गुलाब की पंखुड़ियों से बनने वाला गुलकंद जिसका शरबत (Gulkand Sharbat) शरीर में ठंडक बनाए रखने के साथ आपको पूरे दिन तरोताजा भी रखेगा।

इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी में कई लोग लू की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में, शरीर के तापमान को मेंटेन रखना काफी ज्यादा जरूरी है। इसमें आपकी मदद करेगा गुलकंद और पान का शरबत, जिसकी स्पेशल रेसिपी आज हम आपके साथ शेयर करने जा रहे हैं। बता दें, यह सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत के मामले में भी सबसे आगे होता है। इन दिनों अगर आप भी सीने में जलन, अपच, गैस और एसिडिटी से जूझ रहे हैं, तो यह इन सभी तकलीफों को चुटकियों में दूर करने का दम रखता है। आइए जानें।

पान-गुलकंद शरबत बनाने के लिए सामग्री

गुलकंद – 4 टेबलस्पून

पान के पत्ते – 8-10

चीनी ङ्क 2 टेबलस्पून

ठंडा दूध – 4 कप

पिस्ता – 4-6

बादाम – 4-6

आइस क्यूब्स – जरूरत के मुताबिक

पान-गुलकंद शरबत बनाने की विधि

पान-गुलकंद का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले आपको पान के पत्ते लेकर इनके डंठल अलग कर देने हैं।

इसके बाद इन्हें मिक्सर की मदद से ब्लेंड करके पेस्ट बना लेना है। इसकी कंसिस्टेंसी को मेंटेन करने के लिए थोड़ा पानी भी यूज करना होगा।

फिर एक बड़ा बर्तन लें और साथ ही, पिस्ता और बादाम को भी बारीक काटकर अलग रख लें।

इसके बाद पान के मिश्रण को इस बर्तन में डालकर इसमें ठंडा दूध भी एड करें।

फिर इसमें गुलकंद, चीनी और बारीक कटे पिस्ता-बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब इसमें अपनी जरूरत के मुताबिक आइस क्यूब्स डालें और सभी चीजों को अच्छे से मिला लें।

बस तैयार है आपका स्वादिष्ट और मजेदार पान-गुलकंद का शरबत। चिलचिलाती धूप में कदम रखने से पहले इसका एक गिलास पीना बेहद फायदेमंद है।सेहत के लिए क्यों फायदेमंद है गुलकंद?

पाचन को बनाए बेहतर ः गर्मियों में गुलकंद के सेवन से पाचन को दुरुस्त किया जा सकता है। यह गैस, एसिडिटी और बदहजमी जैसी सभी तकलीफों को दूर रखता है और डाइजेशन को बढ़िया बनाता है।मुंह के छालों को करे ठीक ः गुलकंद तासीर में बेहद ठंडा होता है, ऐसे में इसके सेवन से पेट से जुड़ी समस्याएं दूर की जा सकती हैं। बता दें, पाचन बढ़िया रहने पर मुंह के छाले भी ठीक हो जाते हैं।आंखों के लिए फायदेमंद ः गर्मी के दिनों में लू की तपन के कारण अक्सर आंखों में जलन की शिकायत देखने को मिलती है, ऐसे में आंखों को हेल्दी रखने और इससे जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिहाज से भी गुलकंद का सेवन काफी लाभदायक साबित होता है।

मजबूरी का नाम एनडीए

यह किसी से छुपा हुआ नहीं था कि यह चुनाव, भारत का अब तक का सबसे नाबराबरी का चुनाव था। यह एक ऐसा चुनाव था जिसमें बराबरी के मुकाबले की यह न्यूनतम से न्यूनतम शर्त भी पूरी नहीं हो रही थी कि चुनाव आयोग, जिस पर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने का दायित्व था, कम से कम निष्पक्ष दिखाई देने की कोशिश करेगा।

बेशक, 9 जून की शाम को राष्ट्रपति भवन के कोर्टयार्ड में पूरे बहत्तर सदस्यों के जंबो मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के साथ, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की तीसरी पारी शुरू हो गयी है। लेकिन, यह तीसरी पारी कितनी असामान्य होने जा रही है, इसका अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि इस चुनाव में कौन जीता है और कौन हारा है, इसके विवाद पर सरकार के शपथग्रहण के बावजूद, संतोषजनक तरीके से विराम नहीं लग पाया है। इसमें शक नहीं कि 4 जून को देर शाम 18वीं लोकसभा के चुनाव की मतगणना लगभग पूरी होने तक, जब इंडिया गठबंधन की गिनती 240 पर रुक गयी और दूसरी ओर भाजपा और उसके 2024 के चुनाव के सहयोगियों की गिनती बहुमत के 272 के आंकड़े को पार कर 290 पर पहुंच गयी, तभी इतना तो सभी यथार्थवादी प्रेक्षकों के सामने साफ हो गया था कि नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ जरूर लेंगे। यह इसके बावजूद था कि कुल मिलाकर इस चुनाव में जिस तरह का जनादेश आया है, उसे देखते हुए खुद संघ-भाजपा के समर्थकों के भी एक हिस्से को यह मानने में हिचक थी कि इस चुनाव का फैसला, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के जारी रहने के पक्ष में है। 2024 के चुनाव से निकली लोकसभा सदस्यों की गिनती बेशक, भाजपा और उसके सहयोगियों के मिलकर सरकार बनाने का रास्ता बनाती थी, लेकिन इस चुनाव का जनादेश कुछ और ही कह रहा था।यह किसी से छुपा हुआ नहीं था कि यह चुनाव, भारत का अब तक का सबसे नाबराबरी का चुनाव था। यह एक ऐसा चुनाव था जिसमें बराबरी के मुकाबले की यह न्यूनतम से न्यूनतम शर्त भी पूरी नहीं हो रही थी कि चुनाव आयोग, जिस पर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने का दायित्व था, कम से कम निष्पक्ष दिखाई देने की कोशिश करेगा। इसका नतीजा यह हुआ कि एक ओर सत्ताधारी पार्टी, चुनावी मुकाबले में विपक्ष को पंगु करने के लिए, शासन के सभी दमनकारी साधनों का खुलेआम इस्तेमाल करते हुए, जिसमें विपक्षी मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने से लेकर विपक्षी पार्टियों के खाते जाम करना तक शामिल था, निष्पक्षता की धज्जियां उड़ा रही थी। तो दूसरी ओर सत्ताधारी पार्टी को अपने शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे तक, विपक्ष के खिलाफ सरासर झूठे और सांप्रदायिक प्रचार को हथियार बनाने के जरिए, जनता के जानकारी पर आधारित चुनाव करने के अधिकार की जड़ें ही काटने की खुली छूट मिली हुई थी। इसके ऊपर से सत्ताधारी पार्टी को मुख्यधारा के मीडिया को न सिर्फ पैसे तथा मीडिया धन्नासेठों के समर्थन के बल पर अपने लिए छेक लेने का बल्कि तरह-तरह के सर्वेक्षणों के जरिए उसे मारक हथियार बनाने का और कुल मिलाकर बेशुमार पैसा बहाने तथा विपक्ष के संसाधनों के सारे स्रोत सुखाने का भी, मौका मिला हुआ था। इसके बावजूद, इस चुनाव में जनता ने जो फैसला सुनाया था, साफ तौर पर भाजपा के खिलाफ था।बेशक, चार सौ पार के जो दावे सत्तापक्ष और उसके मीडिया में छाए प्रचारकों द्वारा विधिवत चुनाव प्रचार शुरू होने से महीनों पहले से शुरू कर, एक्जिट पोलों तक के जरिए किए जा रहे थे, उन सबके सामने, सत्ताधारी भाजपा का 240 के आंकड़े पर और सहयोगियों को भी जोड़कर, 292 के आंकड़े पर अटक जाना भी, किसी हार से कम नहीं था। लेकिन, बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। इससे बड़ी बात यह थी कि जहां अकेले भाजपा के 370 पार और संगियों के साथ मिलकर चार सौ पार जाने का दम भरा जा रहा था, जब नतीजे आए भाजपा खुद 240 सीटों पर सिमट गयी और सहयोगियों के साथ मिलकर मुश्किल से बहुमत का आंकड़ा पार कर पायी।

इतना ही नहीं, 2019 के चुनाव में भाजपा को जो 303 सीटें हासिल हुई थीं, उनमें पूरे 20 फीसद यानी 63 सीटों की कमी इस चुनाव में जनता ने कर दी और उसके गठजोड़ की सीटों में से भी करीब इतनी ही कमी। साफ है कि जनता ने पिछले चुनाव के मुकाबले, सत्ताधारी दल और उसके गठजोड़ को ठुकराया ही है, उसे अपनी करनियों और अकरनियों के लिए राजनीतिक सजा ही दी है।इसी का एक और साक्ष्य, पिछले चुनाव के मुकाबले भाजपा और उसके गठजोड़ के मत प्रतिशत में भी बहुत ज्यादा न सही, फिर भी कुछ न कुछ गिरावट का ही होना है। खुद भाजपा के मत फीसद में यह गिरावट इसलिए और भी उल्लेखनीय हो जाती है कि 2024 में उसने तमिलनाडु, पंजाब जैसे राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ते हुए, पिछले चुनाव के मुकाबले काफी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़कर भी, पिछली बार के मुकाबले करीब 1 फीसद कम वोट हासिल किया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2019 में भाजपा को 37.36 फीसद वोट मिला था, जो इस चुनाव में घटकर 36.56 फीसद ही रह गया है। इस चुनाव में सहयोगियों के साथ मिलकर भी सत्तापक्ष का मत फीसद 42.5 फीसद से ज्यादा नहीं बैठता है।

बेशक, यह कहा जा सकता है कि लोकसभा सदस्यों की गिनती के हिसाब जनादेश भाजपा के खिलाफ होने के बावजूद, गठबंधन के हिस्से के तौर पर तो भाजपा जनादेश का दावा कर ही सकती है। वास्तव में खुद नरेंद्र मोदी ने भी गठबंधन की आड़ लेकर ही, जनादेश का दावा करने की कोशिश की है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में अपने भाषण में नरेंद्र मोदी ने गठबंधन का ही सहारा लेकर यह दावा किया था कि %%न हम हारे थे, न हम हारे हैं! इसके लिए हाथ की सफाई का सहारा लेते हुए, मोदी ने यह दावा किया था कि %किसी से पूछो कि पहले क्या था, एनडीए था, अब क्या है, एनडीए है% , वही तब भी जीता था, वही अब भी जीता है, आदि। इसमें हाथ की सफाई अन्य बातों के अलावा इसमें थी कि 2024 के चुनाव के बाद, चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम की जिन 16 और जनता दल यूनाइटेड की 12 सीटों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुमत का दावा किया जा रहा है,

ये दोनों ही पार्टियां इस चुनाव के दौरान ही भाजपा द्वारा विशेष ऑपरेशन चलाकर, जिसमें विभिन्न रूपों में सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल भी शामिल है, एनडीए में शामिल की गयी थीं। याद रहे कि चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम ने 2019 का चुनाव भाजपा के खिलाफ लड़ा था, जबकि जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, 2024 के चुनाव के लिए ही बने इंडिया एलाइंस के सूत्रधारों में रहने के बाद, अचानक पल्टी खिलाकर भाजपा के पाले में ले आए गए थे। जाहिर है कि उनके समर्थन के बल पर एनडीए जीता था, एनडीए जीता है का दावा करना, अर्द्धसत्य का ही सहारा लेना है।एनडीए के संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी ने भले ही एनडीए के 30 साल की दुहाई दी हो, सच्चाई यह है कि 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद गुजरे दस साल में, एक राजनीतिक गठबंधन के रूप में एनडीए कॉमा की अवस्था में ही पड़ा रहा है, जिसका होना न होने के बराबर ही रहा है। हां! विशेष मौकों पर नुमाइश के लिए जरूर पांच-पांच साल पर उसे सहारा देकर कुर्सी पर बैठा दिया जाता है। दूसरी ओर, सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी के राज में सभी स्तरों पर जिस तरह के सारी सत्ता का केंद्रीयकरण किया गया है, खुद सत्ताधारी भाजपा भी उससे बच नहीं पायी है, फिर उसके नेतृत्व में बने किसी बहुदलीय गठबंधन के बचे रह जाने का तो सवाल ही कहां उठता है। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि इन दस वर्षों में न तो मोदी की भाजपा ने एनडीए के किसी साझा कार्यक्रम की जरूरत समझी और न ही एनडीए की तालमेल समिति जैसे किसी निकाय की ही गुंजाइश छोड़ी है। हां! सत्ता के लाभों में थोड़ी-बहुत हिस्सेदारी की गाजर और केंद्रीय एजेंसियों का डंडा दिखाने के जरिए जरूर, उसने सहयोगी पार्टियों को साथ लगाए रखने की कोशिश की है।इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि इन दस वर्षों में शिव सेना, अकाली दल, तेलुगू देशम, जदयू, अन्नाद्रमुक आदि अनेक पार्टियां विभिन्न मुद्दों पर मोदी की भाजपा का साथ छोड़कर छिटक गयी हैं। वास्तव में मोदी के दूसरे कार्यकाल में तो, एनडीए का शायद ही कभी नाम भी लिया गया होगा। गठबंधन की किसी भी प्रकार की सामूहिकता के बजाए, इन पांच वर्षों में तो मोदी-मोदीऔर एक अकेला सब पर भारी की ही हवा बनायी जा रही थी। वह तो जब इंडिया गठबंधन से वास्तविक खतरा नजर आने लगा, तब इस गठबंधन के जवाब में अचानक मोदी की भाजपा को अपने गठबंधन की याद आ गयी और कॉमा में पड़े एनडीए को बाहर निकाल लाया गया। लेकिन, चूंकि इस एनडीए में सिर्फ गिनती के लिए गिनाए जा रहे संगठनों का कोई असर नहीं था, चुनाव की तैयारियों के बीच विशेष अभियान चलाकर जदयू, तेलुगू देशम जैसी पार्टियों को दोबारा भाजपा के पाले में लाया गया।

इसलिए, एनडीए के नाम पर इन पार्टियों को जोड़-बटोर कर, नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए जरूरी गिनती तो जुटायी जा सकती है, लेकिन सत्ता की मलाई के लालच की गाजर और केंद्रीय एजेंसियों के डंडे के सहारे खड़ी की गयी यह एकता, ज्यादा दिन चल पाएगी इसमें संदेह की ही पूरी गुंजाइश है।

संपादकीय

अब इंडिया की राह क्या हो

रविवार को नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद सम्हाल लिया है और उनकी सरकार ने एक तरह से कामकाज शुरू भी कर दिया है। 2014 और 2019 के मुकाबले एक बड़ी चुनौती को पार करने के बाद मोदी अपनी सरकार फिर से बनाने में कामयाब तो हो गये हैं लेकिन उनके सामने खड़े कांग्रेस एवं संयुक्त प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया ने उससे कहीं बड़ी बाधाओं को पार करते हुए खुद को ऐसी मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है जहां भाजपा का मुकाबला संसद के भीतर व बाहर दोनों जगहों पर दमदारी से किया जा सकता है। मोदी के तीसरी बार सरकार बनने के पहले से ही, सच कहा जाये तो 4 जून की रात से ही साफ हो गया था कि वह अपने पैरों पर नहीं खड़ी है। इसलिए अनुमान जताये जा रहे हैं कि यह सरकार बहुत लम्बा चलने से रही। विवादास्पद मुद्दों को लेकर जब भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दलों- खासकर तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) एवं जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) से टकराव बढ़ेगा तो इस सरकार के गिरने के अनुमान जाहिर किये जा रहे हैं।

तो क्या इंडिया को इन अंतर्विरोधों के बढ़ने और भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के अपने आप गिरने का इंतज़ार करना चाहिये? इसका जवाब ढूंढ़ने के लिये कई आयामों पर गौर करना होगा। पहली बात, यह तो सच है कि परस्पर टकरावों के कारण इस सरकार के गिरने का अंदेशा कई राजनीतिक विश्लेषक व्यक्त कर रहे हैं। कई तो इसकी समयावधि तक निर्धारित करने से नहीं चूक रहे हैं। यह अवधि कुछ दिनों से लेकर कुछ महीनों तक की है। इस तरह के कयासों के कई आधार हैं। इनमें प्रमुख है विभागों का वितरण। अनुमान जतलाये जा रहे हैं कि गठबंधन के जिन सहयोगी दलों को प्रभावशाली मंत्रालय, जिन्हें %मलाईदार विभाग% भी कहा जाता है, न मिलें तो खींचतान होगी। माना जा रहा था कि सबसे रौबदार विभाग यानी गृह, रेल, विदेश और रक्षा मंत्रालयों के लिये भी कहा-सुनी सम्भावित है। इसे सभी सहयोगी दल, खासकर बड़े घटक अपने पास रखना चाहेंगे। इनमें टीडीपी एवं जेडीयू शामिल हैं जिनके क्रमशः 16 व 12 सदस्य हैं और जिन पर सरकार काफी-कुछ निर्भर करती है।

किसी भी एक के हाथ खींचने की देर है और मोदी सरकार का पतन हो जायेगा। दूसरा अहम मुद्दा होगा लोकसभा के अध्यक्ष पद का। आने वाली राजनीतिक परिस्थितियों में इस पद का बहुत महत्व होगा। खासकर, टकराव की स्थिति में आसंदी पर बैठे व्यक्ति का आदेश व उसकी प्रतिबद्धता मोदी सरकार के लिये निर्णायक होगी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय टीडीपी ने ही अपने सांसद जीएमसी बालयोगी को इस पद पर बिठाने में सफलता पायी थी। बड़ी बात नहीं कि इस बार भी वह इसकी कोशिश करे। देखना यह होगा कि क्या इस बार जेडीयू यह पद पाना चाहेगी। वैसे अनुमान लगाये जा रहे थे कि दोनों दल ज्यादा मंत्री पद चाहेंगे पर इनके एक-एक सदस्य को ही केबिनेट मंत्री बनाया गया है। फिलहाल तो कोई विवाद होता नहीं दिख रहा है। राकांपा ज़रूर नाराज़ है जिसे केवल एक राज्य मंत्री का पद दिया जा रहा था। इसलिये उसका कोई प्रतिनिधि रविवार को हुए शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुआ।इंडिया के लिये असली संदेश तो यही है कि वह एनडीए में विवादों के पनपने और उनके इस कदर बड़ा होने का इंतज़ार न करे जिससे सरकार गिरे। अगर यह होना है तो वह अपने समय व कारणों से होता रहेगा लेकिन विपक्ष को अपने तईं प्रयासों को जारी रखना होगा। क्या हैं वे प्रयास? उसे वही करना है जो वह पिछले दो वर्षों से करती आई है। 2014 व 2019 के मुकाबले कांग्रेस को बड़ा जनादेश मिला है और दस वर्षों में उसके सदस्यों का आंकड़ा दहाई को छूने जा रहा है। राहुल गांधी द्वारा वायनाड या रायबरेली की एक सीट छोड़ने पर वहां से जो भी कांग्रेस प्रत्याशी लड़े, जीतेगा। इस तरह कांग्रेस 100 तक पहुंच जायेगी। दो राष्ट्रव्यापी यात्राओं के बाद राहुल का कद तो बढ़ा ही है, एक सर्वे में उन्हें पीएम के रूप में देखने वाले मोदी के मुकाबले 4 प्रतिशत ज्यादा पाये गये- यूपी में पीएम की पहली पसंद के तौर पर 36 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी और 32 फीसदी लोगों ने नरेंद्र मोदी को चुना।

नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य के लिए निर्णायक समय

नेतन्याहू की समस्या यह है कि इजरायल के प्रधानमंत्री और उनके अति-राष्ट्रवादी और अति-रूढ़िवादी साझेदारों के साथ बाइडेन की हताशा का इजरायल के लिए अमेरिकी समर्थन की कीमत से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि संभवतः यह संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल के बीच एक विशेष संबंध में उभरते ऐतिहासिक बदलाव से अधिक है।

आने वाले एक या दो सप्ताह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के राजनीतिक भाग्य का निर्धारण कर सकते हैं और इज़रायल के गाजा युद्ध के लिए बाइडेन प्रशासन के समर्थन को नया आकार दे सकते हैं। यानी, अगर नेतन्याहू युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज़ की इस मांग को पूरा करने में विफल रहते हैं कि प्रधानमंत्री युद्ध के बाद के प्रशासन के लिए एक योजना तैयार करें, तो उनके साथ युद्ध कैबिनेट के सदस्य और इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ़गैबीईसेनकोट भी शामिल हो सकते हैं।गैंट्ज़ के पास अपनी चेतावनी पर अड़े रहने के अच्छे कारण हैं। हाल ही में हुए एक इजरायली जनमत सर्वेक्षण से पता चलता है कि भले ही वह चुनाव जीत जायेंगे, लेकिन सरकार में उनकी मौजूदगी उन्हें नुकसान पहुंचा रही है। सर्वेक्षण में गैंट्ज़ को 38प्रतिशत वोट मिले, जो जनवरी में उनके 46प्रतिशत के उच्चतम स्तर से कम है, जबकि नेतन्याहू के वोटों की संख्या छह महीने पहले के 24प्रतिशत से बढ़कर 30प्रतिशत हो गयी। हालांकि नेतन्याहू फिर भी चुनाव हार जायेंगे, लेकिन सर्वेक्षण से पता चलता है कि गैंट्ज़ अपनी लोकप्रियता को और जोखिम में डालने का जोखिम नहीं उठा सकते।गैंट्ज़ क्या निर्णय लेते हैं, इस पर निर्भर करते हुए चार परिदृश्यों में से एक के सामने आने की संभावना है और संभवतः यह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के हमास और इजरायल दोनों पर दबाव बनाने के लिए कतर और मिस्र समर्थित युद्धविराम योजना की आधिकारिक घोषणा करने के निर्णय का हिस्सा था।नेतन्याहू 24 जुलाई को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने तक युद्धविराम टाल सकते हैं। वह अपने सबसे उग्रवादी अति-राष्ट्रवादी और अति-रूढ़िवादी गठबंधन सहयोगियों को छोड़ सकते हैं, जिनका प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमारबेनग्वीर और वित्त मंत्री बेज़ेलस्मोट्रिच करते हैं, जो युद्धविराम समझौते का विरोध करते हैं, जिससे हमास द्वारा बंधक बनाये गये लोगों की रिहाई होगी। इसके बजाय, नेतन्याहू गैंट्ज़, विपक्षी नेता यायरलैपिड और दो धार्मिक गठबंधन सहयोगियों, शास और यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्मावलम्बी, जो युद्ध विराम और बंधक समझौते के पक्षधर हैं, के साथ मिलकर सरकार बना सकते हैं।एक और संभावना यह है कि नेतन्याहू पासा पलट सकते हैं और गैंट्ज़ और ईसेनकोट के इस्तीफ़ा देने पर तुरंत चुनाव की घोषणा कर सकते हैं। अंत में, गैंट्ज़ और ईसेनकोट इस्तीफ़ा दे सकते हैं, जिससे नेतन्याहू और भी ज़्यादा ज़िम्मेदार बन सकते हैं। बेनग्वीर और स्मोट्रिच ने युद्ध विराम वार्ता में नेतन्याहू के स्थान को सीमित करने की कोशिश की, क्योंकि उनके हज़ारों समर्थक 1967 के मध्य पूर्व युद्ध में पूर्वी यरुशलम पर इज़राइल की विजय का जश्न मनाने के लिए यरुशलम के मुस्लिम क्वार्टर से यरुशलम ध्वज दिवस पर मार्च कर रहे थे।

मार्च में भाग लेते हुए, बेनग्वीर ने कहा कि इसने हमास को संदेश दिया कि यरूशलम हमारा है। पुराने शहर के एक गेट का जिक्र करते हुए, जिसका मुस्लिम चर्टर हिस्सा है, और मंदिर पर्वत जो इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अलअक्सा मस्जिद की मेज़बानी करता है, बेनग्वीर ने जोर देकर कहा कि दमिश्कगेट हमारा है। मंदिर पर्वत हमारा है, और, ईश्वर की इच्छा से, पूरी जीत हमारी है।

उग्रवादी बेनग्वीर अनुयायियों ने फ़िलिस्तीनी निवासियों और पत्रकारों पर हमला किया, अरबों की मौत, तुम्हारा गांव जल जाये, और शुआफ़त आग की लपटों में है के नारे लगाये, जो पूर्वी यरुशलम के फ़िलिस्तीनी इलाके का संदर्भ था। गैंट्ज़-ईसेनकोटवॉक-आउट जो नेतन्याहू को बेनग्वीर और स्मोट्रिच पर और भी अधिक निर्भर बना देगा, रक्षा मंत्री गैलेंट पर दबाव बढ़ायेगा, ताकि वे भी ऐसा ही करें और इज़राइल के लिए बाइडेन के समर्थन को जटिल बना दें।

मुझे पता है कि इज़राइल में ऐसे लोग हैं जो इस योजना से सहमत नहीं होंगे और युद्ध को अनिश्चित काल तक जारी रखने का आह्वान करेंगे कुछ तो सरकारी गठबंधन में भी हैं। और उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है- वे गाजा पर कब्जा करना चाहते हैं, वे वर्षों तक लड़ते रहना चाहते हैं, और बंधक उनके लिए प्राथमिकता नहीं हैं... मैंने इजरायल के नेतृत्व से इस सौदे के पीछे खड़े होने का आग्रह किया है, चाहे जो भी दबाव आये,% बाइडेन ने अपने प्रस्तावित युद्धविराम सौदे को आगे बढ़ाते हुए कहा, जो नेतन्याहू द्वारा समर्थित एक मसौदे पर आधारित प्रतीत होता है। वास्तव में, बाइडेन नेतन्याहू को चेतावनी दे रहे थे कि वे ऐसी स्थिति की अनुमति न दें जिसमें वे बेनग्वीर और स्मोट्रिच पर अपनी निर्भरता कम करने के बजाय उसे बढ़ायें।साथ ही, इजरायली विश्लेषकों का सुझाव है कि नेतन्याहू के दिमाग में, प्रधानमंत्री और गैलेंट के युद्ध अपराध के आरोपों पर गिरफ्तारी के लिए संभावित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) वारंट गाजा युद्ध की निरंतरता को एक परिसंपत्ति के बजाय एक दायित्व में बदल रहा है जो सुनिश्चित करेगा कि वह पद पर बने रहें।

संयुक्त राज्य अमेरिका और 16 अन्य देश जिनके नागरिकों को 7अक्टूबर को हमास द्वारा बंधक बनाया गया था, ने नेतन्याहू पर दबाव बढ़ा दिया और एक संयुक्त बयान जारी किया जिसमें इजरायल और हमास से युद्धविराम समझौता करने का आह्वान किया गया। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जिसमें नेतन्याहू संभावित रूप से एक चौराहे पर हैं, ने बाइडेन की युद्धविराम योजना का समर्थन करने वाले प्रस्ताव पर चर्चा करने में देरी की है।संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुरू में योजना के समर्थन में एक मसौदा प्रस्ताव प्रसारित किया था, जिसे वीटो किये जाने की संभावना थी क्योंकि इसने स्वीकृति का भार हमास पर डाल दिया था। ऐसा करना अधिक कठिन होगा क्योंकि इजरायल सरकार में अधिकांश वयस्क नहीं हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायल के प्रति अपने अड़ियल समर्थन के कारण कम असुरक्षित है, जैसा कि कई लोग मानते हैं। नेतन्याहू को लग सकता है कि वह अपने कांग्रेस के भाषण का उपयोग करके गैंट्ज़ और ईसेनकोट के जाने से होने वाले किसी भी परिणाम से बच सकते हैं।नेतन्याहू शायद सही हों कि संयुक्त राज्य अमेरिका को शब्दों के बजाय कामों से इज़राइल पर शिकंजा कसने के लिए कम दबाव महसूस होता है। निश्चित रूप से, यूक्रेन और गाजा युद्धों के प्रति अपने दृष्टिकोण में कथित दोहरे मानकों के कारण अमेरिका ने नैतिक स्थिति खो दी है। मानवाधिकारों और कानून के शासन का प्रचार करने वाले अमेरिकी राजनयिकों को शायद ही हंसी में उड़ाया जायेगा।

फिर भी, खाड़ी के देश और कई एशियाई देश अभी भी संयुक्त राज्य अमेरिका को शहर में एकमात्र सुरक्षा खेल के रूप में देखते हैं। इसके अलावा, इज़राइल के समर्थन से संयुक्त राज्य अमेरिका को आर्थिक रूप से बहुत कम नुकसान हुआ है, सिवाय स्टारबक्स जैसी खाद्य फ्रैंचाइज़ी के, जिन्हें कई मध्य पूर्वी देशों में बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है।

बाइडेन प्रशासन, इज़राइली रक्षा मंत्री योवगैलेंट और वरिष्ठ इज़राइली सैन्य कमांडर गैंट्ज़ की निराशा को साझा करते हैं। फिर भी, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित प्रौद्योगिकी पर चीन की तुलना में अमेरिका के साथ सहयोग करना पसंद करते हैं। इसने खाड़ी देशों को चीनी प्रौद्योगिकी में निवेश करने से नहीं रोका है।

यूनाइटेड अरब अमीरात की जी 42 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस होल्डिंग कंपनी ने अप्रैल में माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की थी, जिसके बाद उसने अमेरिकी वाणिज्य विभाग के उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो के साथ सहमति जताई थी कि वह चीन में अपनी उपस्थिति कम करेगी या फिर उसे दंडात्मक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

नेतन्याहू की समस्या यह है कि इजरायल के प्रधानमंत्री और उनके अति-राष्ट्रवादी और अति-रूढ़िवादी साझेदारों के साथ बाइडेन की हताशा का इजरायल के लिए अमेरिकी समर्थन की कीमत से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि संभवतः यह संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल के बीच एक विशेष संबंध में उभरते ऐतिहासिक बदलाव से अधिक है।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

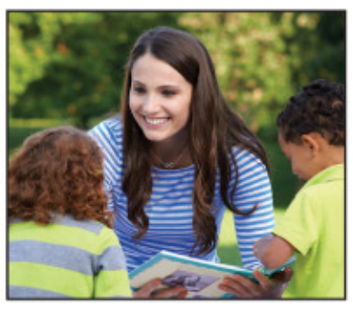

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकून के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यही सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं।(सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिंटेड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

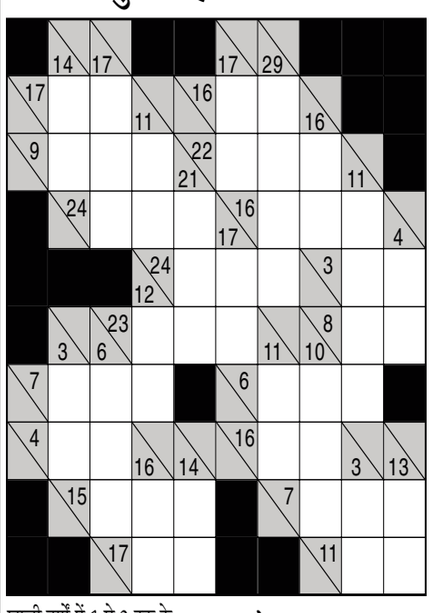

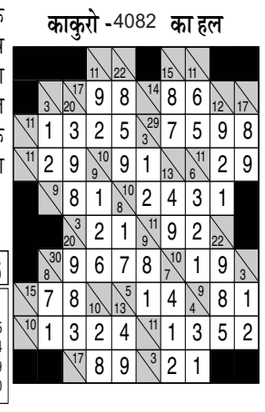

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

काकुरो -4082 का हल

हंसी के फव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे?'

'जी एक!'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे!'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

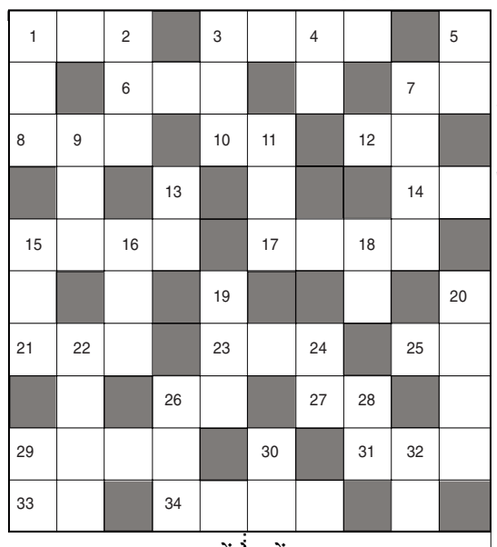

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर!'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4082

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

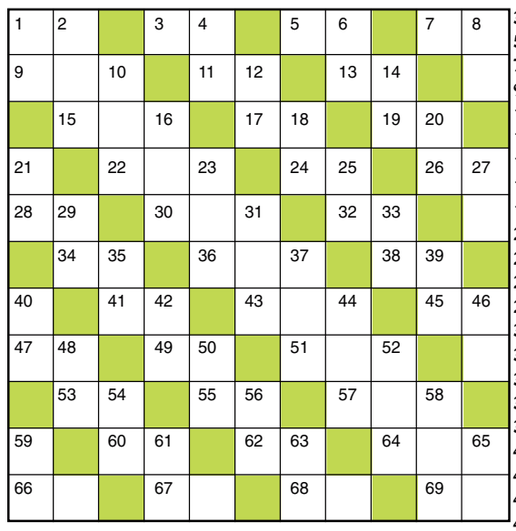

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4083

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा-2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

बिजली गिरने से तीन की मौत चार घायल

एजेंसी

सिवनी। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के बंडोल थाना क्षेत्र में आज बिजली गिरने से तीन की मृत्यु हो गयी और चार अन्य घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस सूत्रों के अनुसार खेत पर काम करने गए लोगों पर शाम को अचानक बिजली गिर गयी, जिससे सात लोग घायल हो गए, जिन्हें जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में राजाराम जंघेला, शोभे जंघेला, बसंत जंघेला ग्राम बकोडी और जमुनिया निवासी शामिल हैं।

मणिपुर पर बहुत देर से आया है भागवत का बयान

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि मणिपुर हिंसा की केन्द्र सरकार द्वारा उपेक्षा को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का बयान बहुत देर से आया है। श्री गहलोत ने जारी बयान में कहा कि पिछले एक साल में केन्द्र सरकार ने मणिपुर में हो रहे आंतरिक संघर्ष और हिंसा को गंभीरता से नहीं लिया है। मणिपुर छोटा राज्य है, परन्तु भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी ने मणिपुर का कई बार दौरा किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी मणिपुर जाने का प्रयास ही नहीं किया। श्री मोहन भागवत को अब केन्द्र सरकार पर दबाव बनाकर उन्हें मणिपुर पर ध्यान देने के लिए मजबूर करना चाहिए जिससे वहां हिंसा रुक सके।

उत्तराखंड में गंगोत्री हाईवे पर यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, एक महिला की मौत

गंगोत्री। उत्तराखंड में गंगोत्री हाईवे पर रात हादसा हो गया। श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बस गंगनानी के पास करीब 20 मीटर गहरी खाई में गिर गई।इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, वन, फायर, आपदा प्रबंधन क्यूआरटी और राजस्व विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को रेस्क्यू कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। गंगनानी और हर्षिल सहित अन्य जगहों से मेडिकल टीमों और एंबुलेंस को भी घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि हादसे के समय बस में 27 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों को रेस्क्यू कर लिया गया है। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।पुलिस के अनुसार, बस यात्रियों को गंगोत्री से लेकर उत्तरकाशी की ओर आ रही थी, तभी बस गंगनानी के पास अचानक अनियंत्रित होकर 15 से 20 मीटर खाई में जा गिरी और पेड़ पर लटक गई।

01 जुलाई से होगी अग्निवीर खिलाड़ियों की भर्ती

बरेली। एक जुलाई से होने वाली अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के ट्रायल 18 जून से शुरू होंगे। जिसको लेकर तैयारी शुरू हो गई है। हेडक्वार्टर्स कोटे के तहत जाट रेजिमेंट सेंटर बरेली में होने वाले खिलाड़ियों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्पोर्ट्स ट्रायल होंगे। जिसमें बास्केटबॉल,वॉलीबॉल, हैडबॉल,बॉक्सिंग,कुश्ती तथा दौड़ (800 मीटर और ऊपर) के खिलाड़ियों का होगा। इसके लिए संबंधित खिलाड़ियों को अपने जरूरी दस्तावेज लेकर 18 जून को जाट गेट पर सुबह 5 बजे तक पहुंचना होगा। इस ट्रॉयल के लिए केवल पिछले दो साल के निर्गत स्पोर्ट्स सर्टिफिकेट ही मान्य होंगे। इसके अलावा ट्रॉयल में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 01 अक्टूबर 2003 से 01 अप्रैल 2007 के बीच होनी चाहिए। इस स्पोर्ट्स ट्रॉयल में सफल अभ्यर्थी ही यूनिट हेडक्वार्टर्स कोटा (यूएचक्यू) के तहत 01 जुलाई 2024 से 08 जुलाई 2024 तक जाट रेजिमेन्टल सेन्टर (जे आर सी), बरेली में आयोजित होने वाले भर्ती रैली में भाग ले सकते हैं।

झोपड़ी पर पलटा बालू भरा ट्रक, एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले में मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव मार्ग पर बालू भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झोपड़ी पर पलट गया। घटना में झोपड़ी में सो रहे चार मासूम बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दंपती, उनके चार बच्चे और एक दामाद शामिल हैं। एक बच्ची घायल भी है।

मल्लावां कस्बे में उन्नाव मार्ग पर चुंगी नंबर दो के पास सड़क किनारे नट बिरादरी के लोग सड़क किनारे झोपड़ी बनाकर रहते हैं। मंगलवार आधी रात के बाद कानपुर से हरदोई जा रहा बालू भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे अवधेश उर्फ बल्ला की झोपड़ी पर पलट गया।

इसकी जानकारी पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों और जेसीबी की मदद से ट्रक सीधा करने के बाद बालू हटवाई, लेकिन तब तक अवधेश उर्फ बल्ला (45), उसकी पत्नी सुधा उर्फ मुंडी (42), पुत्री सुनैना (11) , लल्ला(5) , बुद्धू (4), हीरो (22) उसका पति बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के कासुपेट निवासी करन (25) उसकी पुत्री कोमल उर्फ बिहारी (5) की मौत हो चुकी थी।

चालक और हेल्पर हिरासत में

अवधेश की एक पुत्री बिट्टू घटना में घायल हुई है। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के छिबरामऊ निवासी अवधेश और हेल्पर शहर कोतवाली क्षेत्र के अनंग बेहटा निवासी रोहित को हिरासत में ले लिया है।

अनुराग ठाकुर को मंत्री नहीं बनाये जाने पर पिता धूमल का बड़ा बयान, बोले- 'पीएम की इच्छा पर निर्भर'

एजेंसी

हमीरपुर । केंद्र में नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। मोदी सरकार ने कैबिनेट का भी गठन कर लिया है। जिसमें हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर को मंत्री पद न मिलने पर हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अनुराग सिंह ठाकुर के पिता प्रेम कुमार धूमल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। प्रेम कुमार धूमल ने कहा कि भाजपा में संगठन और प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा पर निर्भर करता है कि किसे अपनी कैबिनेट में मंत्री बनाना है या नहीं। यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उनके साथ बनाए गए सभी मंत्रियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।धूमल ने आगे कहा कि 1962 में पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। उसके बाद लगातार तीसरी बार कोई नेता पीएम बना है। अटल बिहारी वाजपेयी जी के बाद नरेंद्र मोदी गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने हैं, जो भाजपा संगठन और देश के लिए गर्व की बात है। वहीं अनुराग ठाकुर को संगठन में अहम जिम्मेदारी मिलने के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने कहा कि यह भी संगठन और प्रधानमंत्री की इच्छा पर ही निर्भर करता है कि किसे कौन सा दायित्व देना है।

उत्तर पश्चिम भारत भीषण गर्मी की चपेट में, कठुआ में पारा 48 के पार; दिल्ली-यूपी में लू का कहर

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम और पूर्वी भारत भीषण गर्मी की चपेट में है। पहाड़ी राज्यों के मैदानी इलाकों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पारा 48.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है जो अब तक सर्वाधिक तापमान है। जम्मू में भी अधिकतम तापमान 43 डिग्री दर्ज किया गया है।

बिहार के कई इलाके लू की चपेट में हैं और मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा किनारे वाले क्षेत्रों, बिहार, झारखंड, यूपी, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व ओडिशा के अलग-अलग क्षेत्रों में लू की स्थिति बनी हुई है।

बिहार के दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य और उत्तर पश्चिम क्षेत्र के जिलों के लिए लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान राजस्थान और पंजाब समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 42.-

45 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान यूपी के प्रयागराज में 46.3 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में पारा 43.8 डिग्री पर पहुंच गया है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि गांगेय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड के कुछ हिस्सों में उष्ण लहर से लेकर गंभीर उष्ण लहर की स्थिति बनी हुई है। जबकि उत्तराखंड के कुछ हिस्सों, उत्तर प्रदेश, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पूर्वी मध्य प्रदेश और ओडिशा के अलग-अलग इलाकों में अगले कुछ दिनों तक लू की संभावना है। इन राज्यों में लू की स्थिति करीब अगले सात से आठ दिनों तक बनी रहेगी। हालांकि कुछ क्षेत्रों में बारिश की भी संभावना है। मौसम संबंधी जानकारी देने वाली निजी वेबसाइट स्काईमेट वेदर के मुताबिक, यूपी-बिहार और झारखंड में भयंकर लू चलेगी। अभी उत्तर बिहार को भीषण गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है। मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में लू चल सकती है। यूपी-बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बीते कुछ समय से लू का प्रकोप जारी है।

इसके अलावा सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और विदर्भ और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिण गुजरात, मध्य प्रदेश, दक्षिण गुजरात और दक्षिण-पूर्व राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में लू चल सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू चल सकती है।

गुजरात पहुंचा मानसून

उत्तर भारत जहां गर्मी की चपेट में है, वहीं गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हो रही है। दक्षिण पश्चिम मानसून दक्षिणी गुजराज पहुंच चुका है, जो आमतौर पर 15 जून तक पहुंचता है। इसके प्रभाव से दक्षिण गुजरात में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन सभी जिलों में जोरदार गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। मानसून के प्रभाव से मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश हो रही है। मंगलवार को ठाणे में 48.77 एमएम बारिश दर्ज की गई। ठाणे शहर में 1 जून से 141.9 एमएम बारिश हो चुकी है।

लाडली बहना को 3 हजार रुपए देने का वादा अधूरा : जीतू पटवारी

भोपाल । लोकसभा चुनाव के बाद मध्य प्रदेश की मोहन यादव कैबिनेट की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान लाडली बहनाओं को तीन हजार रुपए प्रति माह देने का वादा किया गया था, जो अधूरा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के वीडियो का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, आप वीडियो जारी करके लाडली बहनों पर जो 'उपकार' कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वोट झपटने के लिए चुनाव में किया वादा अभी तक अधूरा है। भाजपा का भरोसा, शिवराज का साथ, मोदी की गारंटी - जैसे कई चुनावी नारे लगाकर बहनों को इस भ्रम में रखा गया कि सत्ता मिलते ही उन्हें 3000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। आपकी सरकार छह माह बाद भी सिर्फ झूठ ही बोल रही है और वादे को पूरा करने से बच रही है!

राष्ट्रपति ने मंजूर किया मंत्री राजकुमार का इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के मंत्री राजकुमार आनंद का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से मंजूर कर लिया है। बता दें कि राजकुमार राय दिल्ली में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए थे। समाज कल्याण मंत्री रहे राजकुमार आनंद ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मंत्रिपद से इस्तीफा देते हुए आरोप लगाया था कि आप सरकार दलित विरोधी है। साथ इसके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं।

पत्र में और क्या लिखा था

राजकुमार आनंद ने पत्र में लिखा था कि आम आदमी पार्टी का जन्म ही भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुआ है, लेकिन अब आप सरकार के मुख्यमंत्री, दो पूर्व मंत्री जेल में हैं। सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। ऐसे में मंत्री पद पर रहकर इस सरकार में काम करना असहज हो गया है। इसके अलावा सरकार दलित, आरक्षण और बाबा साहेब के विचारों की विरोधी है।

नई दिल्ली सीट से लड़ा चुनाव

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) जॉइन करने के बाद राजकुमार आनंद को पार्टी ने नई दिल्ली से लोकसभा चुनाव में उतारा था। इस सीट से पहले बीएसपी ने सत्यप्रकाश गौतम को उम्मीदवार घोषित किया था, जो नामांकन दाखिल भी कर चुके थे। मगर राजकुमार के आने के बाद उन्हें अपना नामांकन वापस लेना पड़ा।

रामनगर से चारधाम यात्रा शुरू करने की संभावना की तलाश, सर्वे का काम करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार

एजेंसी

कुमाऊं। कुमाऊं के नैनीताल जिले के रामनगर से चारधाम यात्रा शुरू करने की संभावना तलाशी जा रही है। इसके लिए नैनीताल जिला प्रशासन और परिवहन विभाग ने प्रारंभिक सर्वे का काम करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार कर ली है।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में यात्रा में भीड़ के दबाव से निपटने के लिए अन्य विकल्पों को भी देखा जा रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रामनगर से चारधाम यात्रा की संभावना को तलाशने के निर्देश कुछ महीने पहले जिला प्रशासन को दिए थे। इसके बाद नैनीताल डीएम के निर्देश पर प्रशासन और परिवहन विभाग की टीम ने रामनगर से कर्णप्रयाग तक का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार कर ली है। रामनगर से मोहान मोलेखाल-भिकियासैण, चौखुटिया-गैरसैण और कर्णप्रयाग होते हुए चारधाम यात्रा की जा सकती है। पहले भी लोग इस मार्ग से जाते रहते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्ग सिंगल लेन है। इसमें ज्यादा वाहनों का संचालन खतरनाक होगा। एक

दिन में 150 तक बसें और 300 तक छोटे वाहनों को चलाया जा सकता है। यह यात्रा रामनगर की सिंचाई विभाग और डिग्री कालेज की भूमि से शुरू किया जा सकता है। यहां पर वाहनों को खड़ा किया जा सकता है।

इन सुविधाओं को जुटाना होगा

रिपोर्ट के मुताबिक, यात्रा शुरू करने से पहले कई सुविधाओं को जुटाना होगा। कोई यात्री इस मार्ग में रुकना चाहता है तो उसके रुकने की व्यवस्था बनानी होगी। मार्ग पर धर्मशालाओं, होटलों व शौचालयों आदि की कमी है। मार्ग में श्रद्धालुओं के भोजन आदि की व्यवस्था के साथ वाहनों को ठीक करने के लिए गैराज आदि की भी व्यवस्था करनी होगी।

वापसी वाले वाहनों को रोड से निकाला जा सकता

रिपोर्ट में कहा गया कि ऋषिकेश चारधाम यात्रा मार्ग पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए रामनगर वाले रोड का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें चारधाम यात्रा से वापस लौट रहे दिल्ली, यूपी वाले वाहनों को निकाला जा सकता है। कर्णप्रयाग से करीब पांच घंटे में श्रद्धालु वाहन से रामनगर पहुंच सकते हैं। इसके बाद दिल्ली के लिए जा सकते हैं। इस व्यवस्था को शुरू करने में ज्यादा समस्या नहीं है।

रोजगार की नई संभावना बढ़ेंगी

कुमाऊं से चारधाम यात्रा के लिए अधिक संख्या में लोग जाते हैं तो इससे रूट वाले इलाकों में रोजगार की नई संभावनाएं बढ़ सकेंगी। इस रूट पर आदि बद्री भी है। जहां पर लोग दर्शन भी कर सकेंगे।सीएम के निर्देश पर रामनगर से चारधाम यात्रा और कैंची धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए वैकल्पिक मार्ग पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक सुविधाएं, पंजीकरण केंद्र, शौचालय, पार्किंग स्थल आदि का पर होमवर्क किया जा रहा है। सड़क मार्ग की स्थिति के सुधारीकरण पर भी प्रस्ताव तैयार हो रहा है। लगभग तीन संभावित मार्गों का परीक्षण चल रहा है। सभी पहलुओं पर विचार कर इसका अंतिम निर्णय शासन स्तर से लिया जाएगा।

-वंदना, जिलाधिकारी नैनीताल

सुपौल में ट्रक और ऑटो रिक्शा की टक्कर में चार लोगों की मौत, दो घायल

एजेंसी

सुपौल। बिहार में सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के ट्रक और ऑटो रिक्शा के बीच हुयी टक्कर में चार लोगों की मौत हो गयी, तथा दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि त्रिवेणीगंज इलाके के डपरखा गांव में भगवान शिव की पूजा करने के बाद कुछ लोग ऑटो रिक्शा से अपने घर जा रहे थे। इसी बीच त्रिवेणीगंज शहर के दुर्गा मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ऑटो रिक्शा पर सवार चार लोगों की मौत हो गयी, तथा दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। दुर्घटना के बाद ट्रक का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के गजहर वार्ड 4 निवासी यदु पासवान के 55 वर्षीय पुत्र रामगोविंद पासवान, त्रिवेणीगंज के महेशवा वार्ड 14 निवासी स्व. देवन दास की 52 वर्षीय पत्नी बिजली

देवी, राजदेव दास की 40 वर्षीय पत्नी ममता देवी एवं महेशवा पंचायत के वेला गांव निवासी स्व. कैवलाशी शर्मा के 55 वर्षीय पुत्र सियाराम शर्मा के रूप में हुई है। सियाराम ऑटो रिक्शा चालक था।

घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया गया है।

लोकसभा में बीजेपी हुई हाफ, विधानसभा में हो जाएगी साफ : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी हाफ हो गई है और विधानसभा चुनाव में पूरी तरह साफ हो जाएगी। हुड्डा चंडीगढ़ स्थित आवास पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने पूरे चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण भागीदारी निभाने और कांग्रेस को जिताने के लिए हरियाणा के तमाम मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा , जयप्रकाश और कई विधायक मौजूद रहे । हुड्डा ने बताया कि हरियाणा में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत जबरदस्त तरीके से बढ़ा है। पार्टी को 36 बिरादरी का भरपूर समर्थन हासिल हुआ है। तमाम राज्यों के मुकाबले हरियाणा में इंडिया गठबंधन को सबसे ज्यादा 47.6 प्रतिशत वोट मिले हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले कांग्रेस गठबंधन के वोटों में लगभग

20फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जबकि भाजपा का वोट 12फीसदी घटा है। कांग्रेस ने 46 विधानसभाओं पर जीत दर्ज की है। लोकसभा सीटों के हिसाब से देखें तो अंबाला में कांग्रेस को 18.6त्न ज्यादा तो बीजेपी को 2019 के मुकाबले 11.1त्न कम वोट मिले हैं। भिवानी में कांग्रेस को 21त्न ज्यादा तो बीजेपी को 13.8फीसदी कम वोट हासिल हुए हैं। फरीदाबाद में कांग्रेस को 20.3फीसदी ज्यादा तो बीजेपी को 15.1फीसदी कम वोट मिले। गुरुग्राम में कांग्रेस को 11.6फीसदी ज्यादा तो बीजेपी को 10.4फीसदी वोट कम हासिल हुए हैं। हिसार में कांग्रेस को 33फीसदी ज्यादा तो बीजेपी को 7.9फीसदी कम वोट मिले। करनाल में भी कांग्रेस का वोट 18फीसदी बढ़ा जबकि भाजपा का 15.1फीसदी कम हुआ। कुरुक्षेत्र में कांग्रेस गठबंधन के 17.9फीसदी वोट बढ़े जबकि बीजेपी के 11फीसदी कम हुए। रोहतक में 16.4त्न वोट बढ़े तो बीजेपी के 11.9फीसदी वोट कम हुए। सिरसा में कांग्रेस के 24.7 प्रतिशत वोट बढ़े तो बीजेपी के 17.8फीसदी कम हुए। सोनीपत में कांग्रेस के 11.4फीसदी वोट बढ़े तो बीजेपी के 5.1 प्रतिशत वोट कम हुए। यहीं रुझान तमाम विधानसभा क्षेत्रों में भी देखने को मिला। इससे जनता के रुझान और राजनीतिक लहर का पता चलता है। हुड्डा ने कहा कि जनता विधानसभा चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रही है ताकि बीजेपी को सत्ता से बेदखल कर कांग्रेस की सरकार बनाई जा सके। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा लोकसभा चुनाव में करारी हार और विधानसभा चुनाव में सुपड़ा साफ होते देख अब बीजेपी को 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट की याद आई है। जबकि कांग्रेस सरकार ने इस योजना को शुरू किया था और लगभग चार लाख गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों को 100 गज के मुफ्त प्लॉट बांटे गए थे। कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश के 7 लाख से ज्यादा परिवारों को यह प्लॉट देने की योजना बनाई थी। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही इस योजना को बंद कर दिया। इसी वजह से कांग्रेस द्वारा अलॉट किए गए कुछ प्लॉट्स का कब्जा लाभार्थी परिवारों को नहीं मिल पाया। 10 साल तक बीजेपी ने लाभार्थियों को प्लॉट से वंचित रखा। इस योजना को बंद करके बीजेपी ने 3 लाख से ज्यादा परिवारों से 100-100 गज के प्लॉट का अधिकार छीन लिया। इसके लिए बीजेपी को तमाम गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों से माफी मांगनी चाहिए।

हुड्डा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर इस योजना को फिर से शुरू किया जाएगा और लाभार्थी परिवारों को 100 गज के प्लॉट पर दो कमरे का पक्का मकान बनाकर दिया जाएगा।

आग लगने से चार दुकानें जलकर राख, लाखों का नुकसान

एजेंसी

औरैया। फफूंद थाना क्षेत्र के नगर स्थित चमनगंज तिराहा पर स्थित देशी शराब ठेका के बगल में बनी एक साइकिल की दुकान में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंची चार दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नगर के तिराहा चमनगंज के पास स्थित शराब के ठेके के बगल में मुहल्ला केशरवानी स्थित हारून खां की साइकिल की दुकान में रात लगभग 9 बजे अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया और आग की ऊंची ऊंची लपटे देख घटना स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और आग की लपटों को देख

आसपास अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने दमकल की गाड़ियों को सूचना दी।

हारून साइकिल वाले ने बताया कि उसकी दुकान पर नई साइकिल और साइकिल रिपेयरिंग के अलावा मोटरसाइकिल रिपेयरिंग, साइकिल व मोटरसाइकिल के नए टायर ट्यूब भी रखे हुए थे जो पूरी तरह जलकर राख हो गये। जिससे उसे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं उसके बगल में शफीक की गैस बैल्डिंग की दुकान थी जिसमें बैल्डिंग के लिए आई फ्रिज रखी थी।

उसके बगल में साजिद खान की डीजे की दुकान थी जिसमें कई स्पीकर, मशीनें तथा डीजे का अन्य सामान रखा था जो जलकर राख हो गया। इसके अलावा साइकिल की दुकान के पीछे टट्टर में शकील की रेडीमेड कपड़े की दुकान थी जिसमें रखा कपड़े का हजारों का माल जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना पर दमकल की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और आनन फानन में कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मगर जब तक आग ने आसपास की गैस बैल्डिंग, डीजे तथा कपड़े की दुकानों को भी अपनी चपेट में लेकर राख कर दिया था। कुछ देर बाद घटना स्थल पर सीओ व तहसीलदार भी पहुंचे और जांच की।

स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक है सिंगापुर

सुख, समृद्धि, संपन्नता, सफाई और सुगंध का पर्याय बन चुका सिंगापुर विश्व के श्रेष्ठ शहरों में से एक माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख से ज्यादा सैलानी यहां घूमने-फिरने आते हैं। सिंगापुर धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केन्द्र भी बनता जा रहा है। यहां पर विभिन्न देशों के लोग बस चुके हैं इनमें काफी भारतीय भी हैं। इसलिए यह आपको अपरिचित सा नहीं लगेगा।

अपने देश की तरह यहां न तो इधर-अधर केले का छिलका या पालिथीन का कोई थैला फेंकें और न ही किसी अन्य प्रकार से कोई गंदगी फैलाएं। जो व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है उसे आर्थिक दंड तो दिया ही जाता है, ऐसा करते हुए टीवी पर भी दिखाया जाता है।

सिंगापुर घूमना चाहते हैं तो आइए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं जूरोंग चिड़ियाघर। विश्व का शायद ही कोई ऐसा पक्षी होगा जिसे आप इस अति विस्तृत चिड़ियाघर में न देखें। यहां लगभग 7500 पक्षी हैं। इनमें से कई पक्षी ऐसे हैं जिनकी आप 8-10 प्रजातियां देख सकते हैं।

क्रोकोडायल फार्म में आप कई तरह के मगरमच्छ देख सकते हैं। यह फार्म जूरोंग चिड़ियाघर के पास ही स्थित है। नाइट सफारी भी एक चिड़ियाघर ही है। जो 45 हेक्टेयर में फैला हुआ है। जानवरों की प्रकृति के अनुरूप 8 भागों में बंटा यह चिड़ियाघर अपने नाम को सार्थक करता हुआ सिर्फ रात में ही खुला रहता है। इस चिड़ियाघर के अंदर घूमने के लिए ट्राम की सुविधा उपलब्ध रहती है। साथ ही साथ गाइड भी उपलब्ध रहता है जो विश्व के विभिन्न भागों से लाए गए तरह-तरह के इन जानवरों के बारे में जानकारियां देता रहता है।

मिंग विलेज भी देखने लायक जगह है। ज्यों-ज्यों मानव समाज आधुनिकता की तरफबढ़ रहा है, त्यों-त्यों ग्रामीण परिवेश और हस्तशिल्प की ओर उसका रुझान भी बढ़ रहा है। क्रोकोडायल फार्म के पास स्थित इस स्थान पर ऐसा ही ग्रामीण परिवेश है और ऐसे ही हस्तशिल्पी भी यहां हैं। ये लोग न सिर्फ अपने हाथों से चीजें बनाते हैं, बल्कि चीनी-मिट्टी के बर्तन वगैरह पर नक्काशी भी करते हैं।

सैंतोसा आइलैण्ड भी जरूर घूमने जाएं। यह सिंगापुर से कुछ दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। हालांकि यहां प्रवेश शुल्क देना पड़ता है लेकिन इसके अलावा कोई अन्य सेवा शुल्क नहीं लिया जाता। यहां का समुद्र तट काफी सुंदर और स्वच्छ है।

यहां का प्रसिद्ध अंडर वाटर वर्ल्ड एशिया का पहला और सबसे बड़ा कृत्रिम समुद्र है। यहां पर आपको सैंकड़ों तरह की मछलियां दिखेंगी, जिनमें सी ड्रैगन नामक एक मछली भी है। ये सारी मछलियां विश्व के अलग-अलग भागों से यहां लाई गई हैं। वोल्कैनोलैण्ड और तितलीघर भी देखने लायक जगह हैं।

किसी भी मौसम में जाएं लुभाता है रानीखेत

यदि आप प्रकृति के सभी अद्भूत नजारों का एक ही स्थान पर आनंद उठाना चाहते हैं तो गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए रानीखेत सबसे बेहतर विकल्प है। यहां दूर-दूर तक रजत मंडित सदृश हिमाच्छदित गगनचुंबी पर्वत, सुंदर घाटियां, चीड़ और देवदार के ऊंचे-ऊंचे पेड़, घना जंगल, फ्लों लताओं से ढके संकरे रास्ते, टेढ़ी-मेढ़ी जलधारा, सुंदर वास्तु कला वाले प्राचीन मंदिर, ऊंची उड़ान भर रहे तरह-तरह के पक्षी.....और शहरी कोलाहल तथा प्रदूषण से दूर ग्रामीण परिवेश का अद्भुत सौंदर्य आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरम पर्वतीय स्थल रानीखेत समुद्र-तल से 1830 मीटर की ऊंचाई पर लगभग 25 वर्ग किलोमीटर में फैला है। कुमाऊं क्षेत्र में पड़ने वाले इस स्थान से लगभग 400 किलोमीटर लंबी हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखला का ज्यादातर भाग दिखता हैं। इन पर्वतों की चोटियां सुबह-दोपहर-शाम अलग-अलग रंग की मालूम पड़ती हैं।

इस पूरे क्षेत्र की मोहक सुंदरता का अनुमान कभी नीदरलैण्ड के राजदूत रहे वान पैलेन्ट के इस कथन से लगाया जा सकता है।'' जिसने रानीखेत को नहीं देखा, उसने भारत को नहीं देखा।'' कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले कोई रानी अपनी यात्रा पर निकली हुई थीं। इस क्षेत्र से गुजरते समय वह यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से मोहित होकर रात्रि-विश्राम के लिए रुकीं। बाद में उन्हें यह स्थान इतना अच्छा लगा कि उन्होंने यहीं पर अपना स्थायी निवास बना लिया।

चूंकि तब इस स्थान पर छोटे-छोटे खेत थे, इसलिए इस स्थान का नाम 'रानीखेत' पड़ गया। अंग्रेजों के शासनकाल में सैनिकों की छावनी के लिए इस क्षेत्र का विकास किया गया। क्योंकि रानीखेत कुमाऊं रेजिमेन्ट का मुख्यालय है, इसलिए यह पूरा क्षेत्र काफी साफ-सुथरा रहता हैं। यहां का बाजार तो अद्भुत है। पहाड़ के उतार (यानी खड़ी चढ़ाई) पर बना हुआ। इसलिए इसे 'खड़ा बाजार' कहा जाता हैं।

घूमने के लिए सही समय

रानीखेत जाने व घूमने के लिए ठंड और बरसात का समय ठीक नहीं रहता। अत: बेहतर होगा कि आप वहां अप्रैल के प्रारंभ से जून के मध्य या सितंबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक के समय में ही जाएं।

अगर आप हवाई जहाज से जाना चाहते हैं, तो पंतनगर के हवाई अड्डे पर उतरना पड़ेगा, क्योंकि यहां का भी निकटतम हवाई अड्डा वही हैं। वहां से रानीखेत की 119 किलोमीटर की दूरी टैक्सी वगैरह से तय करनी पड़ेगी। अगर आप रेलगाड़ी से यात्रा करना चाहते हैं, तो काठगोदाम स्टेशन तक जा सकते हैं, क्योंकि रानीखेत का निकटतम रेलवे स्टेशन वही हैं। वहां से रानीखेत की 84 किलोमीटर की दूरी परिवहन निगम की बस या टैक्सी से तय की जा सकती हैं।

दर्शनीय स्थल

उपत : रानीखेत में शहर से 5 किलोमीटर दूर (अल्मोड़ा जाने वाले रास्ते में) चीड़ के घने जंगल के बीच (6000 फुट की ऊंचाई पर) उपत नामक स्थान पर एक विश्वप्रसिध्द गोल्फ मैदान है। यह प्राय: फिल्मों की शूटिंग होती रहती हैं। कोमल हरी घास का यह सुंदर मैदान नौ छेदों वाला हैं ऐसा मैदान बहुत कम देखने को मिलता है। यह खिलाड़ियों के रहने के लिए एक सुंदर बंगला बन हुआ है, जहां से दूर तक फैले हिमाच्छादित पवत्तों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं।

हेड़ाखान मंदिर : अल्मोड़ा से 6 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान 'चिलियानौला' के नाम से भी जाना जाता हैं। अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण यह स्थान पिकनिक और ट्रैकिंग के लिए काफी उपयुक्त है। फूलों के सुंदर बाग के कारण यहां की रमणीयता और बढ़ जाती हैं। यहां पर साधु हेड़ाखान का मंदिर भी हैं।

हरबेरियम : प्रसिध्द वनस्पति-शास्त्री राम जी लाल द्वारा स्थापित इस हरबेरियम (वनस्पति संग्रहायल) में तरह-तरह की वनस्पतियों व जड़ी-बूटियों का अद्भुत संग्रह प्रदर्शनार्थ रखा गया हैं पूरे भारत में यह अपनी तरह का एक अलग हरबेरियम हैं। चौबटिया- रानीखेत से 10 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एशिया का सबसे बड़ा फलों का बगीचा हैं। यहां दर्जनों तरह के फ्लों के पेड़ हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक गद्द हो उठते हैं। यहां सरकार द्वारा स्थापित विशाल फल संरक्षण केंद्र भी देखने लायक हैं। यह स्थान एक सुंदर पिकनिक स्थल भी हैं। इसके पास ही अगल-बगल तीन जल-स्त्रोत भी हैं, जो इस पूरे स्थान के प्राकृतिक वैभव को और अधिक बढ़ा देते हैं।

शीलतखेत : रानीखेत से 35 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान अब एक अच्छे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित हो रहा हैं। यहां से हिमाच्छादित के सुंदर दृश्यों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से नीचे का नजारा अत्यंत लुभावना दिखता हैं।

कसौली ये वादियां ये फिजाएं

कसौली यानी हिमाचल प्रदेश का ऐसा हिल स्टेशन, जो अपनी खुशनुमा आबोहवा के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय है। प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी अधिक ऊंचाई (3,647 मीटर) पर स्थित कसौली शिमला वाली भीड़ से तो दूर है ही, पल-पल में बदलने वाली यहां की हवा इसे और खास बना देती है। अपनी खूबियों के लिए टाइम मैगजीन में भी एशिया के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन का दर्जा पा लेने वाले कसौली है।

यहां देखते-देखते हवा बदलने लगती है और बादलों का समूह पलभर में ही धूप के नीचे छाकर बरस पड़ता है। दूसरे ही पल मौसम साफऔर चारों तरफसे तन-मन को रोमांचित करने वाली खुशनुमा हवा छूने लगती है। चाहे आप यहां के मंकी प्वाइंट पर हों या क्राइस्ट चर्च के बाहर, बस अड्डे पर हों या माल रोड पर, हनुमान मंदिर में हों या साईं बाबा मंदिर में, हर जगह पल भर में मन को तारोताजा कर देने वाली मनमोहक हवा आपको रोमांच से भर देगी। बल्कि यूं कहें कि कसौली पहुंचने से दो-तीन किलोमीटर पहले से आपको कसौली के क्षेत्र में प्रवेश करने का अहसास हो जाएगा। जी हां, ऐसा है हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित हिल स्टेशन कसौली का जादू। यूं तो यहां लोग साल भर आते रहते हैं, लेकिन अप्रैल से जून और सितम्बर से नवम्बर के बीच यहां अधिक पर्यटक आते हैं। इस बीच कसौली के मौसम के अनेक रंग देखने को मिल जाते हैं। कभी थोड़ी धूप, कभी थोड़े बादल और कभी हल्की-हल्की बारिश की बूंदें। यहां के पेड़-पौधों पर इस मौसम का जो रंग चढ़ता है, उसे फूल-पत्तों पर महसूस किया जा सकता है। बर्फ का आनन्द उठाने की चाह रखने वाले पर्यटकों को यहां दिसम्बर से फरवरी के बीच होने वाली ओस जैसी बर्फकी बारिश खूब गुदगुदाती है। लेखक-कलाकार को तो यहां बारिश का मौसम (जुलाई-अगस्त) और भी ऊंची उड़ानें भरने के लिए प्रेरित करता है।

कसौली के नाम के बारे में कई कहानियां हैं। इसके लिए हमें 17वीं शताब्दी में जाना पड़ता है। कहा जाता है कि रेवाड़ी के कुछ राजपूत परिवार हिमालय की तलहटी में बसे कसुल नामक छोटे-से गांव में आ बसे थे। बाद में यही गांव समय के साथ कसौली के रूप में स्थापित हो गया। दूसरी कहानी के अनुसार, जाबली के पास कौसल्या नामक एक पहाड़ी जलधारा है। इस कारण इस जगह का नाम कसौली पड़ा। इस जगह के नाम के चाहे जितने किस्से हों, लेकिन विशेषताओं की चर्चा एक ही है और वह है एक बेहद आकर्षक हिल स्टेशन, जहां बीमारी के बाद लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जाते हैं और जहां की हवा रचनात्मक लोगों को रचना कर्म के लिए प्रेरित करती रहती है। शायद यही वजह थी कि अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में व्यवस्थित रूप से विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

यहां आने वाले पर्यटकों में यहां की कुछ प्रमुख जगहें आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं। इनमें कसौली की सबसे ऊंची जगह मंकी प्वाइंट, मंकी प्वाइंट पर बना हनुमान मंदिर, कसौली के कोलोनियल आर्किटेक्ट की मिसाल क्राइस्ट बैप्टिस्ट चर्च, बाबा बालक नाथ मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर, एयरफोर्स गार्ड स्टेशन, एशिया का सबसे ऊंचा टीवी टावर और नजदीक ही सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्राचीन स्कूल हैं, जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। मंकी प्वाइंट यहां की सर्वाधिक लोकप्रिय जगह है। कहते हैं कि भगवान हनुमान ने लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने जाते वक्त छलांग के पूर्व कसौली के इस प्वाइंट पर कदम रखे थे। कसौली के सबसे ऊंचे इस प्वाइंट पर हनुमान मंदिर भी है, जहां श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रहती है। मनोरम दृश्यों के दीवानों को यहां से कसौली की वादियों का नजारा देख कर रोमांचित होते खूब देखा जा सकता है।

यहां अंग्रेजों द्वारा 1880 में स्थापित कसौली क्लब भी अपने आप में एक देखने की जगह है। देश के नामचीन क्लबों में शामिल इस क्लब की सदस्यता के लिए 20 सालों की वेटिंग चलती है।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : कसौली का नजदीकी हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है, जो कसौली से 65 किलोमीटर है। दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए दिन भर में अनेक उड़ानें हैं। इंडियन एयरलाइन्स, किंगफिशर, जेट एयर, जेट लाइट की उड़ानें प्रतिदिन हैं।

रेल मार्ग : दिल्ली से कालका के लिए दिनभर में पांच गाड़ियां हैं। हिमालयन क्वीन, कालका शताब्दी, पश्चिम एक्सप्रेस और हावड़ा-दिल्ली-कालका मेल से आप कालका तक पहुंच सकते हैं। उसके आगे कालका से शिमला लाइन पर आप धर्मपुर स्टेशन तक ट्रेन से जा सकते हैं। चाहे कालका शिमला पैसेंजर लें या कालका शिमला एक्सप्रेस या अन्य गाड़ियां, पहाड़ियों की खूबसूरती का नजारा करते हुए आप लगभग डेढ़ घंटे में (लगभग 33 किलोमीटर) धमज़पुर पहुंच जाएंगे। वहां से हिमाचल रोडवेज की बस या टैक्सी लेकर कसौली तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

सड़क मार्ग: दिल्ली से कसौली की दूरी 264 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और कालका से यह क्रमश: 67 व 35 किलोमीटर है। दिल्ली से कश्मीरी गेट बस अड्डे से हिमाचल रोडवेज की बस लेकर धर्मपुर तक पहुंच सकते हैं। वहां से लोकल बस और टैक्सियां मिल जाएंगी। चंडीगढ़ से भी नियमित बसें हैं।

कहां ठहरें

कसौली की लोकप्रियता को देखते हुए यहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां दर्जनों अच्छे होटल, रिजॉर्ट, गेस्ट हाउस हैं। हिमाचल टूरिज्म का भी एक हेरिटेज होटल है, जिसका नाम है द रोज कॉमन। यहां डीबीआर (डबल बेडरूम) डीलक्स का चार्ज 2200 रुपए है, जबकि डीबीआर कोजी डीलक्स का 2500 व कसौली सूइट्स का चार्ज 3500 रुपए है। यहां चार बिस्तरों वाले भी दो कमरे हैं, जिनका किराया प्रति कमरा 2000 रुपए है। सीजन में बुकिंग कम-से-कम एक महीना पहले करानी चाहिए। इसके अलावा होटल शिवालिक, होटल आंचल, होटल ब्रॉडवे, सूर्य रॉक रोज रिजॉर्ट, बैकुंठ रिजॉर्ट, द ब्लिस रिजॉर्ट, बर्डस व्यू रिजॉर्ट, हेमकुंठ रिजॉर्ट, ब्लॉसम रिजॉर्ट, कसौली कैसल रिजॉर्ट, कसौली रीजेंसी आदि प्रमुख हैं। यहां अनेक होम स्टे भी हैं, जहां सस्ते कमरे मिल जाते हैं। कसौली और उसके आसपास ही एक दर्जन से अधिक होम स्टे हैं, जो हिमाचल टूरिज्म द्वारा पंजीकृत हैं।

पाकिस्तान की सात विकेट से जीत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। टी20 विश्व कप 2024 का 22वां मुकाबला पाकिस्तान ने कनाडा के खिलाफ सात विकेट से जीतकर खुद को सुपर-8 की दौड़ में बरकरार रखा है। इस जीत के साथ बाबर आजम की टीम के नेट रनरेट में सुधार हुआ है। अब उनका नेट रनरेट +0.191 हो गया है। वहीं, टीम दो अंकों के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान को अपना अगला मैच आयरलैंड के खिलाफ खेलना है। 16 जून को यह मुकाबला लॉडरहिल में खेला जाएगा जिसमें पाकिस्तान को बड़े अंतर से हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में शीर्ष पर चार अंकों के साथ भारत बना हुआ है। वहीं, अमेरिका चार अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। दोनों टीमें 12 जून को भिड़ेंगी। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडा ने आरोन जोन्स की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट पर 106 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान की 53 रनों की नाबाद पारी की बदौलत 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन बनाए। पाकिस्तान की यह मौजूदा टूर्नामेंट में पहली जीत है।

यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष पर, ज्वेरेव चौथे स्थान पर

पेरिस। इटली के यानिक सिनर ने जारी एटीपी रैंकिंग में चोटिल नोवाक जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया। सिनर एक पायदान के फायदे से पहले नंबर पर पहुंचे। इस तरह 22 साल के सिनर 1973 में शुरू हुई कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग के बाद पहले नंबर पर काबिज होने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। उन्हें एक जुलाई से शुरू होने वाले विम्बलडन में शीर्ष वरीयता मिलेगी। सिनर ने इस सत्र में तीन खिताब जीते जिसमें जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी शामिल है। कार्लोस अल्काराज तीसरे ग्रैंडस्लैम की बदौलत रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे जबकि जोकोविच तीसरे और एलेक्जैंडर ज्वेरेव चौथे स्थान पर हैं। अल्काराज ने ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। महिलाओं के वर्ग में इगा स्वियातेक रोलां गैरों पर लगातार तीसरी ट्राफी (पांच मेजर खिताब) की बदौलत डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहले स्थान पर अपनी बढ़त बढ़ाने में सफल रहीं। अमेरिका की 20 वर्षीय कोको गॉफ तीसरे नंबर से दूसरे नंबर पर पहुंची जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वह फ्रेंच ओपन एकल के सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन स्वियातेक से हार गयीं। गॉफ ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर पहला ग्रैंडस्लैम युगल खिताब अपने नाम किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन आर्यना सबालेंका दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गयीं। 2022 विम्बलडन विजेता एलीना रिबाकिना चौथे स्थान पर हैं।

आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

नई दिल्ली। ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है। छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें।आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों।

अकादमी को एआईएफएफ का सर्वश्रेष्ठ ग्रासरूट सेंटर पुरस्कार मिला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल की फुटबॉल अकादमी Academy के युवा प्रतिभाओं को निखारने और केंद्र शासित प्रदेश में जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास को बढ़ावा देने के असाधारण प्रयासों और समर्पण को मान्यता देते हुए, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने अकादमी को 2023-24 के लिए सर्वश्रेष्ठ ग्रासरूट सेंटर का पुरस्कार दिया है।एआईएफएफ ने प्रतिष्ठित एआईएफएफ ब्लू क्यूब्स डेवलपमेंट सेंटर पहल के लिए जेकेएससी की फुटबॉल अकादमी का भी चयन किया है, जो जमीनी स्तर पर फुटबॉल प्रतिभाओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अकादमी की गतिविधियों और उपलब्धियों को और सुव्यवस्थित करेगा।विशेष रूप से, एआईएफएफ ब्लू क्यूब्स डेवलपमेंट सेंटर पहल युवा फुटबॉलरों को निखारने, उन्हें कम उम्र से ही पेशेवर प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान करने का प्रयास करती है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले दूसरे पाकिस्तानी गेंदबाज बने हारिस राउफ

एजेंसी

न्यूयॉर्क। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिये हैं। उन्होंने यह उपलब्धि नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा के खिलाफ हासिल की। कनाडा के खिलाफ मैच में राउफ ने अपने चार ओवर के स्पेल में 26 रन देकर 2 विकेट लिये। जिससे उनके कुल 71 मैचों में 101 विकेट हो गए। श्रेयस मोव्वा क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में उनका 100वां विकेट था, जबकि रविंदरपाल सिंह उनके 101वें शिकार बने। वह तीन अंकों की उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ दूसरे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। ऑलराउंडर शादाब खान यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे। उन्होंने मेन इन ग्रीन के लिए 103 मैचों में 107 विकेट लिए

हैं। कुल मिलाकर, राउफ 100 विकेट के मील के पत्थर तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं। उनसे आगे केवल अफगानिस्तान और श्रीलंका के कप्तान राशिद खान और वानिंदु हसरंगा हैं। राशिद ने 53 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि हसरंगा ने 63 मैचों में 100 विकेट का आंकड़ा छुआ।

पेरिस ओलंपिक टेनिस: रोहन बोपन्ना, सुमित नागल ने भारत के लिए कोटा हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने क्रमशः युगल और एकल प्रतियोगिता में एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) रैंकिंग के जरिए भारत के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 कोटा हासिल कर लिया है।टेनिस के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन विंडो सोमवार को समाप्त हो गई और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी बोपन्ना ने आराम से अपना कोटा हासिल कर लिया, जो पिछले साल नवंबर से युगल प्रतियोगिता के शीर्ष 10 में शामिल हैं। पिछले हफ्ते एकल रैंकिंग में 18 स्थानों की छलांग लगाने के बाद नागल ने भी कोटा हासिल किया। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, रविवार को जर्मनी के हीलब्रॉन नेकरकप में एटीपी चैलेंजर खिताब जीतने के बाद नागल 95वें स्थान से करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 77वें स्थान पर पहुंच गए। पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धा में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे। 10 जून को जारी एटीपी रैंकिंग के अनुसार पुरुष एकल स्पर्धा के शीर्ष 56 खिलाड़ियों को अपने कोटा मिल गए हैं। प्रत्येक देश अधिकतम चार कोटा हासिल कर सकता है। फ्रांस के पास मेजबान देश के तौर पर एक कोटा स्थान आरक्षित था, ताकि अगर उनका कोई भी खिलाड़ी रैंकिंग के ज़रिए ओलंपिक में सीधे स्थान हासिल न कर पाए तो उसे यह स्थान मिल सके। लेकिन चूंकि फ्रांस ने अपनी रैंकिंग के ज़रिए सभी चार पुरुष एकल कोटा हासिल कर लिए थे, इसलिए मेजबान देश के कोटे को पूल में वापस जोड़ दिया गया और कट-ऑफ 56 से बढ़कर 57 खिलाड़ी हो गया।

टी-20 विश्व कप: श्रीलंका-नेपाल मैच बारिश के कारण रद्द, दक्षिण अफ्रीका सुपर 8 में

एजेंसी

फ्लोरिडा। बुधवार को फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में श्रीलंका और नेपाल के बीच टी 20 विश्व कप 2024 मैच में बारिश के कारण बिना टॉस के रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों को इस मैच से एक-एक अंक मिला। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है।

श्रीलंका के सुपर 8 की संभावनाओं को लगा झटका

इस बारिश से श्रीलंका को सबसे ज्यादा नुकसान होगा क्योंकि उनके सुपर आठ क्वालीफिकेशन की संभावनाएँ खतरे में हैं। श्रीलंका अपने पहले दो मैच हारने और इस मैच के रद्द होने के बाद ग्रुप डी अंक तालिका में सबसे नीचे है, जबकि

नेपाल केवल एक मैच हारने के कारण चौथे स्थान पर है।श्रीलंका को अब नीदरलैंड के खिलाफ अपना अंतिम मैच जीतना होगा। लेकिन, उनकी किस्मत उनके हाथ में नहीं है क्योंकि अब बांग्लादेश को नेपाल और नीदरलैंड दोनों से हारना होगा।

जब नेपाल के लिए क्वालीफिकेशन परिदृश्य की बात आती है, तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश दोनों को हराना होगा और उम्मीद करनी होगी कि नीदरलैंड अपने अगले दो मैच हार जाए। इन दोनों टीमों के लिए आगे की राह कठिन है।

फ्लोरिडा में होने वाले अन्य मैचों पर भी है बारिश का खतरा

फ्लोरिडा में तीन और मैच होने हैं, लेकिन उनके लिए भी स्थिति अच्छी नहीं लग रही है। फ्लोरिडा में पूरे सप्ताह बारिश और आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की गई है। यूएसए शुक्रवार को इस मैदान पर आयरलैंड की मेज़बानी करेगा और उसके बाद 15 तारीख को भारत बनाम कनाडा और 16 तारीख को पाकिस्तान बनाम आयरलैंड का मैच होगा।

खो-खो में जोन गुंडना ने अस्सर को हराया; बट्यास कबड्डी टीम ने ठाठरी को हराया

एजेंसी

डोडा। स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में आयोजित जिला स्तरीय अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट के चौथे दिन विभिन्न जोन की टीमों ने कबड्डी, खो-खो और अन्य खेलों में कड़ी प्रतिस्पर्धा की।

इस आयोजन में जिला डोडा के 10 विभिन्न जोन के 320 से अधिक उत्साही छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिन्होंने एथलेटिक्स और टीम वर्क का शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 गर्ल्स खो-खो में फाइनल मैच में जोन गुंडना और अस्सर के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। जोन गुंडना ने असाधारण कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए अस्सर को 2 अंकों के करीबी अंतर से हराया। कबड्डी के फाइनल मैच में भट्यास और ठाठरी की टीमें भिड़ीं जिसमें दोनों पक्षों ने जोरदार मुकाबला किया। हालांकि भट्यास की टीम ने अपनी ताकत और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए ठाठरी पर 13 अंकों की उल्लेखनीय बढ़त से निर्णायक जीत हासिल की।

इन मैचों में कड़ी प्रतिस्पर्धा, असाधारण खेल भावना और प्रतिभागियों तथा दर्शकों दोनों से ही उत्साहपूर्ण समर्थन देखने को मिला। प्रत्येक टीम ने सराहनीय समर्पण, कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया जिससे यह आयोजन खेल भावना और एथलेटिक उत्कृष्टता का एक यादगार उत्सव बन गया।

भारत फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफिकेशन दौड़ से बाहर, कतर ने 2-1 से हराया

एजेंसी

दोहा। फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन में भारत का अभियान विवादास्पद तरीके से समाप्त हो गया, जब कतर ने मंगलवार रात दोहा के जसीम बिन हमद स्टेडियम में विश्व कप क्वालीफायर दूसरे दौर के ग्रुप ए मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल की। भारत ने खेल के 72वें मिनट तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन कतर ने यूसुफ अयमन के विवादास्पद गोल की बदौलत बराबरी हासिल कर ली। बासम अल-रवी ने खेल के अंतिम मिनटों में एक और गोल करके अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी और क्वालीफिकेशन की दौड़ में इगोर स्टिमक की टीम का सफर खत्म कर दिया। कतर ने भारत के डिफेंसिव बॉक्स में शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन राहुल भेके ने खतरे का अनुमान लगाया और कॉर्नर के लिए गेंद को क्लीयर किया। कॉर्नर किक के नज़दीक पोस्ट की ओर डिलीवर होने के बाद मोहियालदीन ने गेंद को फ्लिक किया

लेकिन कप्तान गुरप्रीत ने उसे बचा लिया। भारतीय टीम को गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा, खासकर मिडफ़ील्ड क्षेत्र में। गतिरोध को तोड़ने का कतर के लिए सुनहरा मौका 12वें मिनट में आया जब गौडा ने दाएं फ़्लैंक पर एक बेहतरीन टच बनाया और जय गुप्ता को दूर धकेल दिया। उन्होंने बॉक्स के अंदर अपना रास्ता बनाया और कटबैक पास हासिल किया। अलरावी ने पहली बार शॉट लिया लेकिन मेहताब सिंह ने शानदार बचाव कर कतर का यह प्रयास असफल कर दिया। मैच के 37वें मिनट में लालियांज़ुआला छांगटे ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हॉफ की समाप्ति पर भारत 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने मैदान पर थोड़ी लापरवाही बरती। हाफ की शुरुआत में ही उन्होंने दो बार गेंद खो दी, जिससे कतर को खेल को बराबर करने का मौका मिल गया। खेल खत्म होने में लगभग 20 मिनट बचे थे, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त को बढ़ाने के बजाय उसे बचाने की कोशिश की। कतर ने विवादास्पद गोल के बाद खेल को बराबर कर दिया। यूसुफ अयमन ने 75वें मिनट में नेट के पीछे से गोल मारा। गुरप्रीत द्वारा अयमन के हेडर को बचाए जाने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लगा कि गेंद खेल से बाहर चली गई है।

रेफरी की सीटी नहीं बजी और भारतीय खिलाड़ियों ने विरोध करना शुरू कर दिया। वीडियो असिस्टेंट रेफरी की अनुपस्थिति में रेफरी ने असिस्टेंट रेफरी से सलाह ली। गोल तो दे दिया गया लेकिन रीप्ले में साफ दिख रहा था कि गेंद खेल से बाहर चली गई थी। भारत की रात तब और खराब हो गई जब 85वें मिनट में बासम अल-रवी ने गुरप्रीत को छकाते हुए गोल किया और कतर को 2-1 की बढ़त दिला दी।

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत दिसंबर 2025 में होने वाले पहले जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के कार्यकारी बोर्ड ने भारत को जूनियर हॉकी विश्व कप के मेजबान के रूप में नामित किया। यह पहली बार होगा जब एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल होंगी। हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति के अनुसार, एफआईएच के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा, अधिक संख्या में राष्ट्रीय संघों को खेलने के अधिक अवसर देना हमारी सशक्तिकरण और जुड़ाव रणनीति के प्रमुख स्तंभों में से एक है। हमने इस साल ओमान में एफआईएच हॉकी विश्व कप में देखा कि कैसे अधिक विविधता हमारे आयोजनों में एक बड़ा अतिरिक्त मूल्य लाती है। इकराम ने कहा, इसलिए, मुझे बहुत खुशी है कि हमने एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिए भाग लेने वाली टीमों की संख्या बढ़ा दी है और मैं अगले साल हमारे खेल के भविष्य का प्रतिनिधित्व करने वाली इन 24 युवा टीमों को देखने के लिए उत्सुक हूं! इस स्तर पर, मैं एक और शानदार आयोजन आयोजित करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए हॉकी इंडिया के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं! हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हमें खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी के लिए भारत को चुना है। हम इस टूर्नामेंट की जिम्मेदारी हमें सौंपने के लिए एफआईएच और एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम को अपना हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए खेल को विकसित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम भारत के समृद्ध हॉकी इतिहास को साझा करने और युवा प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, और हम एफआईएच के हम पर भरोसे की सराहना करते हैं।

बंगाल प्रो टी20 लीग: सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरुआत

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल प्रो टी 20 लीग के उद्घाटन मुकाबले में देर रात सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने एक लो स्कोरिंग मुकाबले में हार्बर डायमंड्स को 8 रन से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्ट्राइकर्स की टीम 20 ओवरों में महज 141 रन ही बना सकी, जवाब में डायमंड्स की टीम बादल सिंह बलियान की 22 गेंदों में 37 रनों की पारी के बावजूद टीम महज 133 रन ही बना सकी।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सिलीगुड़ी टीम की शुरुआत काफी खराब रही और उसने दूसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज अभिषेक रमन का विकेट खो दिया। जिसके बाद अंकुर पाल और विशाल भाटी ने 38 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला, लेकिन पावरप्ले खत्म होते होते टीम ने अपना दूसरा सलामी बल्लेबाज भी खो दिया। एक समय टीम का स्कोर 11 ओवर में 81 रन पर 5 विकेट था। यहां से विकास सिंह और शांतनु ने एक संभली हुई पारी खेलते हुए स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। आकाश दीप भी कुछ खास कमाल नहीं कर

पाए और टीम 19.3 में ओवरों में 141 रन ही बना सकी। 142 रनों का पीछा करने उतरी हार्बर डायमंड्स को पहला झटका दूसरे ओवर में सायन मंडल के रूप में लगा जो सिर्फ 4 रन ही बना सके। टीम ने चौथे ओवर में अपना दूसरा विकेट भी खो दिया।डायमंड्स की शुरुआत काफी धीमी रही और वह पहले 10 ओवर में सिर्फ 64 रन ही बना सकी। टीम की स्थिति तब और खराब हो गई जब 13वें और 14वें ओवर में उन्हें लगातार 2 और विकेट खो दिये। हालांकि बादल एक छोर पर मजबूती के साथ मुस्तैद थे।कप्तान मनोज तिवारी भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाए और 13 गेंदों में मात्र 4 रन ही बना सके। आखिरी ओवर में डायमंड्स को 6 गेंदों में 17 रनों की जरूरत थी और जैसे ही बादल ने गेंद को सीमा रेखा पार कराने की कोशिश की वो अपना विकेट दे बैठे और टीम लक्ष्य से 9 रन पीछे रह गई।

चेन्नईयिन एफसी ने कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मार जॉर्डन गिल के साथ किया करार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने 2024-25 सीज़न से पहले कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल के साथ करार किया है। विल्मर ने 2022 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ आईएसएल में पदार्पण किया। इसके बाद उन्होंने अगले सीजन में आईएसएल में पदार्पण करने वाले पंजाब एफसी के साथ अपना शानदार सफर जारी रखा, जिसमें उन्होंने 15 मैचों में आठ गोल किए।

दो बार के आईएसएल विजेता चेन्नईयिन में शामिल होने पर जॉर्डन ने कहा, मैं इस बेहतरीन क्लब और टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं और मुझे दिए गए इस शानदार अवसर के लिए निर्देशकों और कोच का बहुत आभारी हूं। मैंने हमेशा चेन्नई में खेलने का सपना देखा है और अब मुझे यह खूबसूरत मौका मिला है। बहुत मेहनत, विनम्रता और त्याग के साथ, हम अपने लिए निर्धारित सभी उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं और खिताब जीत सकते हैं। चेन्नईयिन के साथ एक साल के करार पर जुड़े जॉर्डन के आने से क्लब की 2024-25 सत्र के लिए पांचवीं साइनिंग और एल्सिन्हो डायस और चीमा चुकू के बाद उनका तीसरा विदेशी

अधिग्रहण हुआ है। क्लब ने पहले कप्तान रयान एडवर्ड्स के करार विस्तार की घोषणा की थी। करार पर कोच ओवेन कॉयल ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, विल्मर का करियर शानदार रहा है और उन्होंने हर जगह गोल किए हैं। नॉर्थईस्ट और लीग और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने वेनेजुएला में मोनागास के साथ अपने वरिष्ठ करियर की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने 35 मैच खेले और 20 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर के रूप में उभरे।

पेरिस ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। सीनियर चयन समिति की वर्चुअल बैठक के बाद नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने पेरिस ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा कर दी। महिला पिस्टल दिग्गज और अब दूसरी बार ओलंपिक में भाग लेने वालीं मनु भाकर एकमात्र निशानेबाज़ होंगी जो एक से अधिक व्यक्तिगत स्पर्धाओं, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। टीम में राइफल स्पर्धा में आठ और पिस्टल स्पर्धा में सात निशानेबाज हैं। कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ टीम के सभी सदस्य इस समय फ्रांस के वोल्मेरेंज-लेस-माइंस में एक शिविर में हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य घर वापस आने के पश्चात दो सप्ताह का ब्रेक लेने से पहले अनुकूलन और कठिन प्रशिक्षण करना है। टीम चयन पर एनआरएआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, चयन समिति ने बैठक की और विस्तार से विचार-विमर्श किया। विस्तार से विचार-विमर्श करने के बाद, हमें लगता है कि हमने योग्यता के अनुसार और नीति पर कायम रहते हुए मौजूदा फॉर्म में सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया है। हमें विश्वास है कि टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए सब कुछ तैयार कर लिया गया है। राइफल और पिस्टल में हमारी गहराई को देखते हुए, कुछ बहुत अच्छे निशानेबाज टीम का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, उनके पास वापसी का मौका रहेगा। हम टीम को शुभकामनाएं देते हैं। भारत ने आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए निशानेबाजी में 21 कोटा अर्जित किए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। पदक के सभी 16 संभावित शॉट्स के अलावा, आठ व्यक्तिगत राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में, भारत के पास चार व्यक्तिगत शॉटगन स्पर्धाओं में रिकॉर्ड पांच कोटा हैं। इसके अलावा, भारत पांच मिश्रित टीमें भी उतारेगा, जिसमें राइफल और पिस्टल में दो-दो और शॉटगन में एक टीम होगी। मौजूदा लोनाटो इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के तुरंत बाद शॉटगन टीम की भी घोषणा की जाएगी। एनआरएआई आईएसएसएफ नियमों के अनुसार उचित रूप से मनु के दो आयोजनों में जगह बनाने के कारण खाली हुए अतिरिक्त कोटा स्थान का आदान-प्रदान करने पर भी विचार कर रहा है।

पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय राइफल और पिस्टल टीम:

राइफल

संदीप सिंह, अर्जुन बबूटा (10 मीटर एयर राइफल पुरुष)

एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल महिला)

सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला)

ऐश्वर्या तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष)।

पिस्टल

सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष)

मनु भाकर, रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल महिला)

अनीश भनवाल, विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी पुरुष)

मनु भाकर, ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल महिला)।

ऑस्ट्रेलिया ने जीत की हैट्रिक के साथ सुपर-8 में की धांसू एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 24वें मैच में नामीबिया को एकतरफा अंदाज में 9 विकेट से रौंद दिया। इसी के साथ मिचेल मार्श के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत की हैट्रिक लगाई और सुपर-8 राउंड में क्वालीफाई किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका के बाद सुपर-8 राउंड में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी। एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 17 ओवर में 72 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने महज 5.4 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। कंगारू टीम ने 86 गेंदें शेष रहते हुए 9 विकेट से मैच जीता। ऑस्ट्रेलिया की यह मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उसने ओमान और इंग्लैंड को शिकस्त दी थी।

34 गेंदों में जीत गया ऑस्ट्रेलिया

73 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को डेविड वॉर्नर (20) और ट्रेविस हेड (18*) ने तूफानी शुरुआत दिलाई। वॉर्नर को डेविड वीज ने ट्रंपलमैन के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन लौटाया। वॉर्नर के आउट होने के बाद ट्रेविस हेड ने अपना आक्रामक रुख अख्तियार किया और 17 गेंदों में पांच चौके व दो छक्के की मदद से नाबाद 34 रन बनाए। कप्तान मिचेल मार्श ने 9 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 18 रन बनाए।

दिगांगना सूर्यवंशी

के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत, 26 साल की एक्ट्रेस पर लगाए गए हैं झूठे इल्जाम?

बॉलीवुड की लेजेंड्री एक्ट्रेस जीनत अमान वेब सीरीज 'शोस्टॉपर' से अपना कमबैक करने जा रही थीं. लेकिन पैसों की तंगी की वजह से इस सीरीज का काम बीच में ही रोक दिया गया था. हाल ही में शो के प्रोड्यूसर और निर्देशक मनीष हरिशंकर ने एक मीडिया पोर्टल से की बातचीत में कहा है कि सीरीज का काम बंद नहीं हुआ है. फिलहाल इस सीरीज पर पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है.

एक्टर्स से लेकर प्रोडक्शन-क्रू मेंबर्स तक, सभी को उनकी 90-95 फीस दी गई है. इस दौरान उन्होंने एक बड़ा खुलासा करते हुए ये भी कहा कि उन्होंने एक्ट्रेस दिगांगना सूर्यवंशी के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'शोस्टॉपर' के मेकर्स ने दिगंगना सूर्यवंशी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 406 के तहत पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है. एमएच फिल्म्स की तरफ से दिगांगना के साथ-साथ उनकी फैशन डिजाइनर कृष्णा परमार और एक्टर राकेश बेदी को भी नोटिस जारी किया गया है.

इस शिकायत के मुताबिक दिगंगना ने प्रोड्यूसर को ये विश्वास दिलाया था कि वो और अक्षय कुमार इस प्रोजेक्ट में बतौर प्रेजेंटर काम करेंगे. तो लीगल नोटिस में राकेश बेदी और कृष्णा पर मेकर्स ने, उनके बारे में झूठीं खबरें फैला कर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया गया है.

दिगांगना सूर्यवंशी ने अक्षय कुमार के नाम पर लिए 6 करोड़

मनीष हरिशंकर की ओर से दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक, दिगांगना ने मेकर्स के साथ पहले एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) साइन किया था. इस सौदे में, अक्षय कुमार और दिगांगना सूर्यवंशी को इस सीरीज का प्रेजेंटर बनने की अनुमति दी गई थी. दिगांगना ने ये डील करते समय खुद के लिए 75 लाख और अक्षय कुमार के नाम पर 6 करोड़ रुपये मांगे थे.

दिगांगना ने दी धमकी

निर्देशक मनीष हरिशंकर की वकील फाल्गुनी ब्रह्मभट्ट का कहना है कि दिगांगना उनसे बहुत सारा पैसा वसूलना चाहती थीं. एक्ट्रेस ने ये धमकी भी दी थी कि अगर उन्हें पैसे नहीं दिए गए तो हरिशंकर को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. इस धमकी के बारे में फाल्गुनी ने पुलिस को सूचित करते हुए इस पूरे मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है.

झूठे हैं दिगांगना पर लगे आरोप ?

हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का मानना है कि दिगांगना सूर्यवंशी पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हो सकते हैं. उनकी तरफ से कहा जा रहा है कि मनीष हरिशंकर ने दिगांगना को अब तक कोई पैसे नहीं दिए हैं. और फिर भी वे एक्ट्रेस पर धोखाधड़ी का आरोप लगा रहे हैं. जब कोई व्यक्ति दूसरे से पैसे लेता है और अपना वादा पूरा नहीं करता तो इसे धोखाधड़ी कहा जाता है. मनीष हरिशंकर जिस डील की बात कर रहे हैं वह पूरी तरह से गलत है.

मनीष हरिशंकर ने शोस्टॉपर के एक्टर्स दिगांगना सूर्यवंशी, राकेश बेदी, अश्मित जोशी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है. क्योंकि अब वे इन्वेस्टर्स के पैसे वापस नहीं करना चाहते हैं. इस सीरीज का काम दो साल से रुका हुआ है. मनीष हरिशंकर शो की मार्केटिंग ठीक से नहीं हो पाई. और दिगांगना के पास मनीष के खिलाफ इन बातों का सबूत भी हैं.

धमाल 4 में अजय देवगन के साथ होंगे ये 6 एक्टर्स, शूटिंग डेट भी हो गई लॉक

पिछले 17 सालों में 'धमाल' हिंदी सिनेमा की सबसे लंबी चलने वाली फ्रैंचाइजी में से एक साबित हुई है. साल 2019 में डायरेक्टर इंद्र कुमार ने अजय देवगन, अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी के साथ 'टोटल धमाल' बनाई थी, जो एक बड़ी हिट साबित हुई थी. अब इंद्र कुमार 'धमाल 4' लाने की तैयार कर रहे हैं. इसके लिए उन्होंने स्टारकास्ट भी फाइनल कर ली है.रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धमाल 4' को भूषण कुमार प्रोड्यूस करेंगे. खास बात ये है कि इस बार अजय देवगन , अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी फिल्म की पूरी कास्ट कमबैक करने वाली है. ये फिल्म इसी साल के आखिर तक फ्लोर पर आएगी. फिल्म की तैयारियों का काम जोरों पर चल रहा है और 'धमाल 4' इस फ्रैंचाइज़ी की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है.

अब एक अलग दुनिया

जहां 'टोटल धमाल' में जंगल एडवेंचर देखने को मिला था. वहीं इस बार इंद्र कुमार 'धमाल 4' के लिए अजय देवगन के साथ मिलकर एक अलग वर्ल्ड बनाने की सोच रहे हैं. बेसिक प्लॉट तय कर लिया गया है, इसके साथ ही टीम नए विजुअल को डिजाइन करने का काम भी कर रही है. बात अगर फिल्म के रिलीज होने की करें, तो कयास लगाए जा रहे हैं कि ये फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

'मस्ती' पर भी काम

इंद्र कुमार की बात करें तो वो सिर्फ 'धमाल 4' पर ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि वो अपनी एक और फिल्म के अगले पार्ट की तैयारी में भी हैं. वो मिलाप मिलन जावेरी को डायरेक्टर के तौर पर लाकर अपनी 'मस्ती' फ्रैंचाइजी को भी फिर से शुरू करना चाहते हैं. हालांकि 'मस्ती' की स्टारकास्ट अभी फाइनल नहीं की गई है. क्योंकि इंद्र कुमार रितेश देशमुख , विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की तिकड़ी के साथ एक स्ट्रॉन्ग टीम को लेने की सोच रहे हैं.

Ankit Tiwari के कॉन्सर्ट में कैमरामैन को आया चक्कर, लाइव शो के बीच सिंगर ने किया कुछ ऐसा, फैंस हुए मुरीद

म्यूजिक इंडस्ट्री के जाने-माने सिंगर अंकित तिवारी ने फिल्मों में एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने गाए हैं। भले ही इन दिनों अंकित अपनी आवाज का जादू फिल्मों में न बिखेर रहे हो, लेकिन लगातार वह लाइव परफॉर्मेंस करते रहते हैं।उनकी आवाज सुनने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। इस बीच सिंगर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें उनकी ऐसी दरियादिली देख फैंस तारीफ कर रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला।

सिंगर के कैमरामैन को आए चक्कर

अंकित तिवारी इन दिनों अपने लाइव शो को लेकर काफी बिजी चल रहे हैं। 8 जून को मुंबई के कार्टर रोड एम्फीथिएटर में उनका कॉन्सर्ट हुआ था। इस दौरान उनके कैमरामैन को स्टेज पर गर्मी के चलते चक्कर आ गए और वह गिर पड़े। तभी सिंगर की नजर कैमरामैन पर पड़ती है और वह भागकर उन्हें उठाते हैं और साइड में बैठाकर पानी भी पिलाते है। इस वीडियो को इंस्टेंट बॉलीवुड ने शेयर किया है। इस वक्त सोशल मीडिया पर सिंगर का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

फैंस कर रहे हैं तारीफ

इस वीडियो को देख अंकित के फैंस उनकी तारीफ करते नजर आ रह रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, इस इंसानियत कहते हैं। दूसरे फैन ने लिखा, इतना विनम्र आदमी। एक अन्य ने लिखा, इंसान हो तो ऐसा। एक ने लिखा, गर्मी बहुत हो रही है। क्या अब कैमरामैन ठीक है?

आशिकी-2 से छाए अंकित तिवारी

फिल्म 'आशिकी-2' के गानों में अंकित तिवारी ने अपनी आवाज से दुनिया भर में जादू बिखेरा था। उन्होंनेतु रहा है ना तू, तेरी गलियां जैसे गानों से बॉलीवुड में पॉपुलैरिटी बटोरी थी। हालांकि करियर के पीक पर यानी 2014 में उनके साथ एक ऐसी घटना हुई, जिसने उन्हें अंदर से तोड़कर रख दिया।उनकी एक्स गर्लफ्रेंड ने उनपर दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगाए थे। इस मामले में अंकित तिवारी की गिरफ्तारी भी हुई थी। करीब तीन साल बाद यानी साल 2017 में कोर्ट ने अंकित तिवारी को दुष्कर्म के आरोप से बरी किया था।

मौनी रॉय ने स्पेन में अपने लुक से बढ़ाई गर्मी, बिकिनी में शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें

मौनी रॉय ने टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने एकता कपूर के क्योंकि सास भी कभी बहू थी से डेब्यू किया था और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो के बाद वह कई और सुपरहिट शोज का हिस्सा बनी। इसके बाद फिल्मी पर्दे पर भी डेब्यू किया, लेकिन वह एक्ट्रेस अपना ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई।

मौनी रॉय ने बिकिनी में शेयर की हॉट तस्वीरें

मौनी रॉय (Mouni Roy) बाली में वेकेशन मनाने के बाद अब पति सूरज नांबियार संग स्पेन के मजे लेती नजर आ रही हैं। ऐसा हम नहीं बल्कि उनकी तस्वीरें बोल रही हैं। सोमवार को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम छुट्टियों की एक झलक साझा की, जिसमें वह बिकिनी पहने नजर आ रही हैं।ये कपल स्पेन के खूबसूरत शहर इबिजा में हैं। जहां दोनों बीच साइड के मजे लेते नजर आ रहे हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस बिकिनी टॉप के साथ प्रिंटेड नॉटिड रैपरॉन स्कर्ट पहने नजर आ रही हैं। इस लुक को उन्होंने खुले बाल और ब्लैक सनग्लास के साथ पूरा किया है।

सूरज संग हुई रोमांटिक

इस फोटो में मौनी रॉय पति सूरज नांबियार के साथ रोमांटिक होती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी रॉय ने ब्लैक पोलका डॉट्स वाली शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। तो वहीं, सूरज नांबियार ब्लू निकर और व्हाइट शर्ट पहने हुए नजर आ रहे हैं।मौनी रॉय को जल्द ब्लैकआउट मूवी में देखा जाएगा। काफी समय बाद एक्ट्रेस किसी फिल्म में नजर आएंगी। आखिरी बार उन्हें वेब सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली में देखा गया था। इससे पहले फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन में नजर आई थी।